संस्करण : नई दिल्ली, पानीपत (हरियाणा), चंडीगढ़, लखनऊ, भोपाल (मध्य प्रदेश), हल्द्वानी, नैनीताल, देहरादून (उत्तराखंड) से एक साथ प्रकाशित

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें...

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia

मूल्य ₹ 3.00

RNI No-49329/89
website: www.publicasia.in
email:- publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 35 | अंक : 360 | नई दिल्ली, सोमवार, 18 नवंबर, 2024 | पृष्ठ : 12

मणिपुर हिंसा : महाराष्ट्र में चुनावी रैली छोड़कर दिल्ली लौटे शाह

मुकेश वत्स, पब्लिक एशिया

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा और तनाव को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां छोड़कर दिल्ली लौट आए हैं। इसके बाद शाह ने मणिपुर में हिंसा के हालात का जायजा लेने के लिए गृह मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और हिंसा को रोकने और तनाव कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाने पर सहमति जताई।

वहीं, मणिपुर में हिंसा को देखते हुए एनपीपी ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। पिछले चार दिनों में गृह मंत्रालय ने मणिपुर के कई इलाकों में,स्नस्क्क (शस्त्र अधिनियम निरोधक कानून) लागू किया है और हिंसा को रोकने के लिए सुरक्षा बलों को उचित उपाय करने के निर्देश भी दिए हैं। शाह सोमवार को मणिपुर के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। गौरतलब है कि उग्रवादियों द्वारा ईमानदार व्यक्तियों की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने शनिवार रात मणिपुर के एक वरिष्ठ विधायक समेत तीन भाजपा और एक कांग्रेस विधायक के ठिकानों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं।

भाजपा जानबूझकर मणिपुर को जलाना चाहती है : खड़गे

नई दिल्ली। मणिपुर में फिर भड़के दंगे के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को भाजपा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि वह जानबूझकर सीमावर्ती राज्य को जलाना चाहती है, क्योंकि इससे उनकी घिनौनी और जटिल राजनीति को बढ़ावा मिलता है।खड़गे ने कहा कि राज्य के लोग कभी याद नहीं रखेंगे या माफ नहीं करेंगे कि राज्य के नेता नरेंद्र मोदी ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और कभी उनके दुख को कम करने के लिए उनके राज्य में नहीं आए। इस बीच मणिपुर में बढ़ते दंगे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियों को रद्द कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, %नरेंद्र मोदी जी, आपकी दोहरी मोटर सरकार में न तो मणिपुर एकजुट है और न ही मणिपुर सुरक्षित है। मई 2023 से यह अकल्पनीय पीड़ा, विभाजन और उबलती हुई हिंसा से गुजर रहा है, जिसने इसके भाइयों के भविष्य को नष्ट कर दिया है। हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा जानबूझकर मणिपुर को निगलना चाहती है क्योंकि इससे उसकी घृणित विघटनकारी सरकारें चलती हैं।

डीआरडीओ ने लंबी दूरी की पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली » रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी की पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह परीक्षण शनिवार को देर रात ओडिशा के तट पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। इस हाइपरसोनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मिसाइल को विभिन्न डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया था।

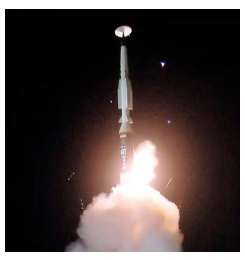

उड़ान डेटा ने सफल टर्मिनल युद्धाभ्यास और उच्च सटीकता के साथ प्रभाव की पुष्टि की है। इस मिसाइल को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद की प्रयोगशालाओं के साथ-साथ विभिन्न अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। उड़ान-परीक्षण डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उड़ान-परीक्षण को ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसने भारत को महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के समूह में डाल दिया है। उन्होंने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी।

विस चुनाव से पहले गहलोत के इस्तीफे ने दिया 'आप' को बड़ा झटका

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत का मंत्रिमंडल एवं आम आदमी पार्टी (आप) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने से पार्टी को बड़ा झटका लगा है। श्री गहलोत ने आज इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक चिट्ठी भी लिखी है। उन्होंने पत्र में इस्तीफा देने की वजह लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं करना बताया है।

उन्होंने पत्र में लिखा है,' शीशमहल जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद हैं जो अब सभी को संदेह में डाल रहे हैं कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने में विश्वास करते हैं।अगर दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास 'आप' से अलग होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और इसलिए मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।' गौरतलब है कि पिछले कुछ महीने में दिल्ली सरकार के दो मंत्री और दो विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। इसके साथ ही श्री गहलोत ने मंत्री पद छोड़ने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और श्री केजरीवाल को यमुना की सफाई और नए बंगले के विवाद को लेकर पत्र में अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने बिना विलंब श्री गहलोत के मंत्रिमंडल से इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 में प्रस्तावित है। इससे पहले श्री गहलोत के एकाएक पार्टी छोड़ने से कई सवाल उठ रहे हैं।

गहलोत का इस्तीफा भाजपा की गंदी राजनीति का हिस्सा :आप

आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि श्री कैलाश गहलोत का मंत्रिमंडल और पार्टी से इस्तीफ़ा देना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गंदी राजनीति और षड्यंत्र का हिस्सा है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को कहा कि आज भाजपा एक बार फिर अपने हथकंडे, घिनौनी राजनीति और षड़यंत्र में कामयाब हुई है। श्री गहलोत के ऊपर लगातार भाजपा द्वारा दबाव बनाया जा रहा था। ईडी-सीबीआई के छापे मारे जा रहे थे। ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। उनके घर पर आयकर के छापे मारे जा रहे थे। श्री गहलोत के ऊपर ईडी, आयकर समेत तमाम तरीके का दबाव था।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
27.0°C	14.0°C

संक्षिप्त समाचार

लाहौर में खतरनाक हवा से लोगों का दम घुट रहा है, 30 दिन में 19 लाख लोग अस्पताल पहुंचे

डिजिटल डेस्क, पब्लिक एशिया

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में लोगों का दम घुट रहा है। लोग अत्यधिक प्रदूषण से परेशान हैं। पिछले 30 दिनों में सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित 19 लाख से अधिक लोग इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में पहुंचे हैं। शनिवार को ही पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जहरीली भूरी धुंध और वायु प्रदूषण के कारण सांस संबंधी समस्याओं के कारण 75,000 से अधिक लोग अस्पताल पहुंचे। इसके अलावा 3,359 अस्थमा रोगी, 286 हृदय रोग रोगी, 60 स्ट्रोक पीड़ित और 627 नेत्रश्लेष्मलाशोथ रोगियों का इलाज किया गया। वायु प्रदूषण से संबंधित सबसे अधिक मामले लाहौर में दर्ज किए गए हैं। यहां 5,353 लोग सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें 359 अस्थमा रोगी, 171 हृदय रोगी, 20 स्ट्रोक पीड़ित और 303 नेत्रश्लेष्मलाशोथ रोगी शामिल हैं। लाहौर के प्रमुख अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगी हुई है। सांस के रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

महाराष्ट्र की जनता मोदी को फिर सिखाएगी सबक : खड़गे

एजेंसी/ नई दिल्ली » कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि महाराष्ट्र की जनता लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सबक सिखाएगी। श्री खरगे ने कहा,'लोकसभा में महाराष्ट्र की जनता ने मोदी जी को कुछ सबक़ सिखाया। उनके बहुमत को आपने कम किया। अब उनकी सरकार को खड़े होने के लिए भी दो पैरों की ज़रुरत है-बिहार के नीतीश कुमार और आंध्रा के चंद्रबाबू नायडू।' उन्होंने कहा,'अगर ये दोनों निकल गए, तो मोदी सरकार गिरेगी, ठहरेगी या टिकेगी। ये कमाल महाराष्ट्र ने लोकसभा चुनाव में किया है। अब विधान सभा चुनाव में तो आपको पूरी तरह से डट कर मुक़ाबला करना है।'

प्रचार के आखिरी दिन झारखंड के समर में उतरेंगे योगी

तीन विधानसभा क्षेत्रों में रैली करेंगे यूपी के मुख्यमंत्री

झारखंड से ही मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव प्रचार का किया था आगाज

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ » उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार के आखिरी दिन झारखंड के समर में उतरेंगे। सीएम ने चुनाव प्रचार का आगाज भी पांच नवंबर को झारखंड से ही किया था। सीएम झारखंड में इसके पहले पांच नवंबर, 11 नवंबर व 14 नवंबर को रैली कर चुके हैं। सोमवार को यहां वे चौथे दिन चुनाव प्रचार में पहुंचेंगे।

सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली रैली साहबगंज जनपद में होगी। यहां की राजमहल विधानसभा क्षेत्र में सीएम वोट मांगेंगे। राजमहल से भारतीय जनता पार्टी ने अनंत ओझा को टिकट दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरी रैली जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र में करेंगे। यहां से सीता सोरेन कमल चुनाव निशान पर मैदान में हैं। सीएम की तीसरी रैली देवघर में होगी। देवघर विधानसभा क्षेत्र से नारायण दास भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हैं।

मोदी ने नाइजीरियाई राष्ट्रपति से की बातचीत

» दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा

एजेंसी

अबुजा, » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और नाइजीरिया आतंकवाद, ड्रग्स और समुद्री डकैती की चुनौतियों से निपटने के लिए काम कर रहे हैं और इस बात पर जोर दिया कि देश नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देता है।अबुजा में प्रेसिडेंशियल विला में नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करते हुए श्री मोदी ने कहा, 'हम नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देते हैं। हमारे बीच रक्षा, ऊर्जा, वित्तीय मुद्दों जैसे कई क्षेत्रों में मजबूत सहयोग है।प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति हमारे संबंधों से कई नई संभावनाएं जुड़ी हैं।' उन्होंने नाइजीरिया में हाल ही में आई बाढ़ में जानमाल के नुकसान पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा,'140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं पिछले महीने नाइजीरिया में बाढ़ में जानमाल के नुकसान पर हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। भारत राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए 20 टन मानवीय सहायता भेज रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा, % सत्रह साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली नाइजीरिया यात्रा है और यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मुझे अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में नाइजीरिया आने का मौका मिला है।बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 25वीं गिरफ्तारी, गुजरात का व्यक्ति अकोला से गिरफ्तार

एजेंसी/ मुंबई. मुंबई क्राइम ब्रांच एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच कर रही है. इस मामले में रविवार को एक और गिरफ्तारी हुई. इस सनसनीखेज घटना में अब तक कुल 25 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. आज महाराष्ट्र के अकोला से गुजरात के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. यह जानकारी एक अधिकारी ने दी है. बताया जा रहा है कि आज अकोला के बालापुर से गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान गुजरात के आनंद जिले के पेटलाद निवासी सलमानभाई इकबालभाई वोहरा के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने पुलिस की मदद से आरोपी को गुजरात से करीब 565 किलोमीटर दूर से गिरफ्तार किया है. सलमानभाई इकबालभाई वोहरा की गिरफ्तारी के बारे में अधिकारियों ने बताया कि उसने इसी साल मई में एक बैंक खाता खुलवाया था और गिरफ्तार आरोपियों गुरमेल सिंह, रूपेश मोहोल और हरीशकुमार के भाई नरेशकुमार सिंह को वित्तीय मदद पहुंचाई थी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा से मिले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। महाराष्ट्र दौरे पर जाते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर हुई मुलाक़ात

हरियाणा आशाओं और अवसरों की धरा हैः राव नरबीर सिंह

विकसित भारत-विकसित हरियाणा की दिशा में हम निरंतर प्रयास देश को समृद्धि और सशक्तिकरण की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे : राव नरबीर सिंह

हरियाणा की गिनती देश के सम्पन्न राज्यों में होती है : उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

निशान्त वत्स पब्लिक एशिया

नई दिल्ली। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि इस बार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का थीम विकसित भारत 2047 रखा गया है और हरियाणा मंडप में राज्य विकसित भारत% से कदमताल करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को धरातल पर उतारने का काम कर रहा है क्योंकि हरियाणा आशाओं और अवसरों की घरा है तथा हरियाणा की गिनती देश के सम्पन्न राज्यों में होती है।उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि विकसित भारत-विकसित हरियाणा की दिशा में हमारे ये निरंतर प्रयास देश को समृद्धि और सशक्तिकरण की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राव नरबीर सिंह भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, भारत मंडपम्, नई दिल्ली में हरियाणा राज्य दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण के प्रशासक श्यामल मिश्रा, हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण के अधिकारी अनिल चौधरी, आर्ट अधिकारी हृदय कौशल, कल्चर अधिकारी तान्या सिंह व रेणु हुडा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। हरियाणा राज्य दिवस समारोह में प्रदीप पुनिया और अमित सैनी रोहतकिया आदि कलाकारों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम भी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए और दर्शकों ने तालियां बजा कर कलाकारों को प्रोत्साहित भी किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा ऑटो मोबाइल, आई.टी. और अन्य उद्योगों का बड़ा केन्द्र है। यहां अति उत्तम संचार सुविधाओं, विकसित औद्योगिक संपदाओं, चम-चमाते बौड़े राजमार्गो, एक्सप्रेसवे रेल मागों व मैट्रो रेल का जाल बिछ चुका है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश के क्षेत्रफल का मात्र 1.34 प्रतिशत और जनसंख्या का 2.09 प्रतिशत है। लेकिन इसके बावजूद हमारा छोटा सा राज्य भारत के आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन साबित हो रहा है। आज देश की सड़कों पर दौड़ने वाली हर दूसरी कार हरियाणा में बनती है।

देश के 52 प्रतिशत ट्रैक्टरों का निर्माण भी यहीं पर होता है। उन्होंने कहा कि भारत के समग्र विकास में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस समय जब देश संसार की बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है, तो हरियाणा इसमें अपना अधिकतम योगदान कर रहा है।उन्होंने कहा कि प्रदेश का हर जिला किसी न किसी राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है। पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में 40 हजार करोड़ रुपये की लागत से 1350 किलोमीटर लंबे नए राष्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण किया गया है। राज्य का हर गांव बिजली की रोशनी से जगमगा रहा है। पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त नहरें व अन्य साधन उपलब्ध हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी यहां आधुनिक शिक्षा के हर संकाय और विषय की शिक्षा देने के लिए अनेक विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान खुल चुके हैं। मंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोक गीतों एवं राम-रानियों में प्रदेश के लोगों की धर्म परायणता एवं चावनता की झलक मिलती है। यहां की लोक कलाओं और लोक नृत्यों में यहां की गौरवशाली संस्कृति, महान परम्पराएं तथा प्रेरक संदेश समाये हुए हैं। यहां आयोजित किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आपको न केवल हरियाणा की इस समृद्ध विरासत की झलक देखने को मिलेगी, बल्कि आप भी इससे कहीं न कहीं जुडाव व लगाव भी महसूस करेंगे। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में विकास के जो नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, समाज कल्याण की, गरीबों के उत्थान की और अंत्योदय को हासिल करने की, जो स्कीमें शुरू की हैं हम उनको तीव्र गति प्रदान करेंगे। हरियाणा में उद्योग और व्यापार के फलने-फूलने के अनुकूल माहौल पैदा किया है। हम प्रदेश के हर क्षेत्र में उद्योग लगा रहे हैं। हमने हरियाणा को विदेशी और घरेलू निवेशकों का पसंदीदा स्थल बनाने के लिए आकर्षक नीतियां बनाई है ताकि नए उद्योगों को आकर्षित किया जा सके।

एक जागरूक नागरिक के तौर पर हम पालीथीन का प्रयोग ना करें : पर्यावरण मंत्री

उद्योग और पर्यावरण मंत्री ने उपस्थित जनसमूह से आहवान करते हुए कहा कि एनसीआर पर्यावरण प्रदूषण की वजह से गैस चेंबर में बदल रहा है। इसलिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। पालीथीन का प्रयोग पूरी तरह बंद करना होगा। पालीथीन को गलने में चार सौ साल लग जाते हैं और हमारी 16 पीढ़ी चली जाती है तब भी पालीथीन गल नहीं पाता है। यदि पालीथीन को जलाया जाए तो सबसे प्रदूषित वातावरण इससे बनता है। उन्होंने कहा कि एनसीआर क्षेत्र में एक साल में दस करोड़ तो अकेले शादी के कारण छप जाते हैं। समय आ गया है कि शादी कार्ड डिजिटल रूप से भेजा जाए और कार्ड छपवाने से बचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एक जागरूक नागरिक के तौर पर हम पालीथीन का प्रयोग ना करें। उन्होंने कहा कि पूरे हरियाणा को स्वच्छ बनाना है।

लेख

महाराष्ट्र नहीं अब मणिपुर की फ़िक्र कीजिये माई-बाप

हे ईश्वर ! आप भाजपा को बिना किसी अवरोध के झारखण्ड और महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव जितवा दीजिये ताकि केंद्र की सरकार इन दोनों राज्यों की फ़िक्र छोड़कर डेढ़ साल से भस्मीभूत हो रहे मणिपुर को राख होने से बचा सके। मणिपुर में हालात जम्मू- काश्मीर से भी ज्यादा भयावह और अकल्पनीय हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गत गुरवार 14 नवंबर, को मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के मद्देनजर पांच जिलों में छह पुलिस थानों की सीमाओं को 'अशांत क्षेत्र' घोषित करते हुए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को फिर से लागू कर दिया है।केंद्र की मशीनरी वोट पाने के लिए महाराष्ट्र में गड़े मुर्दे उखाड़ रही है तो झारखण्ड के आदिवासियों को खुश करने के लिए दिल्ली में सूफी संत काले खान के नाम पर बनी सराय पर बिरसा मुंडा का नाम चस्पा कर रही है। चुनाव जीतने के लिए केंद्र को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हैलीकाप्टर से उड़ने की इजाजत नहीं दी जा रही है ,तो धड़ाधड़ ईडी के छापों के जरिये मतदाताओं को हड़काने की कोशिश की जा रही है ,लेकिन मणिपुर की फ़िक्र किसी को नहीं है। जम्मू-कश्मीर की फ़िक्र वहां विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा पहले ही छोड़ चुकी है।

महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनावी शोरगुल में मणिपुर की आग और वहां की जनता की चीख-पुकार किसी को सुनाई ही नहीं दे रही। अब तो ऐसा लगने लगा है कि मणिपुर इस देश का हिस्सा है ही नहीं और यदि है तो ठीक वैसे ही है जैसे किसी जमाने में रूस में साइबेरिया होता था। आपको बता दें कि जो सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए)मणिपुर में लागू किया गया है वो सशस्त्र बलों को बेलगाम शक्ति देता है, स्थानीय जनता शुरू से इस अधिनियम के खिलाफ रही है। जहां तक मुझे याद है कि अप्रैल 2022 में मणिपुर सरकार की ओर से बेहतर सुरक्षा स्थिति और आम जनता के बीच सुरक्षा की बढ़ी भावना के बीच इन क्षेत्रों से हटा लिया गया था। अब स्थिति बिगड़ने पर इसे फिर से लागू किया गया है। नया आदेश 31 मार्च, 2025 तक प्रभावी रहेगा। पता नहीं क्यों देश के प्रधानमंत्री मणिपुर जाने से कतरा रहे है। उन्हें दरअसल चुनावों से ही फुरसत कहाँ मिल रही है ? पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव ,फिर महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव और इनसे फारिग होते ही बिहार और दिल्ली विधानसभा के चुनावों में उन्हें लगना है। हमारी सरकार ये हकीकत समझने को तैयार ही नहीं है कि मणिपुर को सशस्त्र बलों की नहीं बल्कि उन नारेबाजों कि जरूरत है जो इस समय महाराष्ट्र और झारखण्ड में बंटेंगे तो काटेंगे 'या' एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे का आव्हान करते घूम रहे हैं। मणिपुर की तरह महाराष्ट्र और झारखण्ड में सुरक्षा हालत बड़ी समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के अग्निमुखी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में यदि जरा भी साहस है, विवेक है, बुद्धि है तो उन्हें तत्काल महाराष्ट्र और झारखण्ड कि चिंता छोड़कर मणिपुर कूच करना चाहिए।

महाराष्ट्र और झारखण्ड में नेताओं के आगे-पीछे घूमने वाला मीडिया भी प्रधानमंत्री और योगी आदित्यनाथ की तरह मणिपुर जाने से घबड़ाता है। हमारा बहादुर मीडिया यूक्रेन युद्ध कव्हर करने जा सकता है । अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का कव्हरेज करने जा सकता है , इजराइल-लेबनान युद्ध दिखाने जा सकता है ,लेकिन मणिपुर नहीं जा सकता। हिम्मत ही नहीं है किसी में। आपको किसी टीवी चैनल ने शायद ही ये खबर दी हो कि मणिपुर के जिरीबाम जिले में पांच दिन पहले 11 नवंबर को सैनिकों की वर्दी पहनकर आए उग्रवादियों ने एक पुलिस थाने और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए थे। इस एनकाउंटर के अगले दिन यानी 12 नवंबर को सशस्त्र आतंकवादियों ने जिले से महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों को अगवा कर लिया। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव और बढ़ गया है। 7 नवंबर से शुरू हुई हिंसा में कम से कम 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें तीन पुरुष और महिलाएं शामिल है। हारकर हालात बिगड़ते देख केंद्र सरकार ने यहाँ पुराना क़ानून लागू करने का फैसला किय। सवाल ये है कि सरकार मणिपुर को लेकर जो नीति अपना रही है उससे क्या मणिपुर की हिंसा समाप्त हो जाएगी ? मणिपुर 3 मई 2023 से हिंसा की आग में जल रहा है। यानि मणिपुर को जलते हुए पूरे 18 महीने हो चुके हैं। इस हिंसा की वजह से करीब 50 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। कुकी और मैतेई के बीच चल रहे इस जातीय संघर्ष में अब तक 200से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है,लेकिन देश के प्रधनमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को एक दिन के लिए भी मणिपुर जाने की फुरसत नहीं मिली ,हालाँकि इस बीच वे तीसरी बार सत्ता में भी आ गए । दो बार रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए विदेश दौरे भी कर आये। लोकसभा में विपक्ष के नेता जब इस पद पर नहीं थे तब भी दो बार मणिपुर गए लेकिन उनके हाथ में सिवाय पीड़ितों के प्रति संवेदना जताने के कुछ था ही नही। हाँ उनके पास वो साहस जरूर था जिसका नितांत अभाव महाबली प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी और देश के गृहमंत्री श्रीमान अमित शाह जी में बहुत ज्यादा है। तकलीफ इस बात से भी है कि केंद्र मणिपुर की नाकारा सरकार को अभयदान देकर बैठी है सो अलग। केंद्र करे भी तो क्या करे सूबे की सरकार उसकी अपनी जो है। भारत में पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति कोई नया मामला है। इससे पहले भी देश ने अरुणाचल ,असम, नागालैंड में ऐसे ही दौर देखे हैं,लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इन सभी समस्याओं को निबटाया। आज की सरकार तो मणिपुर के मामले में पूरी तरह से नाकाम हुई है। जम्मू-काश्मीर और केरल को लेकर 'कश्मीर फ़ाइल' और 'केरल फ़ाइल' जैसी फ़िल्में बनाने वाले विवेक अग्निहोत्री जैसे फिल्म निर्माता मणिपुर का सच और सरकार की नाकामी पर फिल्म बनाने का साहस जुटा नहीं पा रहे हैं। देश कि सांसद 25 नवंबर से फिर बैठने वाली हा। देखना है कि सरकार किस मुंह से इस सांसद में मणिपुर को लेकर बोलती है ?

▪ राकेश अचल

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

ललित गर्ग

योग एवं आयुर्वेद में आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाने की बात की जाती है। किसी भी बीमारी से लड़ने के लिये संकल्प जगाने एवं प्रमाद त्यागने पर बल दिया जाता है। संतुलित जीवन जीने एवं तनावों-दबावों को अपने पर हावी न होने देने के साथ आयुर्वेद दवाओं को उपयोग में लाया जाता है, जिससे बीमारी पर नियंत्रण करने का प्रभावी असर देखने को मिलता है। सोचो, जिन्दगी मात्र जीने के लिये नहीं, स्वस्थता एवं सरसता से जीने के लिये हैं और योग-आयुर्वेद उसका अचूक उपाय है। आयुर्वेद एवं योग रूपी जीवनशैली, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से तरह-तरह की बीमारियों को रोका जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इज़ाफ़ा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भो में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरु कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी।दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से

अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा।

आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरुआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खर्चीली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पर्धाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं।

अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है। इसीलिये आधुनिक बीमारियों को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में तरह-तरह की बीमारी रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी बीमारियों की जड़ है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम और खेलकूद से वजन को नियंत्रित किया जा सकता है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। योग एवं आयुर्वेद में आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाने की बात की जाती है। किसी भी बीमारी से लड़ने के लिये संकल्प जगाने एवं प्रमाद त्यागने पर बल दिया जाता है। संतुलित जीवन जीने एवं तनावों-दबावों को अपने पर हावी न होने देने के साथ आयुर्वेद दवाओं को उपयोग में लाया जाता है, जिससे बीमारी पर नियंत्रण करने का प्रभावी असर देखने को मिलता है। सोचो, जिन्दगी मात्र जीने के लिये नहीं, स्वस्थता एवं सरसता से जीने के लिये हैं और योग-आयुर्वेद उसका अचूक उपाय है। आयुर्वेद एवं योग रूपी जीवनशैली, इच्छाशक्ति, योग-साधना और स्वस्थ आहार आदतों से तरह-तरह की बीमारियों को रोका जा सकता है।

'बुलडोज़र कार्रवाई' न्याय नहीं नफ़रत व कुंठा की पराकाष्ठा

तनवीर जाफ़री

भारतीय राजनीति का स्वरूप अब बदल चुका है। अब हाथ जोड़कर विनम्रता प्रदर्शित करते नेताओं का युग शायद चला गया। कम से कम आज के दौर के नेताओं के तेवर उनके मुंह से निकलने वाले ज़हरीले शब्द बाणों, उनकी नीयत व कार्यशैली आदि को देखकर तो यही लगता है। ख़ासतौर पर गत एक दशक से जब से दक्षिणपंथी शक्तियों के हाथों में देश की सत्ता आई है तब से केंद्र व अनेक राज्य सरकारों द्वारा कई ऐसे फ़ैसले लिये गये जिनके कारण देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय तर्ज़-ए-सियासत की ख़ूब आलोचना हुई। भारतीय जनता पार्टी शासित विभिन्न राज्य सरकारों का ऐसा ही एक मनमाना व अमानवीय निर्णय था 'बुलडोज़र न्याय' । हालांकि देश की विभिन्न अदालतों द्वारा पहले भी इस विषय पर संज्ञान लिया जा चुका है। परन्तु पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायलय ने इस सम्बन्ध में नये व सख़्त दिशा-निर्देश के जारी किये और कहा कि उसका यह आदेश हर राज्य में भेजा जाए और सारे अधिकारियों को इसके बारे में बताया जाए।

सर्वोच्च न्यायालय की जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की दो जजों की पीठ ने कहा है कि किसी व्यक्ति के घर या संपत्ति को केवल इसलिए तोड़ना कि वह अपराधी है या उन पर अपराध के आरोप हैं, क़ानून के ख़िलाफ़ है। न्यायालय ने कहा कि घर या कोई जायदाद तोड़ने से पहले कम से कम 15 दिन का नोटिस देना होगा। अगर किसी राज्य के क़ानून में इससे लंबे नोटिस का प्रावधान हो तो उसका पालन करना होगा। यह नोटिस रजिस्टर्ड पोस्ट से देना होगा। इसके साथ ही कथित ग़ैर क़ानूनी ढांचे पर भी इस नोटिस को चिपकाना होगा। नोटिस पर पहले की तारीख़ न दी जाए। इसके लिए नोटिस की एक कॉपी कलेक्टर/ ज़िला मजिस्ट्रेट को भी ईमेल पर भेजनी होगी। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश में कहा गया है कि नोटिस में ये भी लिखना होगा कि कौन से क़ानून का उल्लंघन हुआ है,इस मामले में सुनवाई कब होगी। और जब सुनवाई हो तो उसका पूरा विवरण भी रिकॉर्ड

करना होगा। न्यायालय के दिशा-निर्देश में यह भी कहा गया है कि सुनवाई करने के बाद अधिकारियों को अपने आदेश में वजह भी बतानी होगी। इसमें ये भी देखना होगा कि किसी संपत्ति का एक हिस्सा ग़ैर क़ानूनी है या पूरी संपत्ति ही ग़ैर क़ानूनी है। न्यायालय के अनुसार यदि तोड़-फोड़ की जगह, जुर्माना या और कोई दंड दिया जा सकता है तो वह दिया जाएगा। और यदि क़ानून में संपत्ति तोड़ने या गिराने के आदेश के ख़िलाफ़ कोर्ट में अपील करने का प्रावधान है तो उसका पालन किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देश के मुताबिक़ अगर ऐसा प्रावधान नहीं भी है, तो आदेश आने के बाद संपत्ति के मालिक/मालकिन को 15 दिन का समय मिलेगा ताकि वे स्वयं ही ग़ैर क़ानूनी ढाँचे को सही कर लें। यदि ऐसा नहीं हो, तब ही इसे तोड़ने की कार्रवाई की जा सकती है। %बुलडोज़र न्याय % को लेकर आये सर्वोच्च न्यायालय के इन राहत भरे निर्देशों के बाद अब यह माना जा रहा है कि इस महत्वपूर्ण फ़ैसले से बुलडोज़र से की जा रही विध्वंस की ग़ैर-क़ानूनी कार्रवाइयों पर अब रोक लगेगी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश,उत्तरांचल,मध्य प्रदेश,राजस्थान,असम,हरियाणा जैसे अनेक भाजपा शासित राज्यों में गत एक दशक के दौरान सैकड़ों घरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बुलडोज़र न्याय के नाम पर ज़मींदोज़ किया जा चुका है। सरकारें व प्रशासन ख़ुद ही न्यायलय की भूमिका अदा करता रहा है। किसी के मकान को इसलिये ध्वस्त कर दिया गया कि वह किसी आरोपी का मकान है। तो किसी मकान या भवन को इसलिये गिरा दिया गया कि वह अनधिकृत निर्माण है,उसके पास नक़्शा व निर्माण की अनुमति नहीं है,आदि। दरअसल इस तरह की कार्रवाई से पहले मौजूदा सत्ताधीश के तेवर व उनके शब्दों पर यदि ग़ौर करें तो स्वयं ही साफ़ हो जाता है कि सरकार व प्रशासन द्वारा बुलडोज़र कार्रवाई कोई न्याय की मिसाल क़ायम करने के लिये नहीं की जाती थी। बल्कि इसके पीछे साम्प्रदायिक व जातिवादी कुंठा काम कर रही थी। यही वजह है कि पूरे देश में अब तक जितनी भी बुलडोज़र कार्रवाइयां हुई हैं उनमें सबसे अधिक भवनों का ध्वस्तीकरण एक ही समुदाय के लोगों का ही हुआ है। हद तो यह है कि मध्य प्रदेश में एक घटना तो ऐसी भी हुई कि एक आरोपी किसी किराये के मकान में रहता था। परन्तु इस कुंठाग्रस्त सरकार व प्रशासन ने नफ़रत की आग में जलते हुये उस मकान को भी ध्वस्त कर दिया। जहाँ तक अवैध निर्माण बताकर किसी भवन को गिराने का विषय है तो इस सम्बन्ध में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव द्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा में उठाये गये इस सवाल की भी अनदेखी नहीं की जा सकती जिसमें वे कई बार पूछ चुके हैं कि क्या उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री निवास का नक़्शा पारित है ? यदि है तो कहाँ है,किसके पास है,किसने देखा है ? अखिलेश के कहने का मतलब साफ़ है कि जिस भवन में बैठकर लोगों के भवन अवैध बताकर गिरवाये जा रहे हैं वही भवन अवैध रूप से निर्मित है। परन्तु दरअसल बुलडोज़र न्याय के पीछे मक़सद न्याय का हरगिज़ नहीं बल्कि यह कार्रवाई सत्ताधीशों के मुंह से समय समय पर निकलने वाले उनके शब्द बाणों को ही अमल में लाने का एक तरीक़ा है। अन्यथा आज तक इतिहास में किसी मुख्यमंत्री ने हम मिट्टी में मिला देंगे, ठोक देंगे,गर्मी उतार देंगे,बक्कल उतार देंगे,बंटेंगे तो कटेंगे जैसे निम्नस्तरीय शब्दों का प्रयोग नहीं किया। अब जबकि अदालत स्वयं यह कह चुकी है कि - किसी भी सभ्य समाज में बुलडोज़र के ज़रिए इंसाफ़ नहीं होना चाहिए, ऐसे में सत्ताधीशों को भी सोचना पड़ेगा कि वे भी स्वयं को एक सभ्य समाज के सभ्य नेता के रूप में पेश करें। धर्म जाति के अनुसार या इसके मद्देनज़र पक्षपात पूर्ण या विद्वेषपूर्ण फ़ैसले लेना निष्चित रूप से किसी सभ्य समाज के सभ्य नेता की पहचान हरगिज़ नहीं। सर्वोच्च न्यायायलय के फ़ैसले से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि 'बुलडोज़र कार्रवाई' न्याय के लिये नहीं बल्कि यह नफ़रत व कुंठा की पराकाष्ठा है।

खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में ग़लतफ़हमी संवादहीनता व नासमझी की मुख्य भूमिका

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ख़ुशियों के ख़ूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में ग़लतफ़हमी संवादहीनता व नांसमझी की मुख्य भूमिका ख़ुशहाल रिश्तों नातों को मज़बूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत ज़रूरी रिश्तों नातों को ख़ुशहाल बनाने आपसी आत्मविश्वास, समर्पण सहमति समर्थन व समझदारी का भाव रूपी अस्त्र की महत्वपूर्ण भूमिका हैं।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत ही एक ऐसा देश है जहां रिश्तोंनातों की बहुत गहराई से कद्र होती है, जो कि आदि अनादि काल से ही भारत की मिट्टी में समाया हुआ है इसलिए जो मानव भारत की मिट्टी पर पैदा हुआ है उसमें प्राकृतिक रूप से उसके मन में रिश्ते नातों,संबंधों की कद्र करना समा जाता है, परंतु समय का तकाजा है,उसके चकरे के घूमने से कई चीजें न केवल बदल जाती है,बल्कि व्यक्ति विशेष का स्वभाव अंदाज, आदत तो छोड़ो लेकिन उसके जीवन की दिनचर्या ही बदल जाती है जिसमें उसके रिश्ते नाते संबंधों में दरार आने लगती है, जिससे वह व्यक्ति खुशीयों की खूबसूरत लकीर से हटकर अकेलापन और दुख की ओर चल पड़ता है। मेरा मानना है कि इसका सबसे मजबूत कारण मिस अंडरस्टैंडिंग मिस कम्युनिकेशन व कम्युनिकेशन गैप है, चूंकि सामने वाला व्यक्ति, कहना कुछ चाहता है, हम समझते कुछ हैं, और हो कुछ और जाता है इसलिए सबसे पहले हमें उस अंडरस्टैंडिंग के अंदाज को समझने की ज़रूरत है,जिस लहजे में हमसे बोला जा रहा है, अगर हम यह तकनीक सीख गए तो मेरा पूरा विश्वास है हमारे रिश्ते नाते हमेशा दूर-दूर तक साधारण वह मजबूत रहेंगे। अवस्था में रहेंगे और हमें खुशियां मिलेगी क्योंकि खुशियों क़े लिए हमारे द्वारा बनाए संबंधों रिश्तो नातों को मजबूत स्वस्थ और खुशहाल बनाना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे रिश्तो के बिना जीवन बेकार है रिश्तो पर ध्यान देने की जरूरत है, खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में ग़लतफ़हमी संवादहीनता व नांसमझी की मुख्य भूमिका हैं।खुशहाल रिश्तों नातों को मज़बूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत ज़रूरी हैं।

साथियों बात अगर हम अपने जीवन में रिश्तों नातों को निभाने की करें तो,व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिलेटिव सबसे ज्यादा करीब होते हैं।रिश्ता चाहें जो भी हो,उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। परिवार में हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं।कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं,ऐसा कोई नहीं चाहता कि उनका रिश्ता उनके करीबियों से खराब हो जाए या टूट जाए, इसलिए अपने किसी भी रिश्ते में लापरवाही या नासमझी नहीं करनी चाहए। रिश्तो को खुशहाल रखने के लिए इन बातों को रेखांकित करना जरूरी है(1) इज्जत और सम्मान करें-रिश्ता चाहें माता पिता से हो या दोस्तों से हो, उसकी मर्यादा को हमेशा याद रखना चाहिए,कोई भी रिश्ता बिना सम्मान के ज्यादा दिन नहीं टिक पाता है अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे की इज्जत करना बेहद जरूरी है। (2) भरोसा करें और ईमानदार रहें-दुनियां के हर रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है। भरोसा कमजोर पड़ते ही सालों पुराने और खून के रिश्ते भी टूट जाते हैं,इसीलिए हमको अपने किसी भी रिश्ते में बेवजह शक नहीं करना चाहिए और अपनों का भरोसा कभी नहीं तोड़ना चाहिए। (3) इन चीजों को करने से बचेंरोक-टोक ना करें-हर समय की रोक-टोक किसी भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है और वे आपसे धीरे धीरे दूर हो सकते हैं, इसीलिए बेवजह बात बात पर रोक टोक ना करें और सामने वाले को उनका पूरा समय देने की कोशिश करें। (4) मिसकॉम्युनिकेशन से बचें-किसी भी रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप आने से रिश्ते खराब हो जाते हैं, इस स्थिति से बचने के लिए मन में कोई बात ना रखें और खुलकर बात करें और दूसरो को भी अपने मन की बात कहने का मौका दें।

साथियों बात अगर हम रिश्ते खराब होने के कारणों की करें तो, जब जब किसी रिश्ते के बीच में मैं का भाव आ जाता है तो है रिश्ता खराब होना निश्चित होता है,उसरिश्ते को तब तक नहीं बचाया जा सकता जब तक की मैं का भाव मिटा न दिया जाए।और यह हमारी आपसी तालमेल पर ही निर्भर करता है कभी हम अपनी गलती माने, कभी सामने वाला अपनी गलती माने, इसी प्रकार से जिंदगी खुशी पूर्वक चलती रहती है। परंतु यदि हम यह सोच कर बैठ जाएंगे कि हम तो गल्ती करते ही नहीं, तो फिर रिश्ता निभाना मुश्किल हो जाएगा। कई बार हमको उस बात के लिए भी सामने वाले से माफी मांग लेनी चाहिए, जिसमें कि हमारा कोई दोष नहीं है,क्योंकि कभी-कभी यह समय की आवश्यकता होती है और बाद में सही समय पर उस व्यक्ति को उसकी गलती का एहसास दिलाया जा सकता है।परंतु यदि अभी लड़ाई चल रही है और हम भी अपनी बात पर अड़ गए, तो फिर विवाद का अंत होना संभव ही नहीं है, विवाद बढ़ता ही चला जाएगा और यह स्थिति हमारे जीवन में अशांति और क्लेश घर कर जाएगा। एक सफल रिश्ते की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है,विश्वास और एक दूसरे पर भरोसा, इसे कभी भी नहीं टूटने देना चाहिए, क्योंकि यदि एक बार किसी का भरोसा आप पर से उठ गया, तो यकीन मानिए फिर दोबारा से उस व्यक्ति को भरोसे में ला पाना असंभव ही होता है वह हमेशा हमें शक की दृष्टि से ही देखेगा। यदि एक बार हमारे जीवन में शक नामक घुन लग गया तो यकीन मानिए फिर वह हमको तबाह करके ही छोड़ता है। पुरानी कहावत है लव रिक्वायर्स टोलरेंस।इसका सीधा अर्थ है प्यार में नज़रन्दाज़ी यानि झुकना जरुरी है।यानि अगर झुकोगे नहीं,तो टूट जाओगे (रिश्ता खत्म) तलाक के 90 प्रतिशत मामले अकड़ का नतीजा होते हैं। दोनों में से कोई भी झुकने को तैयार नहीं होता। इसलिए रिश्ता टूट जाता है।गलती हुई है,तो सॉरी बोलिए।बात को खत्म करिये।नज़र अन्दाज करने की आदत डालिये।छोटी सी गलती को तूल देना अच्छा नहीं !अगर रिश्ता पति पत्नी का है,तो न कोई छोटा है,न कोई बड़ा ।टोकरी शहतूत के पेड़ की टहनी से इसलिए बनती है कि उसमें लचक होती है।वह मोड़ने पर टूटती नहीं ।यानि जो व्यक्ति झुकना नहीं जानता,वह टूट जाता है। इसलिए रिश्ता जिन्दा रखना है,तो झुकना सीखें वरना,एक दिन राख के ढेर में यादों को तलाशते रहजाएंगे ।रिश्तों में एक दूसरे को स्पेस देना बहुत जरूरी है। क्योंकि जब तक हम उनसे दूर नहीं जाएंगे वो आपकी कमी को कभी महसूस नहीं कर पाएंगे।और अगर रिश्तों को बेहतर बनाने की सोच से हम नजदीकियां बढ़ाएगे तो कहीं उलटा ही ना हो जाए,क्योंकि ज्यादा मिठास भी शुगर कर देती है,हाहाहा...।इसलिए थोड़ी दूरियां बनाइये ताकि हमारी कमी उन्हें महसूस हो,हमको याद करने का उन्हें अवसर दे। साथियों बात अगर हम रिश्तो को जोड़े रखने की टिप्स को समझने की करें तो, रिश्तो को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा कभी बहरा तो कभी गूंगा होना पड़ता है?जी हां ! यह रिश्ते को ही नहीं आज अपने घर में भी हर बुजुर्ग को बच्चों के साथ रहना, खाना है,तो यह करना चाहिए। यह उपाय हमको हर समस्या से बचाए रखता है। (1) समझदारी-रिश्तों को मजबूती से जोड़ने के लिए समझदारी बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप दूसरों की भावनाओं को समझ सकते हैं।(2) संवाद कौशल-सही संवाद कौशल रखना रिश्तों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है, जिससे समस्याओं का समाधान हो सकता है। (3) समर्पण-रिश्तों को टिकाऊ बनाए रखने के लिए समर्पण बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप एक दूसरे के साथ खुशियों और दुःखों का हिस्सा बन सकते हैं। (4) सहमति और समर्थन-रिश्तों में सहमति और समर्थन देना जरूरी है ताकि हर कदम पर आप एक दूसरे के साथ हों। (5) आपसी आत्मविश्वासरिश्तों को मजबूत रखने के लिए आपसी आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है, ताकि आप खुद को और दूसरों कोसमझ सकें।जो लोग रिश्तो के प्रतिवफादार नहीं होते, और उनकी मर्यादा नहीं समझते या उनकी कीमत नहीं समझते, ऐसे लोग अपने रिश्तो को आसानी से तोड़ देते हैं।रिश्ते तोड़ते समय उनके मन में जरा सा भी संकोच या शर्म महसूस नहीं होती क्योंकि ऐसे लोग शर्म और संकोच से परे होते हैं, वह जानते ही नहीं है कि ,शर्म, मर्यादा और संकोच क्या कहलाता है ? ऐसे व्यक्तियों से यदि रिश्ता टूट जाता है तो दुख नहीं करना चाहिए क्योंकि यह व्यक्ति आगे जाकर हमें और ज्यादा परेशान करते हैं।हमें यदि कल परेशान होना है तो ,क्यों ना हम इनके रिश्ते से टूट कर ,अभी बिखर कर फिर नए तरीके से संभलकर जीवन को आगे बढ़ाएं।

पब्लिक एशिया : पत्र पंजीकरण संख्या : 49329/1989, स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश वत्स ने पब्लिक एशिया E-33, सेक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित कराया व 302, ||| फ्लोर नेशनल आर्केट बिल्डिंग एल.एस.सी. गाजीपुर दिल्ली 96 से प्रकाशित किया है। संपादकीय कार्यालय : 302 ||| फ्लोर नेशनल आर्केट बिल्डिंग एल.एस.सी. गाजीपुर दिल्ली-96। मुख्य कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस 686 जी, न्याय खंड-2, इन्दरापुरम, गाजियाबाद (उ.प्र.), Mob. 9891945513, Web-www.publicasia.in, E-mail ID: publicasia1989@gmail.com

मुख्य समाचार

सुरेश कटारिया व्यय प्रेक्षक की अध्यक्षता में तृतीय व्यय निरीक्षण बैठक सम्पन्न

निशान्त वत्स पब्लिक एशिया

गाजियाबाद » 56-गाजियाबाद सदर, विधानसभा में उपचुनाव के मद्देनज़र भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के क्रम में निर्धारित व्यय निरीक्षण की द्वितीय व्यय निरीक्षण बैठक सुरेश कटारिया व्यय प्रेक्षक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक निर्धारित समय पर शुरू हुई। बैठक के दौरान प्रत्याशियों एवं प्रत्याशी प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्याशी का व्यय लेखा सभी बिल दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत किया गया। व्यय निरीक्षण की तृतीय बैठक में व्यय निरीक्षण टीम सहित (प्रत्याशी/प्रत्याशी प्रतिनिधि में से जो भी) परमानंद गर्ग, बहुजन समाज पार्टी से उपस्थित, संजीव शर्मा, भारतीय जनता पार्टी, उपस्थित, सिंहराज जाटव, समाजवादी पार्टी, उपस्थित, गयादीन अहीरवार, राष्ट्रीय बहुजन कांग्रेस पार्टी, अनुपस्थित, धर्मेन्द्र सिंह, राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी (सत्य), अनुपस्थित, पवन, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी, अनुपस्थित, श्रीमती पूनम, हिन्दुस्थान निर्माण दल, उपस्थित, रवि गौतम, ऑल इंडिया मजलिश–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन, उपस्थित, रवि कुमार पांचाल, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभास पार्टी), अनुपस्थित, सत्यपाल चौधरी, आजाद समाज पार्टी (कांशी राम), उपस्थित, मिथुन जायसवाल, निर्दलीय, अनुपस्थित, रूपेश चन्द्र, निर्दलीय, उपस्थित, विनय कुमार शर्मा, निर्दलीय, उपस्थित व शमशेर राणा, निर्दलीय, उपस्थित रहे।

शराब की दुकानों के वर्ष 2024-25 हेतु 18 नवंबर 24 को होगी ई-लाटरी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

गाजियाबाद। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अर्द्धशासकीय पत्र नवसृजन दिनांक 15-11-2024 के अनुक्रम में जनपद, गाजियाबाद की 01 विदेशी मदिरा दुकान एवं 02 बीयर की दुकानों का व्यवस्थापन ई-लाटरी के माध्यम से दिनांक 18-11-2024 को अपरान्हन 4» 00 बजे कराया जाना है। जिसके लिए आप सादर आमंत्रित हैं।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का एक और सराहनीय कार्य चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

दिल्ली (संजीव ठाकुर) » टाइगर कमांड » सतर्क ट्रैफिक पुलिसकर्मी एसआई संगीता और उनकी टीम की अमन बिहार सर्किल में गश्त कर रहे थे इसी दौरान उन्होंने एक संदिग्ध ब्लैक कलर की स्प्लेंडर देखी जिसे देखते ही रुकने का इशारा किया गया लेकिन उसने भागने की कोशिश की परन्तु एसआई संगीता की टीम ने उसे रोकने में सफलता हासिल कर ली, जब बाइक के दस्तेवजो की जांच की गई तो पता चला यह बाइक चोरी की है जिसकी एफआईआर थाना लक्ष्मी नगर में दर्ज है,एसआई संगीता ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए चोर को चोरी की बाइक के साथ थाना कंझावला के एसआई नरेंद्र (आईओ) को सौंप दिया,स्पेशल सीपी जोन ढ्ढ, श्री अजय चौधरी, आईपीएस और साथ ही एडिशनल सीपी ट्रैफिक मुख्यालय श्री सत्यवीर सिंह कटारा ने एसआई संगीता और उसकी टीम के द्वारा किए गए इस बेहतरीन कार्य की सराहना की है।

दक्षिण अफ्रीका में हिन्दू संगठन होगा मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली » दक्षिण अफ्रीका में हिन्दू समुदाय ने देश की शासन व्यवस्था के सभी अंगों में हिन्दू प्रतिनिधित्व मजबूत करने, हिन्दू छात्रवृत्ति शुरू करने के साथ ही राजनीतिक फंड एवं मीडिया टीम के गठन करने का संकल्प लिया है। दक्षिण अफ्रीका के विश्व हिंदू परिषद द्वारा 'संयुक्त समुदाय; मजबूत दक्षिण अफ्रीका' विषय के तहत आयोजित ऐतिहासिक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन, 9-10 नवंबर को डरबन, क्वाजुलु-नताल के संस्कृति केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें संन्यास परिषद के सम्मानित संन्यासियों के साथ-साथ 42 संगठनों के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डरबन में 1995 के विश्व हिंदू सम्मेलन के 29 साल बाद आयोजित इस सभा ने दक्षिण अफ्रीका में हिंदुओं और व्यापक समाज दोनों को लाभ पहुंचाने वाले प्रस्तावों को लागू करने के लिए हिंदू समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया। सम्मेलन में हिंदू समुदाय को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दो प्राथमिक प्रस्ताव पारित किए गये। पहला प्रस्ताव सरकार, प्रशासन, न्यायपालिका, कूटनीति, पुलिस, सशस्त्र बलों और नेतृत्व में मजबूत हिंदू प्रतिनिधित्व की वकालत करता है। इसमें वकालत के प्रयासों, रूढ़िवादिता का मुकाबला करने, सरकारी कर्मचारियों के लिए हिंदू पुजारी पद की स्थापना करने, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में शैक्षिक समर्थन बढ़ाने और स्वदेशी दक्षिण अफ्रीकी धार्मिक विरासत की रक्षा करने का आह्वान किया गया है। दूसरा प्रस्ताव हिंदू संगठनों, मंदिरों और एसोसिएशन फोरम (होटा) की स्थापना करके हिंदू पूर्वजों के योगदान को याद करता है, जिसका उद्देश्य हिंदू संस्थाओं को एकजुट करना है। इसमें राजनीतिक भागीदारी के लिए एक हिंदू फंड, रूढ़िवादिता का मुकाबला करने के लिए एक मीडिया टीम, धर्मांतरण से निपटने के प्रयास और हिंदू छात्रों के लिए छात्रवृत्ति बनाने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, यह सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अफ्रीकी स्वदेशी समूहों के साथ गठबंधन बनाने पर जोर देता है। उद्घाटन समारोह के मुख्य आकर्षणों में अफ्रीकी हिंदू भाई श्री बोंगानी वृन्दावन द्वारा पढ़ा गया एकात्मता मंत्र और चिकित्सक लाराटो शेरपेनहुइज़न द्वारा अफ्रीकी प्रार्थना शामिल थी, जिसने सम्मेलन के लिए एक सामंजस्यपूर्ण स्वर स्थापित किया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने आयोजन के महत्व को पहचानते हुए समर्थन का संदेश भेजा। सत्रों में विविध विषयों को संबोधित किया गया» राजनीति, कानूनी और प्रशासनिक मुद्दे, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मीडिया, महिलाएं, युवा और रूपांतरण। उपस्थित प्रमुख लोगों में पर्यावरण उप मंत्री नरेंद्र सिंह शामिल थे, जिन्होंने हिंदू एकता के महत्व पर जोर दिया, और वित्त उप मंत्री एशोर निक सरूपेन, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीकी समाज में हिंदू योगदान का जश्न मनाया। पूर्व संसद सदस्य श्रीमती शमीन ठाकुर राजबंसी ने संविधान की सर्वोच्चता और मानवीय गरिमा, समानता की उपलब्धि, मानव अधिकारों की उन्नति और संघ की स्वतंत्रता के मूल्यों पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि हर किसी को अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने का अधिकार है और दक्षिण अफ्रीका गैर-नस्लवाद और गैर-लिंगवाद के सिद्धांतों का समर्थन करता है।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन शिक्षा का मुद्दा उठाने मुख्यमंत्री के रोड शो में पहुंची

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने में भारी सुरक्षा बंदोबस्त बना बाधा

एजेंसी

गाजियाबाद » गाजियाबाद की सदर सीट पर उपचुनाव में जनता से रूबरू होने के लिए विजय नगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रोड शो आयोजित किया गया जिसमें गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन प्रदेश के अभिभावकों से जुड़े शिक्षा के विभिन्न मुद्दों को मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाने के लिए रोड शो में पहुंची।

गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा त्यागी, सचिव अनिल सिंह, विवेक त्यागी , कौशलेंद्र ठाकुर नवीन राठौर, मनोज वर्मा, जसबीर रावत, तथा अनेकों अभिभावक मौजूद रहे। सदर सीट से विधायक प्रत्याशी संजीव शर्मा ने ज्ञापन लिया और मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के लिए आश्वस्त किया । जीपीए की अध्यक्ष सीमा त्यागी और सचिव अनिल सिंह ने बताया कि जहां मुख्यमंत्री के आगमन से एक दिन पहले ही आम जनमानस की दुकानों को बंद करवा उनको आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया गया वही जनता की गाढ़ी टैक्स की कमाई को ऐसे रोड शो के माध्यम से दुरुपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी का पिछले 8 दिन में ये दूसरा दौरा है, और दो महीनों में चौथा।

ऐसे दौरों में सुरक्षा बंदोबस्त को चाकचौबंद करने के लिए करोड़ों रुपए जनता के टैक्स के खर्च होते हैं जबकि मुख्यमंत्री की इच्छा शक्ति हो तो इस पैसे से प्रदेश के अनेकों सरकारी स्कूल ठीक कराए जा सकते हैं ।हर बार पुलिस प्रशासन नजरबंद करने घर पहुंच जाता है जो दिखाता है कि मुख्यमंत्री शिक्षा के मुद्दे पर बात ही नहीं करना चाहते ।आज भी शाम 5 बजे के आस पास पुलिस की गाडी घर पहुंची लेकिन हम जब तक कार्यक्रम स्थल तक पहुंच चुके थे। हमने मुख्यमंत्री जी तक ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश के अभिभावकों की आवाज पहुंचाने की भरकस कोशिश की लेकिन भारी सुरक्षा बंदोबस्त , तीन लेयर की बैरिकेटिंग अवरोध के रूप में सामने आई ।

प्रदेश के मुख्यमंत्री को इतनी सुरक्षा की आवश्यकता हैं तो रोड शो करने की जरूरत क्या है? जनता के मुद्दों को सुनना नहीं चाहते तो वोट मांगने के लिए रोड शो की जरूरत पड़ती हैं। चुनाव आयोग को इस बात का संज्ञान लेना चाहिए। जीपीए के क्रांतिकारी कभी हार नहीं मानते ।हम प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और गरीब बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार दिलाने की आवाज उठाते रहेंगे ।

द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति द्वारा घुघुती समारिका का विमोचन

घुघुती समारिका का विमोचन के पर उतराखंड के लोकनृत्य ने लोगों का किया भरपूर मनोरंजन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्लीः द्वारका स्थित दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज के सभागार में सामाजिक, शैक्षिक एव सांस्कृतिक उत्थान के लिए अग्रसर संस्था द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति द्वारा घुघुती समारिका का विमोचन बड़ी धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित व गणेश वंदना से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में डीन ऑफ कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रोफेसर बलराम पाणि और प्रोफेसर दयाल सिंह पंवार, राजपाल सोलंकी, ले. जन. ए.एस. रावत, ले. जन. ए.के. भट्ट, अध्यक्ष प्रेमसिंह रावत, उपाध्यक्ष मीना पतियाल, उपाध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह बिष्ट, सचिव जगदीश नेगी, देवेन्द्र सिंह कोरंगा, सांस्कृतिक सचिव प्रीति कोटनाला सालियान, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह रावत सहित संस्था के कई गणमान्य लोग उपस्थत थे। समारिका के विमोचन पर उत्तराखंड के लोक नृत्यों को उपस्थित लोगों भरपूर आनंद उठाया।

द्वारका उतराखण्डी उत्तरायणी समिति अध्यक्ष प्रेमसिंह रावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में देवभूमि उतराखंड अपनी संस्कृति एवं अद्भूत सौन्दर्य व प्राचीन परंपराओं को सहेजे हुए है। लोक संस्कृति एवं लोकगीतों ने अंतर्राष्टीय स्तर पर ख्याती प्राप्त की हुइ है। इस समारिका में उतराखंड वासियों को अपनी जन्मभूमि एवं अपनी संस्कृति को स्मरण करने को प्रेरित करेगी तथा जनमानस को इसकी जानकारी प्राप्त होने के साथ साथ युवाओं के लिए भी स्मारिका अपनी संस्कृति को पहचानने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने के साथ प्रेरण का स्त्रोत्र भी बनेगी।

राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल 19 नवंबर को आगरा में 'जीवन सुगमता' विषय पर पंचायत सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे

स्वाति वर्मा, पब्लिक एशिया

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल 19 नवंबर को आगरा में 'जीवन सुगमता' जमीनी स्तर पर सेवा वितरण बढ़ाना' विषय पर 'पंचायत सम्मेलन' की अध्यक्षता करेंगे।अंतिम स्तर तक सेवा पहुंच सुदृढ़ बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कार्यशाला; अंतरराज्यीय ज्ञान साझा किए जाने से लाभ होगा।

पंचायती राज मंत्रालय 19 नवंबर 2024 को उत्तर प्रदेश में आगरा के ताज होटल और कन्वेंशन सेंटर में द्वितीय पंचायत सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। चार सम्मेलनों की श्रृंखला का यह दूसरा पंचायत सम्मेलन है। पहला सम्मेलन हैदराबाद में आयोजित हुआ है। देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर शासन और सेवा वितरण तंत्र को सुदृढ़ करने की यह महत्वपूर्ण पहल है।

पंचायती राज और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल जीवन सुगमता पर पंचायत सम्मेलन- जमीनी स्तर पर सेवा वितरण को बढ़ाना विषय के इस महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर, पंचायती राज मंत्रालय सचिव विवेक भारद्वाज, उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण, पंचायती राज मंत्रालय के संयुक्त सचिव आलोक प्रेम नागर भी शामिल होंगे और सुशासन तथा सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों का उल्लेख करेंगे। पंचायत सम्मेलन में असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, नागालैंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित आठ राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे जो विविध भौगोलिक क्षेत्रों प्रतिनिधित्व करेंगे और और शासन के अनुभव साझा करेंगे। अंतिम स्तर तक सेवा पहुंचाने और ग्रामीण शासन में गुणवत्ता मानक स्थापित करने का दायित्व निभाने वाले पंचायत पदाधिकारी और निर्वाचित प्रतिनिधि विस्तृत विचार-विमर्श में भाग लेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण शासन में परिवर्तनकारी बदलाव में तेज़ी लाना है जो पूरे देश में ग्रामीण नागरिकों की जीवन सुगमता बढ़ाएगा। हैदराबाद पंचायत सम्मेलन की सफलता के तर्ज पर आगरा पंचायत सम्मेलन को भी 11 भाषाओं - बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स-संचालित भाषिनी प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। आगरा पंचायत सम्मेलन में परिवर्तनकारी पहल का उल्लेख किया जाएगा जिसमें वाधवानी फाउंडेशन द्वारा बेहतर सेवा वितरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) और पंचायती राज मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन सेवाओं के लिए सर्विसप्लस को कॉन्फ़िगर करना और रैपिडप्रो (यूनिसेफ) और भाषिनी जैसे डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना शामिल है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) ग्रामीण सेवा वितरण के मानदंड की रणनीति प्रस्तुत करेगा जो डिजिटल नवाचार और शासन उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पंचायत सम्मेलन अनुच्छेद 243 जी में निहित संवैधानिक जनादेश पर आधारित है, जो पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को स्थानीय स्वशासन की महत्वपूर्ण इकाइयों के तौर पर सशक्त बनाता है। इस संवैधानिक प्रावधान ने पंचायती राज संस्थाओं को कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक कल्याण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित 29 विषय लागू करने का अहम दायित्व सौंपा है जो विकेंद्रीकृत शासन के आवश्यक स्तंभ हैं। लोकतांत्रिक शासन के तीसरे स्तर के तौर पर ग्राम पंचायतें ग्रामीणों को प्रभावी रूप से उन तक समय पर सीधी सेवाएं सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यशाला में अंतिम स्तर तक सेवा पहुंचाने की सुदृढ़ रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिसमें मानक और सेवा वितरण की गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।

पेम्मासानी करेंगे सरस आजीविका पवेलिनय का उद्घाटन

एजेंसी/नई दिल्ली » केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी सोमवार को यहां के भारत मंडपम में आयोजित 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय विश्व व्यापार मेला 2024 में परंपरा, शिल्प, कला एवं संस्कृति से सराबोर सरस आजीविका पवेलियन का उद्घाटन करेंगे।यहां रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित सरस आजीविका पवेलियन के उद्घाटन के मौके पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव शैलेश कुमार सिंह भी मौजूद रहेंगे। साथ ही इस मौके पर मंत्रालय के अन्य गणमान्य लोग तथा अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन के साथ ही राज्य मंत्री डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी विभिन्न राज्यों से आई हुई सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं के स्टॉलों पर जाकर उनका प्रोत्सावर्धन भी करेंगे। साथ ही उनके द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन भी करेंगे।

इस पवेलियन में रविवार को काफी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान लोगों ने जमकर खरीदारी और ग्रामीण कलाओं की सराहना की। चौदह नवंबर से 27 नवंबर तक चलने वाले मेले में सरस आजीविका पवेलियन में 31 राज्यों की 300 से अधिक महिला शिल्प कारीगर 150 से अधिक स्टॉलों पर अपनी-अपनी उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि सरस आजीविका पवेलियन भारत मंडपम के हॉल संख्या नौ और 10 में लगाया गया है। सरस आजीविका पवेलियन में देश भर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री हो रही है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने देश के हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को रोजगार शुरू करने का अवसर मुहैया कराने के लिए एक मुहिम शुरू की है।

शाश्वत बंसल ने पावर लिफ्टिंग में पूरे विश्व में किया देश का नाम रोशन

कादिर अब्बासी, पब्लिक एशिया

जहांगीराबाद। नगर निवासी शाश्वत बंसल ने रूस में आयोजित पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा वेट उठाकर भारत देश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है। उनकी सफलता से पूरे नगर में खुशी का माहौल है और लोग उनके घर बधाई देने पहुंच रहे हैं।

विश्व स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता रूस के मॉस्को सिटी में आयोजित की गई थी। जिसमें शाश्वत ने डेडलिफ्ट के तीन राउंड में क्रमशः 265, 275 और 280 किलो वेट उठाकर प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा जमाया। साथ ही उन्होंने 280 किलो की डेडलिफ्ट लगाकर रिकॉर्ड भी बनाया है। इस सफलता के साथ साथ शाश्वत ने जहांगीराबाद के साथ साथ देश का नाम भी रोशन किया है।

जहांगीराबाद के मौहल्ला पाठक निवासी शाश्वत बंसल के पिता अमित बंसल रेडीमेड गारमेंट्स के व्यापारी हैं और बंसल गारमेंट्स नाम से उनका एक शोरूम भी है। अमित बंसल से हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि शाश्वत ने रुस के मॉस्को में डब्लू.आर.पी. एफ. द्वारा आयोजित विश्वस्तरीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया है जिसमें उन्हें यह सफलता मिली है। जूनियर आयु वर्ग (20-23) अंडर वैट 110 किग्रा वर्ग में 280 किग्रा डेडलिफ्ट लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता है। उनकी इस सफलता को लेकर नगर में हर्ष की लहर दौड़ गई है और पूर्व सभासद व भाजयुमो नगराध्यक्ष मनोज गुप्ता, राजेश बंसल, गगन बंसल, अमित गोयल आदि ने शाश्वत को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

आप में फूटने लगा है असंतोष व आक्रोश का लावाः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा है कि यहां की बुनियादी समस्याओं को हल कर पाने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से विफल रही है और इसी वजह से आप में असंतोष तथा आक्रोश का लावा फूटने लगा है।

श्री खंडेलवाल ने रविवार को प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत के आप से और मंत्रिमंडल से इस्तीफे देने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि श्री अरविंद केजरीवाल और आप का ईमानदारी और नैतिकता के ढोंग की सच्चाई उजागर हो गई है।

उन्होंने कहा,'श्री कैलाश गहलोत का इस्तीफा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष और आक्रोश का लावा है, क्योंकि दिल्ली की बुनियादी समस्याओं को हल करने में दिल्ली सरकार पूरी तरफ़ विफल साबित हुई है और दिल्ली के लोगों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया है, जिसकी ज़िम्मेदारी से श्री केजरीवाल और आप सरकार बच नहीं सकती है।' उन्होंने श्री केजरीवाल पर झूठे वादे करने और दिल्ली के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा,'श्री अरविंद केजरीवाल खोखले वादों से जनता को गुमराह करते रहते हैं और दिल्ली की प्रगति के लिए कुछ नहीं किया है।' उन्होंने कहा कि श्री गहलोत ने पार्टी की विफलताओं को स्वीकार करने की शालीनता दिखाई है। उनका इस्तीफा एक ऐसा साहस और जवाबदेही का संकेत है, जो आप के नेतृत्व में पूरी तरह से गायब है।

दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा सांसद ने कहा कि श्री गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी की गिरती साख का मजबूत संदेश है और यह बताता है कि आप आंतरिक भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन से ग्रस्त है। उन्होंने ने दिल्ली के नागरिकों से पारदर्शी और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता को पहचानने का आग्रह किया तथा यहां और देश की वास्तविक प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

मुख्य समाचार

जिला में लगभग 70 प्रतिशत धान की कटाई व लगभग 60 प्रतिशत गेंहू की बिजाई का कार्य हो चुका है पूर्ण : उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि जिला में धान की कटाई व गेहूँ की बिजाई का कार्य जोरों पर चल रहा है। जिला में लगभग 70 प्रतिशत धान की कटाई का कार्य पूरा हो चुका है व लगभग 60 प्रतिशत गेहूँ की बिजाई भी हो चुकी है उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धान के अवशेषों में आगजनी की घटनाएं हरसेक द्वारा कम प्राप्त हुई हैं। पिछले वर्ष 16 नवंबर 2023 तक 38 आगजनी की घटनाएं हरसेक द्वारा प्राप्त हुई थी, जबकि इस वर्ष 16 नवंबर 2024 तक केवल 14 आगजनी की घटनाएं हरसेक द्वारा प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 4 सही पाई गई हैं। जिला में 10 बेलर कार्य कर रहे हैं । इनमें से कुछ बेलर अन्य जिलों से किसानों द्वारा मंगवाए गए हैं, जोकि धान की पराली की गाँठें बनाकर पराली का प्रबन्धन कर रही हैं। फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम 2024 के तहत किसान अपना पंजीकरण 30 नवंबर 2024 तक विभाग की वेबसाइट https://agriharyana.gov.in/applyschemes पर करवा सकते हैं उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने जिला के किसानों से अपील की है कि वे धान के फसल अवशेषों में आग न लगाएं तथा उसका प्रबन्धन अपने खेत में ही करें, जिससे मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है व जमीन में पाए जाने वाले मित्रकीट भी सक्रिय रहते हैं। यदि कोई किसान जाने-अनजाने में धान के फसल अवशेषों में आग लगाता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध तीनों कार्यवाही (चालान, एफ.आई.आर. व रेड एंट्री) करने का प्रावधान है। भारत सरकार के आदेशानुसार चालान की राशि में तबदीली की गई है, जिसके अनुसार यदि कोई किसान दो एकड़ या उससे कम पराली में आग लगाता है तो 5 हजार रुपये, 2 एकड़ से अधिक व 05 एकड़ से कम 10 हजार रुपये व 5 एकड़ से अधिक 30 हजार रुपये जुर्माना लगाने का प्रावधान है और दोषी किसान के विरूद्ध एफ.आई.आर. व मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर किसान के रिकॉर्ड में रेड एंट्री करने का प्रावधान है, जिसके फलस्वरूप किसान अगले दो सीजन तक अपनी फसल मंडी में बेचने में असमर्थ रहेगा व कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न किसानहितैशी योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि जिला स्तर, खण्ड स्तर, ग्राम स्तर पर धान की फसल अवशेषों में होने वाली आगजनी की घटनाओं की निगरानी हेतू 68 टीमें गठित की गई हैं जोकि निरंतर पराली में होने वाली आगजनी की घटनाओं की निगरानी कर रही हैं। ।

हरियाणा में बीपीएल आबादी सत्तर फीसदी होने पर सियासत गरमाई

कांग्रेस ने की सीबीआई जांच की मांग

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़,» हरियाणा में गरीबी की रेखा से नीचे की आबादी सत्तर फीसदी के आस पास पहुंचने के खुलासे पर सियासत गरमा गई हैं। त्यौने तीन करोड़ की आबादी वाले हरियाणा में 1.98 करोड़ लोग गरीब की रेखा से नीचे पहुंचने के खुलासे पर विपक्ष भाजपा सरकार से सवाल कर रहा है कि इतनी बड़ी आबादी गरीबी की रेखा से नीचे कैसे चली गई। इस मुद्दे पर कांग्रेस-भाजपा में आमने सामने है और सीबीआई जांच की मांग की जा रही है।हरियाणा में दो साल में 75 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे चले गए हैं। विधानसभा में पेश आंकड़ों के अनुसार राज्य की करीब 70फीसदी आबादी गरीब हो गई है। कांग्रेस ने बीपीएल श्रेणी के लोगों की बढ़ती संख्या पर सीबीआई जांच की मांग की है जबकि भाजपा इसे अपनी उपलब्धि बता रही है। कांग्रेस के दावों के अनुसार राज्य की करीब 70 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे पहुंच गई है। ऐसे में प्रति व्यक्ति आय किस तरह से बढ़ रही है। कांग्रेस ने बीपीएल श्रेणी के लोगों की बढ़ती संख्या पर सीबीआई जांच की मांग की है। भाजपा इसे अपनी उपलब्धि मानकर चल रही है। वह न केवल सीबीआइ जांच को तैयार है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को चिन्हित होने के बाद कांग्रेस पर ही सवाल खड़े कर रही है। हरियाणा में बीपीएल श्रेणी के लोगों को सरकार की ओर से कई तरह के लाभ मिलते हैं। प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज, हर माह 40 रुपये में दो लीटर सरसों का तेल और साढ़े 13 रुपये में एक किलो चीनी देने का प्रविधान बीपीएल श्रेणी के लोगों को है।इसके अलावा, परिवार पहचान पत्र में बीपीएल श्रेणी के लोगों को दो दर्जन से ज्यादा योजनाओं का लाभ मिलता है। दिसंबर 2022 में लगभग 1.24 करोड़ लोग (कुल आबादी का 44 प्रतिशत) को इस श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन पिछले दो वर्षों में उनकी संख्या में लगभग 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई, जिसके आधार पर राज्य के बीपीएल लोगों का आंकड़ा एक करोड़ 98 लाख तक पहुंच चुका है। राज्य की आबादी करीब पौने तीन करोड़ है। फरीदाबाद जिले में सबसे अधिक बीपीएल यानी 14 लाख 29 हजार लाभार्थी दर्ज किये गये हैं, जबकि हिसार जिले में 13 लाख 55 हजार बीपीएल हैं। तीसरे नंबर पर नूंह जिला है, जहां 13 लाख 40 हजार बीपीएल लोग हैं। सबसे कम पंचकूला जिले में 3.65 लाख बीपीएल हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा, आफताब अहमद और अशोक अरोड़ा का कहना है कि हम गरीब व जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के विरोध में नहीं हैं, लेकिन इतने गरीब राज्य में बढ़ रहे हैं और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी हो रही है तो यह दोनों एक साथ नहीं हो सकते। कहीं कुछ तो गडबड़ है। इसलिए पूरे मामले की सीबीआइ जांच कराई जानी चाहिये।इस मामले में भाजपा नेताओं की दलील यह है कि कांग्रेस सरकार के दौरान बीपीएल के लिए 1.20लाख रूपए सालाना आय का मानक था और भाजपा ने यह मानक बढ़ाकर 1.80लाख सालाना कर दिया है। इसलिए बीपीएल की संख्या बढ़ी है।

जालंधर में ड्रग व शराब तस्करों समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

जालंधर » पंजाब के जालंधर ग्रामीण पुलिस ने क्षेत्र में नशीली दवाओं के व्यापार को एक बड़ा झटका देने वाले त्वरित अभियानों की एक श्रृंखला में, दो ड्रग पैडलर और एक शराब तस्कर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 2019 से वांछित एक घोषित अपराधी को भी गिरफ्तार किया। पिछले 24 घंटे की कार्रवाई में जिले भर के विभिन्न स्थानों से 130 नशीली गोलियां और 15 डिब्बे अवैध शराब भी बरामद की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरकमलप्रीत सिंह खख ने रविवार को जिला पुलिस मुख्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा,'यह क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी और अपराध के खिलाफ हमारे गहन अभियान का हिस्सा है।' पहले ऑपरेशन में, पतारा पुलिस ने गांव ढाडा पुल के पास एक रणनीतिक गश्ती अभियान के दौरान अमर सिंह उर्फ साबी को 130 नशीली गोलियों के साथ रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी, गांव सिकंदरपुर थाना आदमपुर का निवासी है, कथित तौर पर अपने ग्रे सीएलआईक्यू स्कूटर पर भागने की कोशिश कर रहा था, तभी सतर्क अधिकारियों ने उसे रोक लिया। एक अन्य घटना में, लांबड़ा पुलिस ने उस समय सफलता प्राप्त की जब उन्होंने गांव अथोला से बलदेव सिंह पुत्र फकीर चंद को गिरफ्तार किया।

अपराधिक मानहानि के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 में जल्द दर्ज होगी

» वहीं हरियाणा सरकार मामले पर तुरंत कार्रवाई के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री को भेजेगी हुड्डा गोत्र का विवादित मामला

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » नेटफ्लिक्स पर 25 अक्तूबर को रिलीज़ हुई फ़िल्म दो पत्ती में हुड्डा गोत्र को बदनाम करने वाले संवाद से हुड्डास शब्द हटवाने और फ़िल्म निर्माता, निदेशक, अभिनेता व प्रसारित करने वाले ह" प्लेटफ़ार्म नेटफ्लिक्स से सार्वजनिक माफ़ी माँगने की माँग कल देर रात हरियाणा के मुख्यमंत्री निवास पर पहुँच गई । सर्व हुड्डा खाप के ऐतिहासिक चबूतरे बसंतपुर रोहतक पर 10 नवम्बर को हुड्डा खाप के 45 गाँव के प्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने पंचायत कर एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया , जिसमें इस समिति के सदस्य व इस मामले को समाज के सामने लाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र सिंह हुड्डा को हरियाणा के मुख्यमंत्री व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री से पत्राचार कर मामले को उचित ढंग से उठाने का अधिकार दिया गया है ।

सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र सिंह हुड्डा ने बताया कि फ़िल्म दो पत्ती के एक संवाद से जाट समाज के हुड्डा गोत्र को बदनाम किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि इस विवादित मामले को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से कल देर रात मुख्यमंत्री निवास पर मुलाक़ात के दौरान हुड्डा गोत्र को बदनाम करने वाले मामले पर विस्तृत चर्चा हुई ।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद मिलने का समय दिया , जोकि मुख्यमंत्री नायब सैनी की सामाजिक संवेदनशील को दर्शाता है । उन्होंने कहा कि फ़िल्म दो पत्ती में जिस प्रकार से हुड्डा गोत्र को बदनाम करने का षड्यंत्र हुआ है, यह एक आपराधिक मामला है। जिस पर जल्द ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 356 के तहत मामले में स्नढ्ढक दर्ज होगी । सुरेन्द्र सिंह हुड्डा ने बताया कि फ़िल्म रिलीज़ होने के अगले ही दिन फ़िल्म दो पत्ती के निर्माता, निदेशक, अभिनेता व फ़िल्म को प्रसारित करने वाले ह" प्लेटफ़ार्म नेटफ्लिक्स को उन्होंने नोटिस जारी कर दिया था जिसका जवाब फ़िल्म निर्माण करने वाली कम्पनी व फ़िल्म को प्रसारित करने वाली कम्पनी नेटफ्लिक्स ने देते हुए कहा है कि जो आरोप नोटिस में लगाए गए हैं वह घटना दो पत्ती फ़िल्म में हुई है परन्तु यह फ़िल्म निर्माता, अभिनेता की बोलने की आज़ादी के तहत है और हुड्डास शब्द का प्रयोग केवल एक संजोग ही है। सुरेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि देश का कोई भी क़ानून किसी की भी सामाजिक प्रतिष्ठा खराब करने व मान-सम्मान की हानि करने का अधिकार नहीं देता है ।

उन्होंने कहा कि फ़िल्म में प्रसारित विवादास्पद संवाद से उनकी व्यक्तिगत व समस्त हुड्डा खाप के एक-एक व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है और एक षड्यंत्र के तहत ही जाट समाज के हुड्डा गोत्र की मानहानि हुई है । उन्होंने कहा कि हुड्डा गोत्र के लोग हज़ारों वर्षों से भिन्न-भिन्न कार्यक्षेत्रों में अपनी-अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करते रहें हैं परन्तु फ़िल्म में जिस प्रकार से हुड्डा गोत्र को बदनाम करने का षड्यंत्र हुआ है यह बेहद निंदनीय है । सुरेन्द्र सिंह हुड्डा ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जाट समाज के हुड्डा गोत्र की एक षड्यंत्र के तहत सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक़सान पहुँचाई जा रहा है जिस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए ।

चर्चा में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने माँग स्वीकार करते हुए हरियाणा प्रदेश सरकार के आग्रह के साथ मामले को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री को भेजने के लिए अपने अधिकारियों को मौक़े पर ही निर्देश दिए । इस मौक़े पर सर्व हुड्डा खाप की उच्च अधिकार प्राप्त समिति के अन्य सदस्य मुकेश हुड्डा घुसकानी भी मौजूद रहे।

हरियाणा में भाजपा सरकार ने ढाई हजार रूपए प्रति किलो मीटर की दर से चलाई एम्बुलेंस : हुड्डा

ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से खरीदी गई दवाइयां और उपकरण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

,चंडीगढ़ » एक के बाद एक ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देने में जुटी बीजेपी ने स्वास्थ्य सेवाओं में भी जमकर घोटाले किए हैं। ना सिर्फ सरकार ने जनता का करोड़ों रुपया लूटा है, बल्कि लोगों की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया है। कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की ताजा रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ये बात कही।

उन्होंने कहा कि कैग की रिपोर्ट ने बीजेपी के घोटालों को पूरी तरह उजागर कर दिया है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं और डॉक्टर मुहैया करवाने की बजाय सरकार करोड़ों रुपए के घोटालों को अंजाम देने में लगी हुई है। रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि मात्र 42 से 209 किलोमीटर का सफर कई एंबुलेंस ने 1,05,000 से लेकर 5 लाख रुपए में तय किया। यानी लगभग 2500 रुपये प्रति किलोमीटर में एंबुलेंस ने अपनी सेवाएं दीं। इतना ही नहीं एंबुलेंस के मरीजों तक पहुंचने के समय में भी जमकर झोल किया गया है।सीएजी रिपोर्ट में कहा है कि लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करते हुए सरकार ने ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से भी दवाइयां और उपकरण खरीदे। इतना ही नहीं, सरकार ने ऐसी 15 एंजेसियों को 5.67 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया है, जिनकी दवाएं कई बार घटिया साबित हो चुकी हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, उसने प्रदेश के शिक्षा व स्वास्थ्य तंत्र को पूरी तरह नजर अंदाज किया है। यही वजह है कि आज प्रदेश में लगभग 30फीसदी डॉक्टरों और 42 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों के पद खाली पड़े हुए हैं।

हुड्डा ने कहा कि इस बार खुद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने भी कांग्रेस के आरोपों पर अपनी मुहर लगा दी है। क्योंकि कांग्रेस ने बार-बार हरियाणा की जनता को बताया कि भाजपा ने प्रदेश को साढे चार लाख करोड रुपए के कर्ज तले दबा दिया है। लेकिन सत्ता में बैठे लोग इससे इनकार करते रहे। अब खुद कैग की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि मार्च 2023 तक प्रदेश पर चार लाख करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ चुका था। उसके बाद भी इस सरकार ने कर्ज लेना जारी रखा, जो आज 4.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है। यह सब बीजेपी सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन और घोटालों के चलते हुआ है। जनता पर बार-बार ऐसी योजनाएं थोपी गईं, जिससे सारा पैसा घोटालेबाजों की जेब में गया और सरकार का राजस्व घटा। इससे जनता पर टैक्स और महंगाई की मार पड़ी।

जनता के जनादेश को समझकर उसे पचाना सीखें कांग्रेस : बड़ौली

खाद व एमएसपी पर कांग्रेस कर रही दुष्प्रचार, चुनाव में कांग्रेस को जनता ने दिया करारा जवाब- बडौली

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हिसार/चंडीगढ़ » भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कांग्रेस पर दुष्प्रचार करने व किसान सहित जनता के हर वर्ग को भ्रमित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के समय में भी ऐसा ही किया था, जिसका जनता ने जवाब दे दिया है, अब भी यदि कांग्रेस नहीं संभली तो इसका वजूद भी नहीं बचेगा।

मोहनलाल बड़ौली रविवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है और अधिकारी अपनी निगरानी में किसानों को खाद दे रहे हैं ताकि कहीं पर कोई अनियमितता न हो। यही नहीं, किसानों की धान व अन्य फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही है। कांग्रेस केवल यही दुष्प्रचार कर रही है कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद व एमएसपी नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसान सहित हर वर्ग भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से संतुष्ट है और यही कारण है कि जनता ने तीसरी बार भाजपा को सत्ता सौंपी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार बनाना जनता के हाथ में होता है और जनता ने भाजपा को अपना जनादेश दिया है, जिसे कांग्रेस को समझना चाहिए और पचाना भी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तेज गति से हर वर्ग के हित में काम कर रहे हैं। पहले जब उन्हें 56 दिन का समय मिला तो उस दौरान उन्होंने 126 बड़े फैसले लेकर कीर्तिमान बनाया, जिसका फायदा विधानसभा चुनाव में भी मिला। अब मुख्यमंत्री ने पार्टी के विधायकों व चुनाव लड़ने वाले प्रतिनिधियों को 100 दिन का टारगेट दिया है।

दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव :महामहिम राज्यपाल

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में हुआ 19 वां दीक्षांत समारोह आयोजित

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं है अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव है। आप यहां से डिग्री लेने के बाद नौकरी लेने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने, दुनिया में आपकी पहचान बने ऐसा विश्वास बनाना है। महामहिम राज्यपाल रविवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के खेल परिसर में आयोजित 19वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में एनआईटी, कुरुक्षेत्र के पास अकादमिक उत्कृष्टता, अत्याधुनिक शोध और समग्र विकास की एक शानदार विरासत है। पिछले कुछ वर्षों में, इस संस्थान ने देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को पोषित किया है, जिन्होंने भारत की तकनीकी, औद्योगिक और सामाजिक उन्नति में योगदान दिया है। हमारे स्नातकों के लिए, यह जीवन के एक अध्याय का अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत है। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों का होना बहुत जरूरी है, जिसमें हिम्मत और विश्वास होता है उसे कोई भी व्यक्ति आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि आप किसी देश का अंबेसडर बने, ऊंचा पद ग्रहण करे ऐसी मेरी कामना है। कृतज्ञता विनम्रता की नींव है और विनम्रता सच्चे नेतृत्व की पहचान है। जब आप इस नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, तो उस यात्रा पर चिंतन करे जो आपको यहां तक लाई है। अपने माता-पिता के बलिदान, अपने शिक्षकों की सलाह और अपने साथियों के योगदान को याद रखें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष डा. जी सतीश रेड्डी ने दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि पूरी मेहनत और लगन के साथ आप आगे बढ़े। इससे पहले संस्थान के निदेशक डा. बीवी रमना रेड्डी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह में कुल 4388 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई है, इसमें बैचलर आफ टेक्नोलॉजी की 2890, पोस्ट ग्रेजुएट की 1365 डिग्री, डॉक्टर आफ फिलोशिपी की 133 डिग्री तथा आईआईआईटी सोनीपत की 81 डिग्री शामिल है।

हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के 19वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करते हुए। (17.11.2024)

संविधान में मुफ्त कानूनी सहायता पाने का प्रावधान : न्यायमूर्ति गवाई

जेके और लद्दाख हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ताशी राबस्तान विधिक सेवा प्राधिकरणों के क्षेत्रीय सम्मेलन में हुए शामिल

पब्लिक एशिया ब्यूरो

,चंडीगढ़ » भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति भूषण आर. गवई ने आज हाशिए पर आए समुदायों को सशक्त बनाने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में कानूनी सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 39ए एक अत्यंत महत्वपूर्ण अनुच्छेद है, जो मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करता है।न्यायमूर्ति भूषण आर. गवई रविवार को चंडीगढ़ न्यायिक अकादमी में आयोजित राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों के क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान सम्बोधित कर रहे थे। इस सम्मलेन का विषय था 'हाशिए के लोगों को सशक्त बनाना और सामाजिक न्याय की ओर एक कदम'।

उन्होंने विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा पर भी प्रकाश डाला और विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा समय पर और प्रभावी कानूनी प्रतिनिधित्व प्रदान करने के प्रयासों को रेखांकित किया। इस अवसर पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान और जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ताशी राबस्तान भी उपस्थित थे। न्यायमूर्ति गवई ने जेलों में कानूनी सहायता क्लीनिकों के लिए नालसा की मानक संचालन प्रक्रियाओं सहित महत्वपूर्ण पहलों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि कैदी अपने कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक हों और उनका प्रयोग करें। उन्होंने कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली और किशोर न्याय और पुनर्वास को लक्षित करने वाले अभियानों जैसे अभिनव कार्यक्रमों पर भी चर्चा की। उन्होंने कानूनी सहायता तंत्र को मजबूत करने और सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों की गरिमा, समानता और अधिकारों को बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया।

क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान, 'पीड़ित देखभाल और सहायता प्रणाली की योजना' को आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया, जो अपराध के पीड़ितों को समग्र देखभाल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसके अतिरिक्त, मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों से संबंधित महत्व को उजागर करने के लिए नशीली दवाओं के बारे में जागरूकता पर केंद्रित एक समर्पित वीडियो का भी अनावरण किया गया। इसके अलावा एक अभिनव-ऐप भी पेश किया गया, जिसका उद्देश्य कानूनी सेवाओं और संसाधनों तक पहुँच को सुव्यवस्थित करना, जरूरतमंद लोगों को न्याय और सहायता प्रदान करने में अधिक पहुँच और दक्षता सुनिश्चित करना है।

इस सम्मेलन के दौरान, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने पंजाब, हरियाणा और यू.टी. में कानूनी सेवा प्राधिकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ में न्याय को सभी के लिए सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है , विशेष रूप से वंचितों के लिए। उनके संबोधन में मजबूत कानूनी सहायता तंत्रों के माध्यम से न्याय की पहुँच बढ़ाने और कानूनी भुगतानों के लिए क्यूआर कोड जैसे तकनीकी नवाचारों की शुरूआत, कानूनी प्रक्रियाओं में दक्षता और पहुँच बढ़ाने में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जोर दिया गया। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान ने हिमाचल प्रदेश में चल रही बहुआयामी कानूनी पहलों के बारे में विस्तार से बताया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने बच्चों को सशक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया और उन्हें भारतीय समाज में सबसे कमजोर समूहों में से एक बताया। बाल अधिकारों के उल्लंघन, कुपोषण और कोविड 19 महामारी के लंबे समय तक चलने वाले प्रभावों के बारे में चौंकाने वाले आँकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने उनकी सुरक्षा, शिक्षा और समग्र विकास सुनिश्चित करने पर सामूहिक ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने बाल श्रम, गोद लिए जाने की प्रतीक्षा कर रहे बच्चों और प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी बात की और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रणालीगत सुधारों की वकालत की। न्यायमूर्ति ताशी राबस्तान ने लोक अदालतों, कानूनी साक्षरता अभियान और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों जैसी पहलों पर चर्चा की, जिनका उद्देश्य सबसे दूरदराज के क्षेत्रों में न्याय पहुंचाना है, और संविधान में निहित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया ने सम्मेलन में व्यावहारिक योगदान के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह के साथ-साथ न्यायमूर्ति अरुण पल्ली, न्यायमूर्ति लिसा गिल और न्यायमूर्ति अलका सरीन सहित आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्य समाचार

यूटी पावर मैन 22 को चंडीगढ़ में निजीकरण के खिलाफ करेंगे रैली

एजेंसी

चंडीगढ़ » यूटी पावर मैन यूनियन ने चंडीगढ़ में बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में 22 नवंबर को सेक्टर 17 में विरोध रैली का आह्वान किया है। बिजली यूनियन के महासचिव गोपाल जोशी ने रविवार को कहा कि विरोध रैली में यूटी के विभिन्न विभागों के कर्मचारी, बिजली कर्मचारी और विभिन्न संस्थानों और संगठनों के इंजीनियर भी भाग लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम निजीकरण की आड़ में बिजली कर्मचारियों की सेवा शर्तों से छेड़छाड़ नहीं होने देंगे। अध्यक्ष रघवीर चंद ने कहा कि प्रशासन बिजली कर्मचारियों की सेवा शर्तें तय किए बिना एलओआई की प्रक्रिया शुरू करके और पहले किए गए वादों से मुकर कर कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि 2022 में चंडीगढ़ के पूर्व सलाहकार जिन्होंने गलती स्वीकार की थी और अधिकारी फिर से गलतियों को दोहरा रहे हैं और कर्मचारियों को फिर से संघर्ष करने के लिए मजबूर कर रहे हैं।बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि प्रशासन कर्मचारियों के हितों पर ठोस निर्णय लिए बिना बोली मामले में आगे बढ़ता है तो फेडरेशन सीधे तौर पर बिजली कर्मचारियों के इस संघर्ष में शामिल होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले हाईकोर्ट ने बिजली कर्मचारियों की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उनकी सेवा शर्तें विद्युत अधिनियम के तहत संरक्षित हैं। हाईकोर्ट के अनुसार नीतिगत मामले में न्यायिक समीक्षा का दायरा बेहद सीमित है। यूनियन का मानना है कि प्रशासन विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 131 के तहत ऐसा प्रावधान न होने के बावजूद सरकार की 100 फीसदी हिस्सेदारी बेच रहा है।

इंटक पर मालिकों से सांठगांठ का आरोप लगाकर जेसीटी मिल श्रमिकों ने बनाई नई यूनियन

एजेंसी

फगवाड़ा, » अपने बकाया के लिए महीनों से संघर्ष कर रहे पंजाब के जेसीटी मिल्स के श्रमिकों ने रविवार को इंडियन नैशनल ट्रैड यूनियन काँग्रेस (इंटक) पर मालिकों के साथ साँठगांठ का आरोप लगाते हुए नई यूनियन बनाने की घोषणा की। श्रमिक थापर कालोनी में जमा हुए जहां जेसीटी मिल मजदूर यूनियन नामक नई यूनियन बनाई गई जिसके अध्यक्ष पद पर रवि सिद्धू को चुना गया। इससे पूर्व आरोप लगाया गया इंटक का स्थानीय नेतृत्व उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ने के बजाय मिल मालिकों से मिल गया था। यह भी आरोप लगाया गया कि इंटक की फगवाड़ा इकाई के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने कुछ श्रमिकों को आंशिक भुगतान करवाया जबकि 3000 श्रमिकों के बड़े हिस्से को अपने हाल पर छोड़ दिया गया। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि 12 नवंबर को जब मालिकों पर एफआईआर दाखिल करने की मांग को लेकर मिल के द्वार पर श्रमिक जमा हुए तो इंटक के स्थानीय अध्यक्ष गैरहाजिर थे। दावा किया गया कि नई यूनियन को लगभग आधे यानि 1500 श्रमिकों का समर्थन प्राप्त है। सिद्धू के अलावा अन्य पधाधिकारियों में सुनील पांडे (सभापति), श्रद्धानंद सिंह (उपाध्यक्ष), नवल किशोर सिंह (महासचिव), अनिल मिश्र (सचिव), धर्मेन्द्र सिंह (कोषाध्यक्ष) और मदन कुमार मिश्र (मीडिया प्रभारी) शामिल हैं। रवि सिद्धू ने इस अवसर पर श्रमिकों के अधिकारों के लिए बिना थके संघर्ष का संकल्प करते हुए कहा कि वह लोग तब तक मालिकों को मिल परिसर से एक सुई भी नहीं ले जाने देंगे, जब तक कर्मचारियों के बकाया मिल नहीं जाते। जेसीटी मिल मालिकों के खिलाफ दो मामले हाल में पुलिस ने दर्ज किए हैं जिनमें एक श्रमिकों की भविष्य निधि और ईसीआई में घोटाला करने व दूसरा कथित रूप से 28 अक्टूबर को श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान हवा में गोली चलाने का मामला शामिल है।

किसानों, आढ़तियों का भाईचारा खत्म करना चाहती है सरकार : गर्ग

एजेंसी

चंडीगढ़ » हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार मंडियाँ बर्बाद कर किसानों और आढ़तियों का भाईचारा खत्म करने में लगी हुई है। उन्होंने यहाँ जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चुनाव के समय घोषणा की थी कि चुनाव के बाद आढ़तियों को पहले की तरह 2.5 प्रतिशत पूरा कमीशन दिया जाएगा लेकिन कुछ दिन पहले पत्र जारी कर कहा है कि आढ़तियों को वर्ष 2023-24 के लिए धान का कमीशन 55 रुपये होगा। गेहूं का कमीशन बढ़ाया नहीं गया है जो किसानों को 45.88 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। श्री गर्ग ने कहा कि 2.5 प्रतिशत कमीशन का वायदा पूरा किया जाता तो धान पर 58 रुपये व गेहूं पर 60.62 रुपये कमीशन बंता है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी घोषणा के अनुसार धान, गेहूं के साथ-साथ हर अनाज खरीद पर आढ़तियों को पूरा 2.5 कमीशन देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कि सरकार नरमा, सरसों, सूरजमुखी, मूंग, चना आदि पर तो कोई कमीशन आढ़तियों को नहीं दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मंडियां बर्बाद करके किसान व आढ़तियों का भाईचारा खराब करने में लगी हुई है। सरकार के पास किसान की फसल खरीद करने के लिए ना तो सरकारी अधिकारी व कर्मचारियों की पूरी व्यवस्था है ना ही अनाज लगाने के लिए सरकारी गोदाम में पूरी क्षमता है अगर मंडी के आढ़ती व प्राइवेट गोदाम ना हो तो अनाज की समय पर ना ही खरीद हो सकती है ना ही गोदाम में अनाज लग सकता है। सरकार को किसान व आढ़तियों के हित में हर अनाज की खरीद मंडी के माध्यम से करनी चाहिए।

अमृतसर में भारी मात्रा मे हथियार व मादक पदार्थ बरामद

एजेंसी

अमृतसर » पंजाब के अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियारों के कार्टेल का भंडाफोड़ कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3.5 किलोग्राम हेरोइन, 1.5 किलोग्राम मेथाक्वालोन पाउडर और दो पिस्तौल समेत एक अत्याधुनिक 9एमएम ग्लॉक बरामद किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान वंश उर्फ बिल्ला (23), निवासी बिल्ले वाला चौक, अमृतसर, और सोनू चौरसिया (20), निवासी दशमेश नगर, अमृतसर, के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मामले से जुड़े आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।अमृतसर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि आरोपी वंश उर्फ बिल्ला की मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्तता की पुख्ता जानकारी के आधार पर सीआईए अमृतसर की पुलिस टीमों ने मोहकमपुरा क्षेत्र में जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 3.5 किलोग्राम हेरोइन, 1.5 किलोग्राम मेथाक्वालोन पाउडर और ऑस्ट्रिया निर्मित एक 9एमएम ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई। उन्होंने बताया कि अवैध हथियारों की तस्करी को लेकर मिली खुफिया जानकारी के आधार पर एक अन्य कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने मोहकमपुरा क्षेत्र में बटाला रोड के सनसिटी मोड़ से आरोपी सोनू चौरसिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 32 बोर का पिस्तौल बरामद किया। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगी की संभावना है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप विजेता हेमंत सांगवान को दी शुभकामनाएं

हरियाणा के खिलाड़ियों ने बढ़ाया हमेशा तिरंगे का मान : नायब सैनी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अमेरिका के कोलोराडो शहर में आयोजित यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अंडर-19 श्रेणी में गोल्ड मैडल प्राप्त करने वाले विजेता हेमंत सांगवान को वर्ष 2028 ओलंपिक की लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गुरूग्राम के सिविल लाइन्स स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई इस मुलाकात में हेमंत के कोच हितेश देशवाल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हेमंत सांगवान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा में खेल प्रतिभाओं की कमीनहीहै। हरियाणा में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की नीतियों का आज अन्य राज्य भी अनुसरण कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की खेल गतिविधियां हो, उनमें हरियाणा के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन हमेशा आकर्षण का मुख्य बिंदु रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने हमेशा तिरंगे का मान रखते हुए देश का मस्तक ऊंचा रखा है। उन्होंने कहा कि वे पूर्ण रूप से आश्वस्त है कि आगामी ओलंपिक खेलों में भी हरियाणा के खिलाड़ी और अधिक मैडल लाकर देश का मान बढ़ाएंगे। झज्जर के रामनगर निवासी विजेता खिलाड़ी हेमंत सांगवान ने मुख्यमंत्री को यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप की जानकारी देते हुए बताया कि यह चैंपियनशिप 23 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच अमेरिका के शहर कोलोराडो में आयोजित की गई थी। जिसमें देश के 19 खिलाडियों सहित विभिन्न श्रेणी में विश्वभर के खिलाड़ी शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि फाइनल मैच में उनका मुकाबला अमेरिका के खिलाड़ी रिशों सिम्स था जिसमें उन्होंने सिम्स को 4 -1 के अंतर से हराकर अंडर 19 श्रेणी में वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

रॉयल केनल क्लब पंचकूला द्वारा पशु पालन एवं डेयरी विभाग के सहयोग से करवाया मेगा डॉग शो सफलतापूर्वक संपन्न

डॉग शो में आईटीबीपी के विशेष प्रशिक्षित कुत्तों द्वारा दिखाए जाएंगे करतब

पब्लिक एशिया ब्यूरो

पंचकूला,» रॉयल केनल क्लब पंचकूला द्वारा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सहयोग से पेट एनिमल मेडिकल सेंटर सेक्टर 3 में करवाया इस वर्ष का डॉग शो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस डॉग शो में श्याम सिंह राणा, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री हरियाणा सरकार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की, जबकि डॉ. राजा शेखर वुंद्रू (आई ए एस) अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने विशिष्ट अतिथि और डॉ. एल सी रंगा पीएच. डी., एल एल एम, महानिदेशक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने विशेष अतिथि के तौर पर शिरकत की। डॉग शो के बारे जानकारी देते हुए विभाग के ज़िला उपनिदेशक और डॉग सेंटर के इंचार्ज डॉ. रणजीत सिंह जादोन और रॉयल केनल क्लब पंचकूला के महासचिव सिकंदर सिंह ने बताया कि रॉयल केनल क्लब पंचकूला की सहभागिता करवाए डॉग शो में बड़ी संख्या में डॉग ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि मुख्य अथिति श्याम सिंह राणा ने पेट हॉस्पिटल में पेट्स ऑपथलमोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि शो में विभिन्न नस्लों के 400 से अधिक कुत्तों ने भाग लिया। जिनको देखने के लिए हजारों डॉग प्रेमी पहुंचे हुए थे। शो में कुत्तों के विभिन्न प्रकार के मुकाबले करवाए गए। इस बार शो में आईटीबीपी के विशेष प्रशिक्षित कुत्तों द्वारा करतब भी दिखाए गए। जैसे मालिक के कहने पर हर प्रकार का काम करना और अपने सूंघने की शक्ति से किसी भी चीज को बहुत जलद ढूंढ लेना।

इस शो में डॉग प्रेमियों को स्वदेशी नस्लों के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत के सबसे बड़े डॉग शो में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरण किए गए। इस अवसर पर पेट हॉस्पिटल से डॉ. अश्वनी, डॉ. देवेंद्र पुनिया, डॉ. तुषार, डॉ. वंदना, डॉ. प्रतीक और डॉ. अमनदीप भी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी के जीवन से प्रेरणा लेने की ज़रूरत : वित्त मंत्री हरपाल सिंह

आज़ादी संघर्ष में पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी के विशेष योगदान को किया गया याद

पब्लिक एशिया ब्यूरो

दुद्डीके/चंडीगढ़ » पंजाब केसरी के नाम से प्रसिद्ध महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय जी का 96वां बलिदान दिवस आज उनके जन्मस्थान गांव ढुढ्डीके में पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में वित्त मंत्री स हरपाल सिंह चीमा ने समारोह में भाग लिया, जबकि विधायक निहाल सिंह वाला स मनजीत सिंह बिलासपुर विशेष अतिथि के रूप में पहुंचे। इस मौके पर पूर्व मंत्री श्रीमती मालती थापर, लाला लाजपत राय जन्मस्थान स्मारक समिति के वाइस चेयरमैन श्री रणजीत सिंह धंना, सचिव राजजंग सिंह, वर्तमान और पूर्व सरपंच के अलावा छात्र और अन्य लोग मौजूद रहे।

वित्त मंत्री स हरपाल सिंह चीमा ने अपने संबोधन में कहा कि आज़ादी के संघर्ष में लाला लाजपत राय जी का विशेष योगदान रहा। हर भारतीय को लाला लाजपत राय और सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष पर गर्व है, जिनके कारण आज हम आज़ादी की हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां लाला लाजपत राय जी महान स्वतंत्रता सेनानी थे, वहीं उन्हें स्वदेशी आंदोलन के अग्रणी नेता के रूप में भी जाना जाता है।गांववासियों और पंचायत की मांग को पूरा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह ने गांव के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 25 लाख रुपये जारी करने की घोषणा की। इन विकास कार्यों में 4 नए पार्क और जिम के लिए 10 लाख रुपये, लाला लाजपत राय जन्मस्थान स्मारक समिति के लिए 10 लाख रुपये और देश भगत स्पोर्ट्स क्लब के लिए 5 लाख रुपये शामिल हैं। इसके अलावा, गांव में वेस्ट मैनेजमेंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की मांग को भी मंत्री ने तुरंत स्वीकृति दी।

इस अवसर पर विधायक निहाल सिंह वाला स मनजीत सिंह बिलासपुर ने कहा कि ढुढ्डीके की धरती भाग्यशाली है, जहां लाला जी और अन्य कई स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि आज़ादी संग्राम में उनके द्वारा दिए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इससे आज की युवा पीढ़ी को देशभक्ति की भावना को बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है। इससे पहले वित्त मंत्री श्री हरपाल सिंह चीमा, विधायक श्री मनजीत सिंह बिलासपुर और अन्य उपस्थित लोगों ने लाला जी की प्रतिमा पर फूल-मालाएं अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने लाइब्रेरी और अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भी दौरा किया। स्कूल के छात्रों ने गीत और समूह गायन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इसके बाद, उन्होंने गांव के अन्य शहीदों की याद में बने स्मारक पर भी फूल-मालाएं अर्पित कीं। अंत में, लाला लाजपत राय जन्मस्थान स्मारक समिति ने प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान भी किया।

जन सम्मान जागृत मंच के तत्वाधान में गुरू रविदास छात्रावास में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » जन सम्मान जागृत मंच के बैनर तले रोहतक व आसपास के उन युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिनका अभी 2024-25 सेशन में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को उतीर्ण कर अलग-अलग क्षेत्र में सेलेक्ट हुए होनहारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लगभग 30 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से हिमांशु मेहरा टीजीटी साइंस, मोहित भाटिया एएफएसओ, अभिषेक प्लांटेम् कमांडर, सुमित कंडक्टर चंडीगढ़, सन्नी रंगा पीजीटी पॉलीटिकल साइंस चंडीगढ़, मनजीत भोंरिया पीजीटी हिस्ट्री, मोहित मेहरा ऑडिटर, नवीन भुक्कल क्लर्क पीडब्ल्यूडी, अजय सहायक लाइनमैन, नवीन जूनियर इंजीनियर, अनुप एचएसवीपी , मनीष क्लर्क स्वास्थ्य विभाग , अजय क्लर्क स्वास्थ्य विभाग , मनीष ग्राम सचिव, ऋषि रेडियोलॉजिस्ट ऑफिसर, मनोज पाकस्मा टीचर , अजीत हरियाणा पुलिस, मनीष क्लर्क आईटीआई और नरेंद्र टीचर सहित अन्य काफी प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया व इसके साथ समाज के प्रतिष्ठित महानुभाओ को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए व जन सम्मान जागृत मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट सत्यवान रंगा ने इस अवसर पर कहा कि हमें समाज को एकजुट करने कि आवश्यकता है व महापुरुषों के उच्च विचारों को आगे बढ़ाने कि जरूरत है व शिक्षा के माध्यम से हमें अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर माता- पिता, गांव, प्रदेश व समाज का नाम रोशन करना चाहिए। इस अवसर पर प्रकाश कोहली, संदीप शास्त्री, संजय चमार, बी के मेहरा पार्षद, बलराम सेवानिवृत माइनिंग ऑफिसर, उषा दहिया आदि ने अपने विचार रखे। प्रतिभा सम्मान समारोह में मंच संचालन छात्र नेता मंगल सिंह ने किया और कहा कि हमें एकजुटता के साथ आगे बढने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस अवसर एडवोकेट परमदीप सिंहमार, एडवोकेट बेगराज रंगा, रामधन, जगबीर अहलावत प्रधान रविदास छात्रावास, संजय बैंसी, एडवोकेट गौरव जैन, डॉ अनिल बौद्ध, वसंत सिंहमार, सुभाष मेहरा जी , मंगल, डॉ पंकज रंगा, मोनू गहलावत, विनोद, प्रदीप भट्टी, राकेश जुलाना सहित सैकड़ों व्यक्ति उपस्थित रहें।

जन सम्मान जागृत मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट सत्यवान रंगा ने कहा कि हमें समाज को एकजुट करने कि आवश्यकता

यूके संसद में रचा इतिहास - पहली बार सिख सांसद का चित्र ब्रिटिश राजा-रानियों के चित्रों के साथ हुआ स्थापित

ग्लोबल सिख काउंसिल ने इस उपलब्धि पर लॉर्ड इंद्रजीत सिंह को दी बधाई

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » यूके और यूरोप के पहले पगड़ीधारी सिख सांसद, लॉर्ड इंद्रजीत सिंह की संसद में महत्वपूर्ण सेवाओं और राष्ट्र के लिए लोक सेवा में योगदान के बदले उनका चित्र वेस्टमिंस्टर, लंदन स्थित ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के बिशप कॉरिडोर में स्थापित किया गया है। यह पहली बार है जब ब्रिटिश संसद में किसी सिख का चित्र प्रदर्शित किया गया है।

लॉर्ड इंद्रजीत सिंह के चित्र का अनावरण समारोह ब्रिटिश सिख सांसदों तनमनजीत सिंह ढेसी, लॉर्ड कुलदीप सिंह सहोता, सांसद जस अथवाल, सांसद किरिथ एंटविसल, सांसद रिचर्ड बेकन, सांसद भगत सिंह शंकर, और लेडी सिंह डॉ. कंवलजीत कौर औबीई, उनके परिवार और मित्रों की उपस्थिति में हुआ।

लॉर्ड सिंह के योगदान की सराहना करते हुए, हाउस ऑफ लॉर्ड्स हेरिटेज कमेटी के चेयरमैन, लॉर्ड स्पीकर फॉल्कनर ने इस अवसर पर कहा कि उन्होंने यूके के नाशते की मेजों पर सिख धर्म और अंतरधार्मिक समझ की बात को लाया है। तनमनजीत सिंह ढेसी ने कहा कि संसद में लॉर्ड इंद्रजीत सिंह का चित्र प्रदर्शित करना एक ऐतिहासिक कदम है और यह इस प्रतिष्ठित सदन के सभी सांसदों और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। ग्लोबल सिख काउंसिल (जी.ऐस.सी.) के कोषाध्यक्ष, पुडुचेरी से हर्सरण सिंह ने इस उपलब्धि पर दूरदर्शी नेता को बधाई देते हुए कहा कि यूके संसद में पगड़ीधारी सिख, लॉर्ड इंद्रजीत सिंह का चित्र हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लगाया जाना पूरी सिख कौम और पंजाबी समुदाय के लिए गर्व की बात है। जी.ऐस.सी. के डिप्टी अध्यक्ष, राम सिंह ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी गुरसिख का चित्र ऐतिहासिक यूके संसद की दीवारों पर सजेगा।

काउंसिल के डिप्टी अध्यक्ष अमेरिका से परमजीत सिंह बेदी ने कहा कि यह सभी सिखों के लिए अत्यंत सम्मान की बात है कि लॉर्ड सिंह की उपलब्धियों और निःस्वार्थ सेवाओं को सर्वोच्च स्तर पर मान्यता दी गई है।जी.ऐस.सी. के महासचिव, हरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा कि यह मान्यता उनके जीवनभर के समर्पण, ब्रिटिश समाज, सिख समुदाय और अंतरधार्मिक सद्भाव के प्रति उनके योगदान का प्रमाण है।

काउंसिल के कार्यकारी सदस्य, मलेशिया से जगीर सिंह ने कहा कि संसद और अंतरधार्मिक मुहिम में लॉर्ड सिंह का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेगा। जी.ऐस.सी. के कार्यकारी सदस्य, यूके से सतनाम सिंह पूनिया ने कहा कि 'बैरोन सिंह ऑफ विम्बलडन' की उपाधि धारण करने वाले लॉर्ड सिंह ने एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्होंने सिख मूल्यों को ऊंचा उठाया है और ब्रिटिश संसद में भी सभी दलों से सम्मान अर्जित किया है। सिख प्रचार समिति के चेयरमैन, राजिंदर सिंह ने इसे पूरे सिख समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि यह अत्यंत गर्व का क्षण है जब एक गुरसिख का चित्र स्थायी रूप से यूके संसद की दीवारों पर शोभा बढ़ाता रहेगा।

जब दो इतिहास रचने वाले सिख नेता मिले

यूके हाउस ऑफ कॉमन्स के पहले पगड़ीधारी सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी (बाएं) ने यूके हाउस ऑफ लॉर्ड्स में नियुक्त पहले पगड़ीधारी सिख लॉर्ड इंद्रजीत सिंह से मुलाकात की। यह एक ऐतिहासिक क्षण था जब दोनों पगड़ीधारी सिख सांसद लॉर्ड सिंह के चित्र के अनावरण समारोह के लिए एकत्र हुए, जिसे यूके संसद में स्थापित किया जा रहा है। परिवार और दोस्तों का स्वागत करते हुए, उन्होंने ब्रिटिश समाज और यूके में सिखों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी अपने विचार साझे किए। उल्लेखनीय है कि लेबर पार्टी के नेता तनमनजीत सिंह ढेसी (46 वर्ष) 2017 से स्लॉउ निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार सांसद चुने जा चुके हैं। लॉर्ड इंद्रजीत सिंह (92 वर्ष), सीबीई, साल 2011 से हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य हैं। लॉर्ड सिंह सभी महत्वपूर्ण अवसरों पर सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करते आए हैं, जिनमें राजकुमारों की शादियां भी शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें किंग चार्ल्स III के राज्याभिषेक में एक दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ, जब उन्होंने राजा को एक दस्ताना भेंट किया, जो उनके शासन के तहत लोगों के प्रति कोमलता और विचारशीलता का प्रतीक था।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

झांसी हादसे से क्या सबक लिया?

आगरा में सिर्फ एक वार्ड के भरोसे है पूरे शहर के बच्चों की सेहत

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। 30 से 35 लाख की आबादी वाले आगरा शहर में सिर्फ एक मेडिकल कालेज है, जिसमें बाल रोग विभाग बना हुआ है। 100 बेड के बाल रोग विभाग में 24 एनआईसीयू, 20 आईसीयू और जनरल वार्ड बने हैं। समस्याओं से निपटने के लिए व्यस्थाएं तो पूरी हैं, लेकिन हैरत इस बात की है कि आगरावासियों की फर्टिलिटी अनुसार बेडों की संख्या में कोई इजाफा नहीं हुआ है। एसएन मेडिकल कालेज में साल 1948 से बना बाल रोग विभाग अभी भी उन्हीं संसाधनों से काम कर रहा है। जो उनके पास पहले से मौजूद हैं। बड़ी आबादी वाले शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव नहीं हुए हैं। ओवरक्राउडेड

होने पर चिकित्सक कैसे व्यवस्थाओं को संभालते हैं? इस पर बाल रोग विभाग के हेड डॉ. नीरज यादव कहते हैं कि उनके आगरा जैसे आबादी वाले शहर में एक मेडिकल कालेज नाकाफी है। उनके पास 100 बेड का अस्पताल है, जो ज्यादातर फुल रहता है। इसके अलावा जब मरीजों की संख्या बढ़ जाती है तो उनके इलाज के लिए एक वे अतिरिक्त व्यवस्था स्वयं के इंतजामों से करते हैं। उन्हें स्टाफ नर्सिंग के साथ-साथ फैसिलिटी में विस्तार की दरकार है।

इमरजेंसी में 10 वेंटिलेटर: एसएन मेडिकल कालेज के इमरजेंसी वार्ड में 10 वेंटीलेटर और 5 सीपैब है। जो कि 24 घंटे सक्रिय स्थिति में रहते हैं। इसके अलावा जितने भी मशीनरी पार्ट हैं वे जब तक खराब नहीं हो जाते हैं। उन्हें आराम नहीं दिया जाता है। हालात इतने असामान्य हैं कि फैसिलिटी बढ़ाने के लिए कई बार प्रस्ताव दिए जा चुके हैं। मगर व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं हो सकी है। अपने नवजात नाती का इलाज करा रहे इस्माइल बताते हैं कि उनके बच्चे का एमआरआई होना है। जिसकी 14 नवंबर तारीख मिली थी। मगर मशीन खराब होने के कारण उनके बच्चे का एमआरआई नहीं हो सका है।

> केवल सरकारी ही नहीं निजी अस्पतालों में भी फायर फायटिंग से निपटने के क्या इंतजाम हैं। इसकी पड़ताल पूरे प्रदेश भर में होनी चाहिए। झांसी की घटना के बाद अब तीमारदार इस दहशत में आ गए है कि जिस अस्पताल में वे अपने मरीज का इलाज करा रहे हैं। वहां वे सेफ हैं या नहीं।
>
> **– नरेश पारस, चाइल्ड राइट एक्टिविस्ट**

2022 में लगी थी एसएन में आग

एसएन मेडिकल कालेज की सर्जरी बिल्डिंग में आग लगी थी। बेसमेंट में आग लगने से डक्ट के माध्यम से धुआं 8 मंजिला तक पहुंच गया था। इस दौरान मरीजों और तीमारदारों में अफरा-तफरी मच गई थी। इससे पूर्व 2016 में दो बच्चों की मौत पर एसएन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हुए थे। तब बिजली जाने पर बच्चों की मौत हो गई थी।

क्या है फायर फाइटिंग के इंतजाम

एसएन मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने दावा किया है कि मेडिकल कालेज की हर बिल्डिंग में फायर सेफ्टी उपकरण लगे हैं। फायर फायटिंग के लिए 31 सदस्यीय टीम है। जिन्हें जिसे समय-समय पर फायर फाइटिंग से संबंधित प्रशिक्षिण दिया जाता है। इसके अलावा 9 लाख लीटर पानी की व्यवस्था है। फायर फाइटर्स की टीम है। जो कि मॉकड्रिल करती है।

आगरा में पालतू कुत्ते-बिल्ली का रजिस्ट्रेशन कराना होगा

- **रजिस्ट्रेशन कराए बिना घर में कुत्ते-बिल्ली पालने पर लगेगा जुमार्ना, पशु कल्याण अधिकारी ने दिया आदेश**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। कुत्ते-बिल्ली पालना अब आसान नहीं होगा। पालने से पहले आपको नगर निगम में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यदि ऐसा नहीं किया तो जुमार्ना झेलना होगा। इस संबंध में पशु कल्याण अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। शहर में पाले जाने वाले कुत्ते-बिल्ल्यिों के रजिस्ट्रेशन के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है। पशु कल्याण अधिकारी के अनुसार एक अनुमान के मुताबिक शहर में 80 हजार से अधिक लोगों के पास पालतू कुत्ते व बिल्लियां हैं। इनमें बहुत कम लोगों ने नगर निगम में इनका रजिस्ट्रेशन कराया है। नियम के अनुसार नगर निगम में सभी पालतू जानवरों का रजिस्ट्रेशन जरूरी है। उन्होंने बताया कि देशी नस्ल के कुत्ते की रजिस्ट्रेशन फीस 100 रुपये और विदेशी नस्ल के कुत्तों रजिस्ट्रेशन फीस 500 रुपये है। इसके अलावा बिल्ली के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 100 रुपये निर्धारित है। पहले चरण में इसके लिए जागरुकता अभियान चलाते हुए पैट क्लीनिक पर आने वाले पशु प्रेमियों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जागरूक किया जाएगा। दूसरे चरण में नगर निगम की टीमें डोर-टू-डोर जाकर पालतू पशुओं के रजिस्ट्रेशन की जांच करेंगी।

आलोक सभा द्वारा छविरत्न स्व. सत्यनारायण गोयल की पुण्य स्मृति में आयोजित किया काव्योत्सव व सम्मान समारोह

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। जमीं के रहने वाले झुक के चलना सीख ले वरना, सितारों का भरोसा क्या सितारे टूट जाते हैं...। कवि रामेन्द्र मोहन त्रिपाटी की यह पंक्तियां आज छविरत्न स्व. सत्यनारायण गोयल को समर्पित थीं। जिनकी पुण्य स्मृति में आज आलोक सभा द्वारा बाबूलाल गोयल सरस्वती शिशि मंदिर में काव्योत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आरबीएस कालेज के प्राचार्य डॉ. विजय श्रीवास्तव व आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मुकेश गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विजय गोयल ने मुफीद ए आम इंटर कालेज के उपप्रधानाचार्य का पिरचय देते हुए कहा कि अपने हर विद्यार्थी को जीवन की छोटी छोटी व्यवहारिकता और जीवन जीने की कला को सिखाया है पन्नालाल

अग्रवाल ने। पन्नालाल अग्रवाल व वरिष्ठ पत्रकार महेश धाकड़ को विजय गोयल, संजय गोयल ने स्मृति चिन्ह व शॉल पहनाकर सम्मानित किया। सरस्वती वंदना के साथ रुचि चतुवेर्दी ने काव्योत्सव का शुभारम्भ करते हुए जीवन के सब मेले देखे, उलझन और झमेले देखे, देखे सुख के सावन भादों, दुख के तिकने रेले देखे... कविता प्रस्तुत की। हास्य कवि लटूरी लट्ठ ने हिन्दी नहीं बची तो देश की संस्कृति र संस्कार भी नहीं बचेंगे की बात कहते हुए अपनी रचना जो भी मुझको देना चाहो, ऊपर सदा चढ़ा कर देना। भीड़ बाड़ में न खो जाऊं, सबसे अलग खड़ा कर देना। एक गुजारिश मेरे मौला, हरदम तुमसे बनी रहेगी, धरती बेशक कम हो मेरी, पर आकाश बड़ा कर देना... प्रस्तुत की। संचालन लटूरी लट्ठ व राकेश निर्मल ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विजय गोयल, संजय गोयल, धीरज, विवेक, प्रमोद चौहान सीए, अशोक चौबे, उदय अग्रवाल, आदर्शन नन्दन गुप्ता, एड. सुभाष अग्रवाल, एनके भारद्वाज, एड.रवि अरोरा आदि उपस्थित थे।

ताज में बिछड़े भाई बहन को ताज सुरक्षा पुलिस में खोज कर मिलाया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। मेरठ से ताजमहल देखने आए हिमांशु अपनी बहन मेघा से ताजमहल में प्रवेश करते समय पश्चिमी गेट प्रवेश द्वार के पास से भीड़ में बिछड़ गए। हिमांशु की बहन मेघा ताजमहल के अंदर प्रवेश कर गई जबकि उनका भाई भीड़ में बिछड़ गया और वह अपनी बहन को बाहर खोजता रहा इसी समय ताजमहल का बंद होने का समय हो जाने के कारण हिमांशु प्रवेश नहीं पा सका और बहन ताजमहल के अंदर चली गई आपस में दोनों के बिछड़ने की सूचना पर थाना ताज सुरक्षा पुलिस की क्विक रिस्पांस टीम के द्वारा प्रभारी निरीक्षक थाना ताज सुरक्षा तिलकराम भाटी के निर्देशन में रेडियो अनाउंसमेंट, आरटी सेट मैसेज एवं सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से 20 मिनट के अंदर बहन को खोजकर आपस में मिलाया उनके द्वारा आपस में मिल जाने पर आगरा पुलिस की सहायता के लिए आभार व्यक्त किया गया। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शिवराज सिंह उप निरीक्षक पंकज पटेल महिला आरक्षी लक्ष्मी देवी आरक्षी इंद्रजीत सिंह सम्मिलित हैं।

गंदी जगह गणेश-लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापना का विरोध

- **एत्मादपुर के रजिस्ट्री ऑफिस के बाहर की घटना, हिंदू संगठनों के तीखी प्रतिक्रिया के बाद हटाई गईं**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। एत्मादपुर तहसील मुख्यालय में सब रजिस्टार ऑफिस के बाहर दरवाजों पर तंबाकू सेवन करने से खराब हुई दीवारों के पास गणेश जी और लक्ष्मी जी की प्रतिमाएं स्थापित कर दी गईं। जिसके फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से हिंदू संगठनों नाराज हो गए आ। हनुमान सेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर कृष्णवीर सिंह जादौन के नेतृत्व में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और हनुमान सेना के पदाधिकारियों ने सब रजिस्टार देशना जैन के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। कार्यालय के बाहर नारेबाजी करने लगे। इधर, संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायत सुन रहे एसडीएम संगम लाल गुप्ता को मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने सब रजिस्टार देशना जैन को सभागार में बुलाकर देवी- देवताओं की प्रतिमा हटाने के निर्देश दिए, हनुमान सेना और हिंदू संगठन के विरोध के बाद देवी देवताओं की प्रतिमाओं को हटवाया गया। हनुमान सेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर कृष्णवीर सिंह जादौन ने कहा कि हिंदू समाज को बदनाम करने के लिए षड्यंत्र के तहत घिनौने स्थान पर देवी-देवताओं की प्रतिमा सब रजिस्टार देशना जैन ने स्थापित कराई थीं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर उंगली उठाने और गलत आरोप लगाने वाले व्यक्तियों का खुलकर विरोध किया जाएगा और हिंदू समाज का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। हनुमान सेना के रोहित चौधरी, भाजपा नेता भोला चौधरी, महानगर ओबीसी मोर्चा भाजपा के श्रीनिवास, उमेश बघेल, दिव्यांश जादौन, संदीप बघेल, राजेश सविता, भानु प्रताप सिंह तोमर, गुड़वीर सिंह त्यागी, राहुल कुलश्रेष्ठ आदि कार्यकर्ता मौजूदरहे।

फाइल दबाने पर नगर निगम का बाबू सस्पेंड

- **टैक्स वसूलने में पिछड़े जोनल अधिकारियों सहित 15 को नोटिस, नगर आयुक्त ने की कार्रवाई**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। एक मकान के म्यूटेशन से संबंधित फाइल को दबाने तथा सही तथ्यों को पोर्टल पर दर्ज न करना नगर निगम के एक बाबू को महंगा पड़ गया। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने कार्रवाई में लापरवाही मानते हुए पटल सहायक पीयूष कुमार को सस्पेंड कर दिया है। मामला छत्ता वार्ड में एक मकान के म्यूटेशन से संबंधित है। गिर्राज किशोर बंसल ने सितंबर 2021 को उमा देवी पत्नी स्वर्गीय अमर नाथ बंसल से जमीन खरीदी थी। कुल जमीन 1080.28 वर्ग मीटर थी। इसमें से मात्र करीब 288.34 वर्ग मीटर गिर्राज किशोर ने ली थी। इसी की म्यूटेशन की फाइल नगर निगम में चल

रही थी। शिकायत के बाद नगर निगम इंस्पेक्टर ने बाबू पीयूष कुमार सिंह को अपनी रिपोर्ट देकर इसे सही करने के निर्देश दिये थे। इसके बावजूद बाबू ने पोर्टल पर सही सूचना दर्ज करने के बजाय फाइल को ही दबा दिया। जबकि नियमानुसार उसे 24 घंटे के भीतर ही रिकार्ड को सही करना था। पार्षद मुरारी लाल अग्रवाल ने नगर आयुक्त को प्रार्थना पत्र देकर इसकी शिकायत थी। नगरायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपर नगर आयुक्त सत्येंद्र कुमार तिवारी को इसकी जांच के आदेश दिये थे। जांच में बाबू की लापरवाही सामने आने पर नगरायुक्त ने उक्त बाबू को निलंबित करने के आदेश दिये हैं। वहीं, अक्टूबर में लक्ष्य के अनुरूप टैक्स वसूली न करने पर 4 जोनल अधिकारियों सहित 15 कर्मचारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। इसके साथ ही इन्हें कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने अप्रैल से अक्तूबर तक की टैक्स वसूली की समीक्षा की थी। इस दौरान पाया गया कि 31 अक्टूबर तक लक्ष्य के अनुरुप वसूली नहीं की गई है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए नगर आयुक्त ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले राजस्व निरीक्षकों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने के आदेश दिये है।

इनको दिए गए नोटिस

जोनल अधिकारी ताजगंज चंद्रपाल सिंह, जोनल अधिकारी छत्ता विजय सिंह, जोनल अधिकारी लोहामंडी अवधेश और जोनल अधिकारी हरीपर्वत अक्षय कुमार के अलावा ळर छत्ता नरेंद्र पाल सिंह, टीएस हरीपर्वत गजेंद्र सिंह और टीएस लोहामंडी रामबाबू को नोटिस दिया है।

फतेहपुर सीकरी की सीढ़ियों तक पहुंची साइकिल

पर्यटकों ने कराया फोटो शूट, एएसआई की व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। विश्व धरोहर फतेहपुर सीकरी में रविवार सुबह बुलंद दरवाजा तक साइकिल और मोटर साइकिल पहुंच गईं। 52 सीढ़ी पर पर्यटकों ने साइकिल ले जाकर फोटो शूट भी कराया। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोसट कर दिया। इसके बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने गाइड के काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उसके विरुद्ध तहरीर दी जा रही है। विश्व धरोहर स्थल फतेहपुर सीकरी में पर्यटकों के लिए गुलिस्तां कांप्लेक्स से स्मारक परिसर तक बैटरी कार एडीए द्वारा संचालित की जाती हैं। स्मारक तक पर्यटक वाहनों का जाना प्रतिबंधित है। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे साइकिलिस्ट का एक ग्रुप बुलंद दरवाजा तक पहुंच गया। ग्रुप ने बुलंद दरवाजा की सीढ़ियों पर खड़े होकर फोटो सेशन कराया। सोशल मीडिया में इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें सीढ़ियों पर साइकिलों के साथ खड़े पर्यटक और नीचे उनकी फोटोग्राफी करते दो व्यक्ति नजर आ रहे हैं। समीप ही मोटर साइकिल और स्कूटी खड़ी है। इससे फतेहपुर सीकरी की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। नियमानुसार स्मारक की सीढ़ियों पर किसी वाहन को नहीं ले जाया जा सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद अरकने ग्रुप को लाने वाले गाइड शरीफ के काम करने पर प्रतिबंध लगाने के साथ उसके विरुद्ध तहरीर देने की बात कही है। वहीं, गार्ड को भी हटा दिया गया है।

टोल कर्मी एवं वाहन स्वामियों में जमकर हुई मारपीट

मथुरा (पब्लिक एशिया ब्यूरो)। राष्ट्रीय राजमार्ग के फरह थाना क्षेत्र के अंतर्गत महुअन के समीप बने टोल टैक्स पर आए दिन टोल कर्मियों एवं वाहन चालकों के बीच मारपीट होती रहती है जिसमें टोलकर्मियों के द्वारा एक जुट होकर बाहर से आने वाले यात्रियों के साथ अभद्रता भी की जाती है। ताजा मामला शनिवार की दोपहर का है जहां आगरा से दिल्ली की ओर जा रहे यात्रियों को टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों के द्वारा रोका गया तो वाहन स्वामी ने फास्टैग के माध्यम से रसीद कटाई वही फास्ट ट्रैक में रुपए कम होने पर टोलकर्मी ने ?500 अतिरिक्त मांगे इसी बात को लेकर टोलकर्मियों एवं वाहन स्वामी के बीच कहा सुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि टोल कर्मियों के द्वारा वाहन स्वामी के साथ जमकर मारपीट कर दी जब वाहन स्वामी को पिटता देख परिवार की महिलाएं बचाने पहुंची तो टोल कर्मियों के द्वारा महिलाओं के साथ भी अभद्रता की और मारपीट कर घायल कर दिया। इस झगड़े को देख अन्य राहगीर भी एकत्रित हो गए।

सोलह सौ मीटर की दौड़ में दौड़े हजारों धावक

- **एक हजार धावकों ने लिया भाग, रोमांच और उत्साह के बिखरे रंग**
- **आरोही संस्था ने आयोजित की दौड़ प्रतियोगिता**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। आरोही सामाजिक संस्था की निःशुल्क कुमार की दौड़ प्रतियोगिता शाहदरा स्थित मंडी समिति में आयोजित हुई। गजब का उत्साह और रोमांच। बादलों से ढके आसमान में प्रभात की किरणें बिखरने से पहले हजारों धावक मंडी समिति की सड़क पर दिखे। जीतने की ख्वाहिश से अधिक दौड़ में हिस्सा लेना उन्हें ज्यादा उत्साहित कर रहा था। 7 वर्ष के बच्चों से लेकर 40 वर्ष तक की उम्र के लगभग एक हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया। जोश और उत्साह के साथ आगरा मंडल सहित अन्य जिलों के बच्चो ने भी भाग लिया। दौड़ में हिस्सा लेने के लिए दर्जनों स्कूलों से धावक पहुंचे। शुभारम्भ ट्रांस यमुना थाना प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह, मंडी समिति चौकी इंचार्ज संजय कुमार और डॉ. मुकेश गोयल ने झंडी दिखाकर किया।

आयोजक मुकेश कुमार ने बताया कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत कुमार एटरटेमेन्ट ऐप पर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कर में देशभर से हजारों स्कूली बच्चे सड़को पर दौड़े। शुरूआत प्रातः 10 बजे मंडी समिति से हुई, जिसमे सोलह सौ मीटर की दौड़ मंडी समिति की सड़क पर पांच ग्रुप में हुई। अध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि दौड़ के प्रथम विजेता गौरी यादव को ग्यारह हजार रुपए, द्वितीय विजेता अजय राजपूत को इक्यावन सौ रुपए और तृतीय विजेता रॉनी को इकत्तीस सौ रुपए का नगद पुरुष्कार व मैडल प्रदान किया। सुबह जुम्बा और मोटिवेट सेशन का भी आयोजित किया गया। फेम डांस इंडिया डांस, इंडियाज डांसिंग सुपरस्टार ऋषिका सिंह, धीरज वर्मा, अंकित दूबे, अचल शर्मा, हरीश गौतम, काजल आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की चांच करेगी सीआरएम टीम आज

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। नए मेडिकल कॉलेजों के उद्घाटन के साथ-साथ जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम भी चल रहा है। ताज नगरी आगरा में भी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने की कोशिशें की जा रही हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सीआरएम (कॉमन रिव्यू मिशन) की केंद्रीय टीम 18 नवंबर को आगरा जिला अस्पताल का निरीक्षण करने के लिए आ रही है। इसकी तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। प्रमुख अधीक्षक डॉ. राजेंद्र अरोड़ा के नेतृत्व में अस्पताल को दिन-रात एक करके संवारने की कोशिश की जा रही है, ताकि निरीक्षण के समय अस्पताल की व्यवस्थाएं बेहतर रूप में प्रदर्शित हो सकें। रविवार को भी जिला अस्पताल और सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर कर्मचारी मौजूद हैं। जिला अस्पताल प्रशासन को यह भलीभांति पता है कि निरीक्षण के दौरान किसी भी चूक की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

इस दौरान अधीक्षक डॉ. सीपी वर्मा भी उनके साथ मौजूद हैं। सीआरएम की केंद्रीय टीम अस्पताल की सेवाओं का संपूर्ण आकलन करेगी। इसमें टीम के सदस्य मरीजों को प्रदान किए जा रहे उपचार, चिकित्सकों का आकलन, दवाओं की उपलब्धता, अस्पताल का स्टोर गृह, फार्मासिस्ट विंग, आपातकालीन सेवा, सफाई व्यवस्था आदि का गहनता से निरीक्षण करेंगे।

पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जा करने वाले को एसडीएम ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

मथुरा (अजय यादव)। मथुरा में देर रात पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जा कर रहे एक व्यक्ति को एसडीएम ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। साथ ही मौके पर मिट्टी खुदाई का कार्य कर रही एक जेसीबी, तीन डंपर को जब्त कर सीज की कार्रवाई की गई है। महावन तहसील के अंतर्गत गोकुल बैराज के समीप में कुछ लोग सरकारी भूमि पर मिट्टी डाल कर कब्जा अवैध कर रहे थे। जिसकी जानकारी महावन एसडीएम आदेश कुमार को मिली। मौके पर एसडीएम महावन एवं सीओ पहुंचे। उन्होंने देखा कि गोकुल से महावन जाने वाले मार्ग पर सरकारी जमीन है जिस पर कुछ लोग अवैध कब्जा कर रहे हैं और जेसीबी एवं डंपरों से मिट्टी की खुदाई कर डाल रहे हैं। एसडीएम ने मौके से तीन मिट्टी से भरे डंपर एवं एक जेसीबी मशीन बरामद की। साथ ही जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले एक व्यक्ति पप्पू पुत्र राम खिलाड़ी को भी हिरासत में लेकर महावन पुलिस के हवाले कर दिया हैं। एसडीएम महावन आदेश कुमार ने बताया गोकुल में लोक निर्माण विभाग की जमीन पर मिट्टी डाल कर कब्जा किया जा रहा था। इससे पूर्व रोड पर लगी रेलिंग को तोड़ दिया गया, जिसमें तीन डंपर एवं एक जेसीबी मशीन को मौके से बरामद किया गया। जिन्हें खप्परपुर पुलिस चौकी पर खड़ा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग को अवगत कराया गया है खनन विभाग ने डंपरों को सीज किया गया है। वहीं लोग निर्माण विभाग के द्वारा महावन थाने में तहरीर दी गई है।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

अग्निकांड में एक और नवजात की मौत

झांसी। झांसी अग्निकांड में रेस्क्यू किए गए एक और नवजात की मौत हो गई। हालांकि, डीएम अविनाश कुमार ने कहा कि नवजात की मौत बीमारी की वजह से हुई है। उसे बर्न इंजरी नहीं थी। इधर, अग्निकांड की पहली जांच रिपोर्ट अब 12 घंटे में नहीं आएगी। सरकार ने जांच के बीच ही कमेटी बदल दी। पहले जांच की जिम्मेदारी झांसी के मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे को दी गई थी। अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक किंजल सिंह को जांच सौंपी गई है। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे ने बताया कि उनकी अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी रिपोर्ट नहीं देगी। उन्होंने शनिवार को पीड़ित परिवारों और हॉस्पिटल स्टाफ के बयान दर्ज किए थे। हालांकि कमेटी क्यों बदली? इसे लेकर सरकार ने कोई जानकारी नहीं दी गई।

नवनीत राणा पर भीड़ का हमला

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा पर 16 नवंबर की रात करीब 10 बजे हमला हुआ। अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत दरियापुर निर्वाचन क्षेत्र के खल्लर गांव में भाजपा उम्मीदवार रमेश बुंदिले के लिए वोट मांगने पहुंची थीं। भीड़ ने वहां कुर्सियां फेंकी और अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाए और हंगामा किया। नवनीत ने कहा कि हम खल्लर में शांतिपूर्ण तरीके से प्रचार कर रहे थे। मेरे भाषण के दौरान कुछ लोगों ने अभद्र इशारे किए। नवनीत ने कहा कि हमले में पार्टी के कई लोग घायल हुए। मुझ पर थूका गया, जो एक सुरक्षाकर्मी की वर्दी पर गिरा। सुरक्षाकर्मियों ने मुझे बचाया। हमने शिकायत दर्ज कराई है। अगर जल्द ही किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया तो अमरावती का पूरा हिंदू समुदाय यहां इकट्ठा होगा। अमरावती ग्रामीण एसपी विशाल आनंद ने कहा कि इस मामले में 45 लोगों के खिलाफ दंगा, हत्या के प्रयास और भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। 3 लोगों को हिरासत में हैं। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे हमलावरों की पहचान की जा रही है।

वैष्णों देवी यात्रा होगी आसान, 32 ट्रेनों का जम्मू तक विस्तार की तैयारी

जम्मू । मां वैष्णो देवी यात्रा आसान करने के लिए भारतीय रेल 32 ट्रेनों के विस्तार की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक जनवरी माह में ट्रेन परिचालन शुरू हो सकता है। इसकी तैयारी तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। बता दे कि वंदे भारत एक्सप्रेस श्रीनगर तक जाने वाली पहली ट्रेन होगी। बता दे कि रेलवे ने उन ट्रेनों का आंकलन शुरू कर दिया है, जिनका विस्तार जम्मू व श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन से आगे श्रीनगर तक किया जाना है। रेलवे सूत्रों के अनुसार जिन ट्रेनों का विस्तार करने की योजना बनाई गई है उनमें करीब 32 ट्रेनों को श्रीनगर तक लाया जाएगा। इनमें ट्रेन संख्या 12425-26 नई दिल्ली से जम्मूतवी, ट्रेन संख्या 16787-88 तिरुनेलवेली से माता वैष्णो देवी कटरा, ट्रेन संख्या 16317-18 कन्या कुमारी से माता वैष्णो देवी कटरा, ट्रेन संख्या 19803-04 कोटा से माता वैष्णो देवी कटरा, ट्रेन संख्या 12331-32 हावड़ा से जम्मूतवी, ट्रेन संख्या 12445-46 नई दिल्ली से माता वैष्णो देवी कटरा, ट्रेन संख्या 16031-32 चेन्नई सेंट्रल से माता वैष्णो देवी कटरा, ट्रेन संख्या 11449-50 जबलपुर से माता वैष्णो देवी कटरा आदि ट्रेनें शामिल हैं।

शिमला में मस्जिद के बाद मंदिर को लेकर बवाल, दो गुट के बीच खूब हुआ पथराव

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में मस्जिद के बाद मंदिर को लेकर बवाल हो गया। रामकृष्ण परमहंस के मंदिर में स्थित आश्रम में ये बवाल हुआ। मंदिर के आश्रम में भक्तों के दो गुट आपस में भिड़ गए। इस पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। फिलहाल मंदिर के आसपास भारी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया है। बता दें कि यह मंदिर जिसमें आश्रम भी है रामकृष्ण मिशन के नाम से प्रसिद्ध है। मंदिर की संपत्ति को लेकर विवाद का मामला कोर्ट में जारी है। मंदिर की जमीन को लेकर हिमालयन ब्रम्हो समाज और रामकृष्ण मिशन संस्थाओं में पिछले कई वर्षों से कोर्ट में मामला है। जानकारी के अनुसार, ब्रम्हो समाज का दो दिन का अधिवेशन शिमला में था। अधिवेशन से बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में पहुंच गए। पूजा खत्म होने के बाद आश्रम के संन्यासियों के आग्रह के बाद भी मंदिर से नहीं जा रहे थे, इसपर विवाद बढ़ता गया। देर रात करीब एक बजे आश्रम में पथराव हुआ। पथराव में पुलिस कर्मियों सहित कई लोगों के घायल होने की खबर है। आश्रम में बड़ी संख्या में तोड़फोड़ की तस्वीरें भी सामने आई हैं। पुलिस को दी शिकायत में कहा गया है कि राम कृष्ण मिशन आश्रम में स्वामी रूपानंद के प्रवचन के दौरान दर्शन करने करीब 50-60 महिला और पुरूष मंदिर परिसर में आए। स्वामी तिनमहिमानंद का प्रवचन समाप्त होने के बाद भी यह सभी लोग बाहर नहीं आए। ये सभी मंदिर के अंदर अपने धर्म का कलश स्थापित करने लग गए। जब स्वामी ने इन्हें कलश स्थापित करने के लिए मना किया, तब उन्होंने मन्त्र के साथ कलश स्थापित करना शुरू कर दिया। वे किसी को अंदर नहीं जाने दे रहे थे और दोनों दरवाजों पर बैठ गए। इसके बाद पुलिस और एसडीएम मौके पर पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों को समझाया और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इस दौरान रामकृष्ण मिशन के अनुयायियों में एक महिला ने कुर्सी उठाकर दुसरी तरफ महिलाओं पर फैंकी और फिर क्या एक दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया।

भारतीय रिजर्व बैंक को आया धमकी भरा कॉल... पुलिस जांच में जुटी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक को धमकी भरा कॉल शनिवार सुबह 10 बजे किया गया। फोन पर कॉलर ने खुद को लश्कर ए तैयबा का सीईओ बताया। कॉल रिजर्व बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर आई थी। कथित तौर पर रिजर्व बैंक के सुरक्षा गार्ड को कॉल की गई। शख्स ने खुद को आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सीईओ बताकर कहा पीछे का रास्ता बंद कर दो इलेक्ट्रिक कार खराब हो गई है। अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज जांच शुरु कर दी गई है। वहीं पुलिस के मुताबिक ये किसी की शरारत भी हो सकती है।

'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे , बटेंगे तो कटेंगे' सभी कार्यकर्ताओं की एकजुटता व संकल्प का प्रतीक: मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य में नौ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनावों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे बटेंगे तो कटेंगे का समर्थन करते हुए रविवार को कहा कि 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, बटेंगे तो कटेंगे' सभी कार्यकर्ताओं की एकजुटता और संकल्प का प्रतीक है। मौर्य ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में किसी भी मतभेद से इनकार करते हुए यह भी साफ किया कि पार्टी का नारा 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' ही है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) की 'गालियों' का जवाब उसी तरह देना है, जैसे 'भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल को दिया था।

मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का स्पष्ट संदेश और उनके भाषणों से उभरे नारे- 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, बटेंगे तो कटेंगे'-हम सभी कार्यकर्ताओं की एकजुटता और संकल्प का प्रतीक हैं। इसी पोस्ट में उन्होंने सफाई दी, भाजपा में न मतभेद था, न है, न होगा। यह नारा मुझ जैसे करोड़ों कार्यकर्ताओं के दिल की आवाज़ है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा का नारा एक रहेंगे तो सेफ़ रहेंगे ही है। पोस्ट में मौर्य ने पूछा कि सपा, बसपा (बहुजन समाज पार्टी) और कांग्रेस को इस एकजुटता से पेट में दर्द क्यों हो रहा है? अगर दर्द बर्दाश्त नहीं हो रहा है, तो इलाज कराएं और दवा ले लें।

इससे पहले शनिवार को प्रयागराज में आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर किए गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने नाराज स्वर में कहा था, 'मुख्यमंत्री कोई संबोधन करते हैं तो उस पर मुझसे टिप्पणी क्यों लेना चाहते हो?.. क्या आप मीडिया के मित्र आपस में हमें लड़ाना चाहते हो? आदित्यनाथ ने सहसो के कसेरुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था, 'अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार हमें इसलिए करना पड़ा था क्योंकि हम बंटे थे। काशी और मथुरा में हमें अपमान इसलिए झेलना पड़ा क्योंकि हम बंटे थे। जब बंटे थे तो कटे थे। भारत में आज सबसे बड़ी चुनौती जाति के नाम पर बांटने वाले लोग हैं।' उप मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, सपा और उनके मुखिया श्री अखिलेश यादव एंड कंपनी द्वारा फैलाए गए फर्जी 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की गालियों का जवाब हमें उसी तरह देना है, जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल को दिया था। मौर्य ने कहा कि 2024 (उपचुनाव) में 'कमल' खिलाकर 'साइकिल' को ऐसा पंचर करना है कि सपा के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाए। उन्होंने कहा कि सपा को 2014 (लोकसभा), 2017 (उप्र विधानसभा), 2019 (लोकसभा) और 2022 (प्रदेश विधानसभा) चुनावों में मिली करारी हार के घाव जो अब भी ताजे हैं तथा उन्हें और गहरा करते हुए इस बार समाजवादी पार्टी को 'समाप्तवादी पार्टी' बनाने का काम करना है।

न्यूयॉर्क से भारत लौटी एक करोड़ डॉलर की 1400 मूर्तियां

जयपुर। न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में रखी एक मूर्ति वापस भारत आ गई है। ये वो मूर्ति है जो राजस्थान के एक गांव से 1960 में चुराई गई थी। अमेरिका ने भारत की 1,400 से अधिक सांस्कृतिक धरोहरों को वापस किया है, जिनकी कुल कीमत लगभग 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग एक करोड़ डॉलर) बताई जा रही है। इनमें से एक महत्वपूर्ण वस्तु मध्य प्रदेश से 1980 के दशक में चुराई गई बलुआ पत्थर की मूर्ति है, जिसे लंदन के रास्ते तस्करी कर म्यूजियम में दान किया गया था। एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार, न्यूयॉर्क के मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय में बुधवार को भारत से लूटी गई कलाकृतियां लौटाई गईं। इस अवसर पर भारतीय महावाणिज्य दूतावास के मनीष कुल्हारी और न्यूयॉर्क सांस्कृतिक संपत्ति, कला और पुरावशेष समूह की होमलैंड सुरक्षा जांच की पर्यवेक्षक एलेक्जेंड्रा डीआर्मास भी मौजूद थीं। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन एल ब्रैग जूनियर ने इस मौके पर कहा कि इस विशेष समारोह में कुल 1,440 पुरावशेष भारत को लौटाए गए हैं, जिनका कुल मूल्य एक करोड़ अमेरिकी डॉलर है। भारत से लूटी गई इन पुरावशेषों की वापसी एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, खासकर जब से इनकी तस्करी के मामलों में कुख्यात अपराधियों जैसे नैन्सी वीनर और सुभाष कपूर का हाथ था। इन तस्करों को मिलियन डॉलर की लूटपाट करने के आरोप में 10 साल की जेल की सजा दी गई थी। संघीय होमलैंड सुरक्षा जांच के न्यूयॉर्क प्रभारी विशेष एजेंट विलियम वॉकर ने कहा कि यह वापसी उन कुख्यात तस्करों के खिलाफ हुई जांच की एक बड़ी जीत है, जो भारतीय कलाकृतियों की अवैध तस्करी में शामिल थे। गौरतलब है कि अमेरिका ने अब दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों से चुराई गई कलाकृतियों को वापस करने की पहल शुरू की है, और भारत को जल्द ही 600 से अधिक अन्य प्राचीन वस्तुएं भी वापस मिलेंगी। इस वापसी से न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा होगी, बल्कि यह भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक सहयोग और साझेदारी को भी मजबूत करेगा।

बीजेपी नेता जायसवाल के बिगड़े बोले, राहुल गांधी दिमाम से कमजोर... इसलिए उन्हें पप्पू कहते

पटना (एजेंसी)। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे, बक्सर में धर्म परिवर्तन की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी पर प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल ने कहा है कि राहुल गांधी क्या कहते हैं और क्या करते हैं, यह पूरा देश जानता है, लेकिन उन्हें इसका अहसास नहीं है। उम्र के हिसाब से राहुल गांधी का दिमाग जितना विकसित होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ है। उनका दिमाग कमजोर है। इसकारण उनकी पार्टी के लोग भी उन्हें पप्पू कहते हैं। हम उस व्यक्ति की बातों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते, जिसने अपने जीवन में कभी एक भी अच्छा काम नहीं किया।

शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के सवाल जायसवाल ने कहा है कि ठाकरे जब तक भारतीय जनता पार्टी के साथ थे, तब तक वे इस गठबंधन में रहकर बहुत खुश थे। लेकिन राजनीति में लोग परिस्थितियों के हिसाब से अपनी भाषा बदल लेते हैं। आज वह भी यही कर रहे हैं। उद्धव अपने पिता की विचारधारा के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। इसकारण महाराष्ट्र की जनता उन्हें देर-सवेर जवाब जरूर देगी। जायसवाल ने बक्सर में धर्म परिवर्तन की घटना पर कहा है कि धर्म परिवर्तन की खबरें परेशान करती हैं। इस तरह के जघन्य कृत्य में शामिल लोग किसी को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराकर बहुत बड़ा पाप कर रहे हैं। बक्सर की कहानी, जैसा कि वीडियो फुटेज में दिखाया गया है, दिल दहलाने वाली है। मेरा मानना है कि इसतरह के लोगों को मौत की सजा मिलनी चाहिए।

मनोज तिवारी का बड़ा हमला, दिल्लीवालों को 10 साल से मौत परोसा रही आप सरकार

कांग्रेस में सिर्फ सोनिया गांधी की जय के नारे लगते

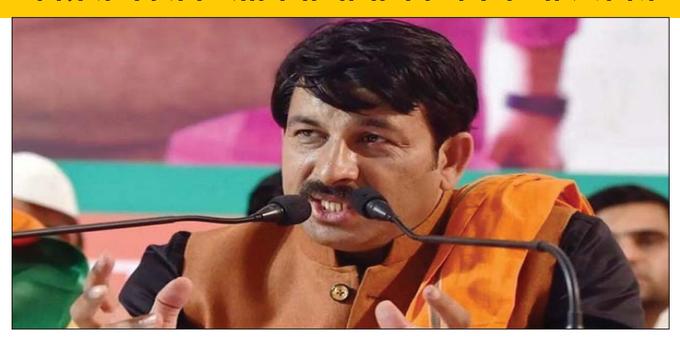

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने दिल्ली प्रदूषण, महाराष्ट्र के पूर्व सीएम विलासराव देशमुख पर कांग्रेस नेता नितिन राउत के आरोप, आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर के सनातन बोर्ड बनाने के सुझाव पर प्रतिक्रिया दी है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर भाजपा सांसद तिवारी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी ने कभी दिल्ली के लोगों के कल्याण की परवाह नहीं की। वे दिल्लीवासियों को जहरीली हवा और प्रदूषित पानी परोस रहे हैं। सीधे-सीधे कहूं तब आम आदमी पार्टी पिछले दस सालों से लोगों को मौत परोस रही है। इस प्रदूषण के कारण दिल्ली के निवासियों की उम्र 10 से 12 साल कम हुई है। लोग प्रदूषित वातावरण से थक चुके हैं। इसलिए हम दिल्ली के लोगों से अपील करना चाहते हैं कि आगामी विधानसभा में बहुत कम समय है, चलिए साथ मिलकर दिल्ली को संवारने का काम करते हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देशमुख पर कांग्रेस नेता राउत के आरोपों पर भाजपा सांसद तिवारी ने कहा है कि कांग्रेस में सिर्फ सोनिया गांधी की जय के नारे लगते हैं। वे भारत माता की जय जैसे नारे नहीं लगाते या जय भीम जैसे नारे। यह भारतीय जनता पार्टी है जो जय श्री राम, जय भीम और भारत माता की जय कहकर बड़ा दिल दिखाती है। हम भी कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। आध्यात्मिक गुरु ठाकुर के सनातन बोर्ड बनाने के सुझाव पर भाजपा सांसद ने कहा है कि यह अच्छी बात है। हम संतों का बहुत सम्मान करते हैं। भारतीय जनता पार्टी अपने देश की संस्कृति के अनुरूप आवाज उठाने वालों की बात ध्यान से सुनती है। सनातन बोर्ड के गठन के संबंध में उचित समय पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

सैक्स और पैसे की दम पर कराई जा रही बांग्लादेशी घुसपैठ, ईडी के हाथ लगे कई सबूत

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में बांग्लादेशी घुसपैठ मुद्दा बन गया है। यहां अधिकांश राजनैतिक दलों के भाषण की शुरुआत ही घुसपैठ से होती है। इसी बीच रांची में हुई ईडी की छापेमारी में कई सबूत ऐसे हाथ लगे हैं जो बांग्लादेशी घुसपैठ के सबूत के तौर पर देखे जा रहे हैं। ईडी को मोबाइल चैट से पैसों के लेनदेन के बड़े सबूत मिले हैं। बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ कराने के बाद बड़े पैमाने पर देह व्यापार व देश विरोधी गतिविधियों में लगाने की बात ईडी ने कही है। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि गिरफ्तार आरोपियों व जिन संदिग्धों के मोबाइल ईडी ने जब्त किए हैं, उनके मोबाइल में बड़े पैमाने पर पैसों के लेनदेन के साक्ष्य मिले हैं। ईडी को इस केस में मनीषा राय व झुमा की तलाश है। झुमा बांग्लादेशी युवती है, जबकि मनीषा राय पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। चार जून को रांची पुलिस की छापेमारी के दौरान झुमा बाली रिसॉर्ट से मौक से निकल भागी थी। वहीं, इस दौरान तीन बांग्लादेशी युवतियों को रिसॉर्ट से बरामद किया गया था। मनीषा के मोबाइल नंबर से भी कई बांग्लादेशी व भारत के दलालों के साथ लगातार संपर्क की बात सामने आयी है। ईडी अब सोमवार से इस केस में गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक रॉनी मंडल, संदीप चौधरी, पश्चिम बंगाल निवासी पिंटू हलधर व पिंकी नाम की युवती से पूछताछ करेगी।

चुनाव आयोग ने भाजपा और कांग्रेस के अध्यक्षों को भेजा नोटिस

– चुनाव आयोग ने 18 नवंबर को दोपहर एक बजे तक जवाब भेजने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग पत्र भेजकर दोनों दलों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ दर्ज की गई शिकायतों पर जवाब मांगा है। चुनाव आयोग ने दोनों पार्टियों के नेताओं को सोमवार 18 नवंबर को दोपहर एक बजे तक जवाब भेजने को कहा है। यह कारवाई महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत किए जाने के बाद हुई है। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संविधान वाली टिप्पणी पर शिकायत दर्ज कराई थी। भाजपा ने उनके भाषण को झूठ से भरा और तथ्यहीन बताया था। भाजपा ने चुनावी राज्य महाराष्ट्र में एक रैली में गांधी के कथित 6 नवंबर के भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर संविधान को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता महाराष्ट्र के युवाओं को भड़का रहे हैं जो देश की एकता और अखंडता के लिए बेहद खतरनाक है। वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर धनबाद में एक चुनावी रैली के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और उसके सहयोगियों के बारे में झूठे, विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान देने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि अमित शाह द्वारा दिए गए बयानों का एकमात्र उद्देश्य धर्म और जाति के आधार पर मतदाताओं को भड़काना है, ताकि वोटों को एकजुट किया जा सके लोगों को भड़काकर उन्हें भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित किया जा सके। चुनाव आयोग ने पार्टी प्रमुखों को लोकसभा चुनाव के दौरान जारी की गई अपनी सलाह की भी याद दिलाई, जिसमें पार्टियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि उनके स्टार प्रचारक प्रचार के दौरान सार्वजनिक शिष्टाचार बनाए रखें और आदर्श आचार संहिता का पालन करें।

पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी विकास यादव ने दिल्ली हाईकोर्ट में दिया आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी विकास यादव ने दिल्ली की कोर्ट में एक आवेदन दाखिल कर कहा है कि उन्हें सुनवाई में हाजिर होने से छूट दे दी जाए। यादव को कहना है कि उनकी सारी डीटेल बाहर आ गई है, इसकारण जान पर खतरा बना हुआ है। कोर्ट ने फिलहाल उन्हें छूट देकर 3 फरवरी 2025 को हाजिर होने का आदेश दिया है।

18 दिसंबर 23 को विकास को उगाही और किडनैपिंग के मामले में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके पहले ही अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने विकास का नाम आंतकी पन्नू की हत्या में शामिल साजिश करने वाले के तौर पर लिया था। विकास को अप्रैल 2014 में जेल से जमानत पर रिहा किया गया। इसके बाद 18 अक्टूबर को एफबीआई ने उन्हें वॉन्टेड घोषित कर दिया।

आरोप लगाया गया था कि भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय ने विकास को नियुक्त किया था जो कि पीएमओ का ही हिस्सा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि अब विकास भारत सरकार के कर्मचारी नहीं हैं। कोर्ट में पेश दो पेज के आवेदन में यादव ने कहा कि उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इतना ही नहीं उनके फोटोग्राफ, घर का पता और अन्य तस्वीरें भी अब सार्वजनिक हो गई हैं। इसके बाद उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर खतरा है। उनकी जान पर बनी हुई है।

शनिवार को यादव का आवेदन कोर्ट के सामने लिस्ट हुआ था। कोर्ट ने इस बार सुनवाई में हाजिर होने से छूट देकर कहा कि अगली सुनवाई में हाजिर होना होगा। मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को होनी है। बता दें कि रोहिणी के रहने वाले एक व्यापारी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि विकास यादव का लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कनेक्शन है और वह उगाही और किडनैपिंग में शामिल हैं।

सिद्धारमैया ने पीएम मोदी को दी चुनौती बोले- आरोप सिद्ध कर दिए तो राजनीति छोड़ दूंगा

मुंबई (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि पीएम साहब एक भी आरोप सिद्ध कर दें तो मैं हमेशा के लिए राजनीति छोड़ दूंगा। शनिवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में सीएम सिद्धारमैया ने चुनौती दी कि प्रधानमंत्री को अपने आरोप साबित करें। बता दें कि 20 नवंबर को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होना है। सीएम सिद्धारमैया ने शनिवार को सोलापुर में महा विकास अघाड़ी के लिए प्रचार करने पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पीएम मोदी के आरोपों को सरासर झूठ बताया और चुनौती भी दे डाली। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी आते हैं और सफेद झूठ बोलकर चले जाते हैं। अगर वह अपने आरोप साबित कर देंगे तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। आखिर मोदी मेरी चुनौती को स्वीकार क्यों नहीं करते हैं? क्या उन्हें किसी बात का डर है? सिद्धारमैया ने कहा कि पीएम मोदी दावा कहते हैं कि कल्याण गारंटी अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देगी। मगर, भाजपा ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में चुनावों के दौरान इसी तरह की गारंटी दी थी। आखिर प्रधानमंत्री झूठ का सहारा क्यों ले रहे हैं? मोदी सरकार ने अपनी प्राथमिकताएं भी दिखाई हैं। इसके तहत अमीरों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया गया, जबकि किसानों का एक रुपया भी माफ नहीं हुआ।

सोलापुर में कुछ दिनों पहले ही पीएम मोदी की चुनावी रैली हुई थी। इस दौरान उन्होंने कहा, 'आप सब देख रहे हैं कि अघाडी में कैसे भगदड़ मची हुई है। अभी से अ में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान, नूराकुश्ती चल रही है। उन्होंने कहा कि एक पार्टी पूरे दिन अपने नेता को मुख्यमंत्री बताने में लगी रहती है। दूसरी पार्टी और कांग्रेस वाले उनकी दावेदारी खारिज करने में लगे रहते हैं। चुनाव से पहले जिनका ये हाल है, वो आघाडी वाले महाराष्ट्र को कभी भी स्थिर सरकार नहीं दे सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एमवीए वाले जिस गाड़ी पर चल रहे हैं, वह ऐसी गाड़ी है जिसमें न पहिये हैं और ना ही ब्रेक है। उन्होंने कहा, 'कौन चलाएगा, इसके लिए मारामारी है।

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

विदेशी संपत्ति, आय का खुलासा न करने पर 10 लाख का जुर्माना: आयकर विभाग

- करदाता को अपने आईटीआर में विदेशी संपत्ति और आय का विवरण अनिवार्य रूप से भरना होगा

नई दिल्ली । देश में आयकर विभाग ने करदाताओं को एक चेतावनी जारी की है कि अगर कोई व्यक्ति अपनी विदेश में स्थित संपत्ति या विदेशी आय का खुलासा नहीं करता है तो उसे कालाधन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। विभाग ने अपने अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान के तहत एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है जिसका मकसद है करदाता को समझाना कि वे इस वर्ष के आईटीआर में अपनी विदेशी संपत्ति और आय का विवरण दें। कर विभाग की ओर से दी गई चेतावनी के अनुसार करदाता को अपने आईटीआर में विदेशी संपत्ति और आय का विवरण अनिवार्य रूप से भरना होगा, भले ही उनकी आय कम हो या विदेश से प्राप्त हो। अधिक जानकारी के लिए करदाताओं को अपने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। विभाग ने कहा है कि उन व्यक्तियों को सूचित किया जाएगा जिन्होंने पहले ही अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है और उन्हें विदेशी संपत्ति या आय के बारे में जानकारी नहीं भरने की सुझाव दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसे कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। इसलिए करदाताओं को सुझाव दिया जा रहा है कि वे अपने आईटीआर को समय पर और सही जानकारी के साथ भरें।

सर्दी के मौसम में मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

- सरसों दाने का थोक भाव 85 रुपये के सुधार के साथ 6,700-6,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

देश में सर्दी के मौसम में सॉफ्ट आयल की मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती दिखी। बाजार सूत्रों के मुताबिक सरकार ने खाद्यतेलों के आयात शुल्क में वृद्धि की है, जिसकी वजह से खाद्य तेलों के दाम मजबूत हो गए हैं। इस बढ़ती मांग के परिणामस्वरुप सरसों की आवक कम हो रही है। हरियाणा में सहकारी संस्थाओं ने ज्यादातर सरसों की खरीद कर ली है, लेकिन इससे आवक में अभी भी कमी है। सूत्रों का कहना है कि सरसों की संभलकर बिक्री की जानी चाहिये ताकि खाद्यतेल बाजार में सभी चीजों का उपलब्धता बना रहे। विदेशों में भी खाद्य तेलों के निर्माण में बढ़ोतरी की वजह से खाद्य तेलों की मांग बढ़ी है।

सोयाबीन तेल के भी दाम में सुधार देखा गया है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 85 रुपये के सुधार के साथ 6,700-6,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 25 रुपये की तेजी के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,310-2,410 रुपये और 2,310-2,435 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। डीओसी की स्थानीय मांग के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,360 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमशः 125 रुपये, 175 रुपये और 75 रुपये बढ़कर क्रमशः 14,650 रुपये, 14,400 रुपये और 10,675 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख दिखा। मूंगफली तिलहन का भाव जहां 275 रुपये के सुधार के साथ 6,725-7,000 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 425 रुपये की तेजी के साथ 15,675 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 70 रुपये की तेजी दर्शाता 2,370-2,670 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने निवेश विनिर्माण क्षमता बढ़ाने 20 अरब डॉलर का किया निवेश

- कंपनी सीमेंट उत्पादन क्षमता को 20 करोड़ टन तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने अपनी एक बड़ी घोषणा की है, जिसमें 20 अरब डालर का भारी निवेश किया गया है ताकि वह विभिन्न सेक्टर्स में टॉप 2 कंपनियों में से एक बन सके। यह निवेश विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया गया है। ग्रुप की योजना है कि अगले दशक में अपनी सीमेंट उत्पादन क्षमता को 20 करोड़ टन तक बढ़ाएगा। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उन्होंने पिछले 36 वर्षों में 10 करोड़ टन की क्षमता विकसित की है और अब उसे और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदित्य बिड़ला ग्रुप का व्यवसाय स्केल और दीर्घकालिक विकास पर आधारित है और वे हर व्यवसाय में नंबर एक या दो बनने की चाहत रखते हैं। उन्होंने अपने व्यवसाय के लंबे समय की दृष्टि से इस निवेश के महत्व को बताया। कंपनी ने ग्रुप के नोवेलिस के 6 अरब डालर का अधिग्रहण भी जिक्र किया, जिसे एक रणनीतिक निर्णय माना गया है। इस दौरान कई विवाद भी उठे, लेकिन जिस भविष्य में निवेश किया गया था, वह लाभकारी साबित हो गया है। आदित्य बिड़ला ग्रुप का यह निवेश उनकी मूलभूत सिद्धांतों और दृष्टिकोण को मजबूती देगा और उन्हें मुख्य कंपनी बनने की दिशा में आगे बढ़ाएगा।

बोइंग कंपनी अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करेगी

- करीब 17000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने का किया फैसला

नई दिल्ली ।

एयरोस्पेस कंपनी बोइंग आगामी वर्ष में 8 अरब डॉलर का घाटा होने के चलते अपने कर्मचारियों में 10 फीसदी की कटौती कर सकती है, कटौती की घोषणा कंपनी ने हाल ही में की है। इसके परिणामस्वरूप करीब 17000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने का फैसला किया गया है। यह फैसला मानव संसाधन में सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। कंपनी की यह कदम बढ़ती लागत को कम करने और वित्तीय स्थिति में सुधार करने की कोशिश का हिस्सा है। इसके अलावा बोइंग ने 2027 से 767 और 777एक्स विमानों के उत्पादन में रुकावट की घोषणा की है। यह डिसेशन बोइंग के उद्योग में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल को बनाए रखने के लिए किया गया है। हालांकि कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस कदम को केवल अनिवार्य परिस्थितियों में लिया है और वह परियोजनाओं पर काम जारी रखने की कोशिश कर रही है। कर्मचारियों के संगठनों ने इस कदम की मुख्यता और स्थिति पर प्रभाव का खेमंय रखा है। कंपनी उम्मीद कर रही है कि उनके कठिन फैसलों से लागत को कम करने और वर्कफोर्स को संतुलित करने में मदद मिलेगी। यह संकेत देता है कि बोइंग निरंतर अपने उद्योग को सजीव रखने के लिए नये सुराही मानव संसाधन मोडल और कार्य प्रणाली का अध्ययन कर रहा है।

विदेशी निवेशकों के रुख, वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

- ब्रेंट क्रूड की चाल और रुपया-डॉलर का रुख भी शेयर बाजार को प्रभावित करेगा

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की व्यापारिक गतिविधियां और वैश्विक रुझान से आगामी शेयर बाजारों की` दिशा तय हो सकती है। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई और एनएसई ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को कारोबारी अवकाश घोषित किया है। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी। बाजार के` एक` विशेषज्ञ के मुतो बिक महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के कारण 20 नवंबर दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा। चुनाव परिणाम, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर सूचकांक प्रदर्शन, अमेरिकी बेरोजगारी दावे, नवीनतम विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़े और जापान के मुद्रास्फीति आंकड़ों सहित प्रमुख वैश्विक आर्थिक संकेतक बाजार की दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा` कि अमेरिका में बॉन्ड पर उच्च प्रतिफल और चुनाव के बाद डॉलर में मजबूती ने भारत जैसे उभरते बाजारों को प्रभावित किया है और एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) गतिविधि एक प्रमुख कारक बनी हुई है, जो निकट भविष्य में भारतीय इक्विटी को प्रभावित कर रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की चाल और रुपया-डॉलर का रुख भी बाजार में कारोबार को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा` कि यह सप्ताह भी छुट्टी के कारण छोटा है, और आय सत्र के लगभग समाप्त हो जाने के कारण, ध्यान फिर से एफआईआई प्रवाह पर चला जाएगा। विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले डेढ़ महीने से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त व्यापारी वैश्विक बाजार के रुझानों पर कड़ी नज़र रखेंगे। शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। बीएसई बेंचमार्क सूचकांक अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से 8,397.94 अंक या 9.76 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ और निफ्टी भी रिकॉर्ड उच्च स्तर से 2,744.65 अंक या 10.44 प्रतिशत नीचे आ गया है।

इस साल 27 सितंबर को सेंसेक्स 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड शिखर पर पहुंचा था और उसी दिन एनएसई निफ्टी भी 26,277.35 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। बेंचमार्क सूचकांकों में तेज गिरावट विदेशी निवेशकों के घरेलू बाजार से भागने, दूसरी तिमाही की कमजोर आय और इक्विटी के उच्च मूल्यांकन के कारण हुई थी।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजार से 22,420 करोड़ निकाले

- एफपीआई ने अपने निवेश को 15,827 करोड़ तक कम कर दिया

नई दिल्ली । इस महीने अब तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से दो लाख इकीस हजार चौबीस सौ करोड़ रुपये निकाले हैं। इस बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने अपने निवेश को 15,827 करोड़ रुपये तक कम कर दिया है। एक वित्तीय सलाहकार ने तरलता के कम होने के साथ-साथ एफपीआई प्रवाह अल्पावधि में कम होने की उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि इससे पहले गतिविधि में कुछ प्रकार की बदलाव नहीं होने की उम्मीद है, जिससे बाजार की धारणा कमज़ोर हो सकती है। आंकड़ों के अनुसार इस महीने अब तक एफपीआई ने 22,420 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की है। सितंबर, 2024 में भारतीय इक्विटी बाजार में विदेशी निवेशकों ने नौ महीने के उच्चतम स्तर 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई की लगातार बिकवाली के पीछे कुछ मुख्य कारक हैं, जिनमें उच्च मूल्यांकन, आय में गिरावट, और अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में किए गए हाल के नतीजों की भी चर्चा की जा रही है। इस साल अब तक एफपीआई ने डेट बाजार में 1.06 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो इस बाजार में एक बड़ा संकेत है।

टमाटर लाल की जगह हुए खुशहाल.....कीमतों में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली । उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि देशभर में सप्लाई में सुधार के कारण टमाटर की खुदरा कीमतों में मासिक आधार पर 22.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। मंत्रायल आधिकारिक बयान के अनुसार, 14 नवंबर को टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 52.35 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो 14 अक्टूबर को 67.50 रुपये प्रति किलोग्राम था। इस दौरान दिल्ली की आजादपुर मंडी में बढ़ती आवक के कारण मॉडल थोक मूल्य में करीब 50 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई, जो 5,883 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 2,969 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। मंत्रालय ने कहा कि पिंपलगांव (महाराष्ट्र), मदनपल्ले (आंध्र प्रदेश) और कोलार (कर्नाटक) जैसे प्रमुख बाजारों से भी इसी तरह की कीमत में सुधार की सूचना मिली। मंत्रालय ने कहा, हालांकि मदनपल्ले और कोलार के प्रमुख टमाटर केंद्रों पर आवक कम हुई है, लेकिन महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात से मौसमी आपूर्ति के कारण कीमतों में कमी आई है, जिससे देश भर में आपूर्ति की कमी पूरी हो गई है। बयान में कहा गया है कि मौसम की अनुकूल स्थिति ने पैदावार और खेतों से उपभोक्ताओं तक आपूर्ति श्रृंखला के सुचारू संचालन, दोनों को समर्थन दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का टमाटर उत्पादन चार प्रतिशत बढ़कर 213.20 लाख टन होने का अनुमान है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.65 लाख करोड़ घटा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान वाली घरेलू कंपनी बनी रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में हलचल देखने को मिली है। पिछले सप्ताह इन कंपनियों के कुल मूल्यांकन में 1,65,180.04 करोड़ रुपये की` गिरावट देखी गई है। इस दौरान निजी क्षेत्र की एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सबसे अधिक नुकसान झेला। शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे थे। इस दौरान निजी क्षेत्र की एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। एसबीआई का मूल्यांकन 34,984.51 करोड़ रुपये घटकर 7,17,584.07 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 27,830.91 करोड़ रुपये घटकर 5,61,329.10 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 22,057.77 करोड़ रुपये घटकर 17,15,498.91 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 15,449.47 करोड़ रुपये घटकर 5,82,764.02 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का एमकैप 11,215.87 करोड़ रुपये घटकर 8,82,808.73 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 4,079.62 करोड़ रुपये घटकर 5,74,499.54 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 2,832.38 करोड़ रुपये घटकर 8,85,599.68 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 13,681.37 करोड़ रुपये बढ़कर 7,73,962.50 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप 416.08 करोड़ रुपये बढ़कर 15,00,113.36 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

डीवीसी और जीयूवीएनएल के बीच हुआ समझौता

- 559 मेगावाट बिजली से जगमगाएगा गुजरात

मुंबई । दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) ने अपने सबसे हाल के बयान में घोषणा की कि उन्होंने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ 559 मेगावाट की बिजली आपूर्ति के लिए एक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। यह समझौता डीवीसी के पंजीकृत उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा कदम है और उन्हें उत्तर भारत के क्षेत्रों में और अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। इस समझौते के अनुसार डीवीसी की भविष्यावाणी बांग्लादेश के दुर्गापुर तापीय बिजली केंद्र से 359 मेगावाट और झारखंड के कोडरमा तापीय बिजली केंद्र चरण दो से 200 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करेगा। इस समझौते के हस्ताक्षर समारोह में डीवीसी के चेयरमैन एस सुरेश कुमार, सदस्य (वित्त) अरूप सरकार, और दोनों कंपनियों के प्रमुख अधिकारी शामिल थे। बाजार एक्सपर्ट्स इस खरीद समझौते को जीयूवीएनएन के लिए एक सामर्थ्य वृद्धि के रूप में देख रहे हैं जो उनकी आपूर्ति क्षमता को मजबूत करेगा। इसके साथ ही डीवीसी के देश भर के उपभोक्ताओं को भी इस समझौते के माध्यम से उपयोगकर्ता स्तर पर लाभ पहुंचाने की उम्मीद है। डीवीसी के उपभोक्ता सम्मेलन 2024 के दौरान इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया, जो 15-16 नवंबर को दो दिन का कार्यक्रम था। इसमें डीवीसी के समर्थन प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं के प्रतिनिधियों ने एक साथ धावा बोला। इस समझौते के माध्यम से डीवीसी ने एक प्रभावी तरीके से अपने होल्डिंग्स को मजबूती दी है और अपने उपभोक्ताओं के लिए एक सुविधा उपरांत दृष्टिकोण बनाया है।

सीएनजी वाहनों पर दांव लगाने और ग्रामीण बाजार में पैठ बढ़ने की योजना में हुंदै मोटर इंडिया

मुंबई ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अपने सीएनजी वाहनों पर दांव लगाते हुए बताया कि देश के ग्रामीण और शहरी बाजारों में सीएनजी विकल्पों की मांग में तेजी की उम्मीद है। एचएमआईएल के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी की सीएनजी मॉडल की हिस्सेदारी बिक्री में 2023-24 वित्त वर्ष में 11.4 प्रतिशत तक बढ़ गई है। कंपनी ने एक्सटर और ग्रैंड आई10 नियोस मॉडल में हाई-सीएनजी डुओ पेश किया है जो ग्राहकों की मांगों को पूरा करता है। इससे कंपनी ने 2024 तक सीएनजी मॉडलों में उच्चतम सीएनजी पैठ हासिल करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने इससे जुड़े ग्राहकों के लिए तीन साल की वारंटी प्रदान करने का भी ऐलान किया। एचएमआईएल ने बताया कि उसने शहरी और ग्रामीण बाजारों में सीएनजी मॉडल की पहुंच में वृद्धि देखी है, इससे भविष्य में और वृद्धि की उम्मीद है। साथ ही एचएमआईएल के प्रतिनिधित्व ने बताया कि कंपनी द्वारा अपने सीएनजी सिस्टम में इकाई बिक्री में बड़ी उछाल देखी जा रही है। इसके साथ ही वह बताया कि वर्तमान में भारत में 7,000 से अधिक सीएनजी स्टेशन हैं और 2030 तक यह आंकड़ा लगभग 17,500 पर पहुंचाने का लक्ष्य है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि सीएनजी विकल्पों की मांग में सुरक्षित और उच्च माइलेज वाले वाहनों की पहचान हो रही है और कंपनी उसके म्यूफिचरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। आखिरकार, एचएमआईएल ने आंकड़े से दिखाया कि उनकी सीएनजी मॉडलों की पोपुलैरिटी बिक्री में दृष्टिगत बढ़ा रही है और वह ग्राहकों को उच्च डुओ क्वालिटी और सीएनजी पैठ की गारंटी देने के लिए तैयार है। 'हाई-सीएनजी डुओ' पेट्रोल और सीएनजी ईंधन विकल्पों के बीच तेज़ और निर्बाध बदलाव के लिए एक एकीकृत ईसीयू से भी लैस है। इस साल अक्टूबर में, एचएमआईएल ने घरेलू बिक्री में सीएनजी मॉडल की 8,261 इकाइयां बेची थीं, जिसमें इसकी कॉम्पैक्ट कार ग्रांड आई10 एनआईओएस में सीएनजी पहुंच 17.4 प्रतिशत, मिनी एसयूवी एक्सटर के लिए 39.7 प्रतिशत और कॉम्पैक्ट सेडान ऑरा के लिए 90.6 प्रतिशत थी। एचएमआईएल ने कहा कि उसने शहरी बाजारों में सीएनजी मॉडल की पहुंच वित्त वर्ष 2021-22 में 8.8 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 10.7 प्रतिशत और ग्रामीण बाजारों में वित्त वर्ष 2021-22 में 7.1 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 12.0 प्रतिशत हो गई है।

भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 25000 करोड़ के पार

- सीपीडी का निर्यात भी अक्टूबर माह में 11.32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने अक्टूबर माह में भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में 9.18 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इस बढ़ोतरी के फलस्वरूप निर्यात राशि 2,998.04 मिलियन अमरीकी डॉलर यानी 25,194.41 करोड़ रुपये हो गई है। जीजेईपीसी ने बताया कि कटे और पॉलिश किए गए हीरे की मांग में सुधार के कारण निर्यात में इस तरह की वृद्धि देखी गई है। सीपीडी (कट और पॉलिश्ड डायमंड) का भी निर्यात अक्टूबर माह में 11.32 प्रतिशत बढ़कर 1,403.59 मिलियन अमरीकी डॉलर (11,795.83 करोड़ रुपये) हो गया है, जो पिछले साल की रिकॉर्ड की तुलना में अधिक है। जीजेईपीसी के एक अे धिकारी ने इस वृद्धि को उद्योग के लिए एक स्वागत योग्य माना और उम्मीद जताई कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर भी आशावाद जताई है और उसके वादे के प्रति भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के नेतृत्व में व्यापार, व्यवसाय और आपूर्ति श्रृंखलाओं में पुनरुद्धार के समर्थन से रत्न और आभूषणों की वैश्विक मांग को बढ़ावा मिलेगा। इस सफलता के साथ भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग ने नए भागों में विस्तार के लिए कदम उठाने का निश्चय किया है।

संक्षिप्त समाचार

जापानी राजकुमारी युरिको का 101 वर्ष की आयु में निधन

टोक्यो, एजेंसी। जापानी शाही परिवार की सबसे बुजुर्ग सदस्य और सम्राट नारुहितो की परदादी राजकुमारी युरिको का शुक्रवार को टोक्यो के एक अस्पताल में 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इंपीरियल हाउसहोल्ड एजेंसी ने यह जानकारी दी है। समाचार एजेंसी क्योडो की रिपोर्ट के अनुसार, राजकुमारी युरिको की मृत्यु के बाद शाही परिवार में केवल 16 सदस्य बचे हैं, क्योंकि 1947 के इंपीरियल हाउस कानून के तहत महिला सदस्यों को एक आम व्यक्ति से शादी करने पर राजघराना छोड़ना पड़ता है। प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने राजकुमारी युरिको की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त की। इशिबा ने कहा, मैं इस क्षति के बारे में सुनकर दुखी हूं। मैं अन्य जापानी नागरिकों के साथ अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। जापान के पूर्व कुलीन वर्ग की सदस्य राजकुमारी युरिको को हल्के स्ट्रोक और एस्पिरेशन न्यूमोनाइटिस से पीड़ित होने के बाद मार्च में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान इस महीने की शुरुआत में मेडिकल जांच में पता चला कि उनके हृदय और गुर्दे पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं। साल 1923 में जन्मी राजकुमारी युरिको ने 1941 में 18 साल की उम्र में सम्राट हिरोहितो (मरणोपरांत सम्राट शोवा) के सबसे छोटे भाई राजकुमार मिकासा से विवाह किया। उसके बाद उन्होंने गाकुशुइन महिला अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनके पति का 2016 में 100 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। दंपति के पांच बच्चे थे, जिनमें से तीन बेटे और दो बेटियां थीं। उनके बेटों राजकुमार तोमोहितो, कत्सुरा और ताकामाडो की उनसे पहले ही मृत्यु हो चुकी है। राजकुमारी युरिको सार्वजनिक सेवा में काफी सक्रिय थीं और उन्होंने जापानी रेड क्रॉस सोसायटी के मानद उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह 1948 से 2010 तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली संस्था इंपीरियल गिफ्ट फाउंडेशन बोशी-ऐइकू-काई की अध्यक्ष भी रहीं।

94 साल से ऑस्ट्रेलिया में चल रहा है दुनिया का सबसे लंबा वैज्ञानिक प्रयोग, अब तक गिरी सिर्फ 9 बूंदें

क्रींसलैंड, एजेंसी। दुनिया भर में वैज्ञानिक प्रयोगों की एक लंबी सूची है, जिनका उद्देश्य नई खोज और अनुसंधान के जरिए मानवता के लिए कुछ नया करना है। इन प्रयोगों की अवधि आम तौर पर कुछ सालों तक होती है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा प्रयोग है, जो 94 साल से चल रहा है और इसे दुनिया का सबसे लंबा वैज्ञानिक प्रयोग माना जाता है। इस प्रयोग का नाम पिच ड्रॉप है और इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया है। इस प्रयोग की शुरुआत 1927 में क्रींसलैंड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर थॉमस पर्नेल ने की थी। हालांकि इस प्रयोग को तकनीकी रूप से 1930 से मान्यता मिली है, लेकिन इसकी शुरुआत 1927 में हुई थी। पर्नेल का उद्देश्य यह जानना था कि अत्यधिक चिपचिपे (गाढ़े) तरल पदार्थ जैसे पिच (जो कोलतार जैसा दिखता है) में समय के साथ कितना बदलाव आता है। इस प्रयोग में कोलतार की तरह लगने वाले पिच नाम के चिपचिपे तरल पदार्थ को एक फ्लास्क में रख दिया गया है। उसकी बूंदें नीचे गिरने के लिए छोड़ दी गई हैं। प्रयोग के तहत यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिर पिच की एक बूंद कितने साल बाद नीचे गिरती है। अब तक इस प्रयोग में कुल 9 बूंदें नीचे गिरी हैं। सबसे पहली बूंद 1938 में गिरी थी।

नेपाल में खाई में गिरा एसयूवी, आठ की मौत, पांच घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के दार्चुला जिले में शुक्रवार तड़के एक एसयूवी के खाई में गिर गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार शुक्रवार तड़के लगभग चार बजे एक वाहन हाईवे से नीचे 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। उसमें 13 लोग सवार थे। दार्चुला जिला पुलिस के प्रवक्ता छत्र बहादुर रावत ने कहा, यह वाहन तीर्थयात्रियों को ले जा रहा था, जो जिले के मल्लिकार्जुन मंदिर के दर्शन करने के बाद लौट रहे थे। उन्होंने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि घायलों में तीन की हालत गंभीर है। पर्वतीय देश होने के कारण नेपाल में अक्सर वाहन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। गत 13 अगस्त को तनहुन जिले में एक सड़क हादसे में 14 शव बरामद हुए थे। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की यूपी नंबर की बस संतुलन खोने के बाद नदी में जा गिरी थी। इस बस में 43 भारतीय यात्री सवार थे। यह बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी।

पाकिस्तान में ननकाना साहिब जा रहे हिंदू तीर्थयात्री की गोली मारकर हत्या, 4 लाख लूटे

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के ननकाना साहिब में प्रकाश पर्व में हिस्सा लेने जा रहे हिंदू तीर्थयात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय पुलिस के अनुसार समारोह में हिस्सा लेने जा रहे तीन पाकिस्तानी हिंदू तीर्थयात्रियों को लुटेरों ने घेर लिया, इन तीन लोगों में से एक की लुटेरों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। एजेंसी के मुताबिक सिंध प्रांत के लरकाना शहर के मूल निवासी राजेश कुमार अपने दोस्त और एक रिश्तेदार के साथ कार से लाहौर से ननकाना साहिब जा रहे थे, तभी लाहौर से लगभग 60 किलोमीटर दूर मानांवाला-ननकाना साहिब रोड पर तीन लुटेरों ने उनका रास्ता रोक लिया।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में कश्मीर मुद्दे को लेकर विवादित बहस, पाकिस्तानियों को भारतीय छात्रों ने दिया करारा जवाब

ऑक्सफोर्ड, एजेंसी। हम आपको बता दें कि विदेशों में पाकिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले प्रोफेसर जफर खान के संबोधन को पाकिस्तानी मीडिया में खूब तवज्जो मिली है। प्रोफेसर जफर खान ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत की सरकार, सेना और मीडिया पर तमाम तरह के आरोप लगाये।

पाकिस्तान विभिन्न मंचों पर कश्मीर को लेकर दुष्प्रचार अभियान चलाता रहता है लेकिन भारत और भारतीय हर मंच पर पाकिस्तान को करारा जवाब देते हैं। ताजा मामला लंदन से सामने आया है जहां भारतीय छात्रों के एक समूह ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी में कश्मीर पर आयोजित एक बहस के विरोध में नारे लगाए और तख्तियां दिखाईं। विरोध प्रदर्शनों के दौरान 'भारत माता की जय' और 'ऑक्सफोर्ड यूनियन आतंकवाद के साथ खड़ा है' के नारे लगाए गए। हम आपको बता दें कि इस बहस में आतंकवाद से जुड़ाव रखने वाले वक्ताओं को मंच दिया गया। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार शाम को 'कश्मीर को एक स्वतंत्र प्रदेश के रूप में देखने' संबंधी एक प्रस्ताव के पक्ष में बोलते हुए जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) से जुड़े जफर खान और 'वर्ल्ड कश्मीर फ्रीडम मूवमेंट' से जुड़े मुजम्मिल अयूब ठाकुर ने भी भाषण दिया। हम आपको याद दिला दें कि इस साल मार्च में भारत ने आतंकवाद के आरोपी यासीन मलिक की अगुआई वाले जेकेएलएफ पर

प्रतिबंध को अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया था।

हम आपको बता दें कि विदेशों में पाकिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले प्रोफेसर जफर खान के संबोधन को पाकिस्तानी मीडिया में खूब तवज्जो मिली है। प्रोफेसर जफर खान ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत की सरकार, सेना और मीडिया पर तमाम तरह के आरोप लगाये। पाकिस्तानी मीडिया ने तो यहां तक दावा किया है कि इस सत्र के दौरान कई भारतीय छात्र भी शामिल थे जिन्होंने इस प्रस्ताव का समर्थन किया कि जम्मू-कश्मीर मुद्दे का हल निकालने के लिए उसे स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

दूसरी ओर, कार्यक्रम के दौरान के जो वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हैं उसमें साफ देखा जा सकता है कि भारतीय छात्रों ने इस दौरान जमकर विरोध जताया। इंडियन ऑक्सफोर्ड यूनियन के सदस्य आदर्श मिश्रा ने बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा, ''जेकेएलएफ एक आतंकी संगठन है।'' सामुदायिक संगठन 'इनसाइट यूके' द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार, आदर्श मिश्रा को यह कहते हुए सुना जा सकता है ''मुझे इस मंच पर भरोसा नहीं है और मैंने (ऑक्सफोर्ड यूनियन के) अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है।'' आदर्श मिश्रा ने कहा कि जफर खान और मुजम्मिल अयूब ठाकुर ''(पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी) आईएसआई और पाकिस्तान के लिए कठपुतली के तौर पर काम कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि 'इनसाइट यूके' विश्वविद्यालय में भारतीय छात्रों के नेतृत्व में प्रदर्शन का समर्थन करने वाले समूहों में से एक है।

इस बहस के खिलाफ भारतीय प्रवासी संगठनों ने रैली निकाली, जिसमें ऑक्सफोर्ड हिंदू सोसाइटी भी शामिल थी। हम आपको बता दें कि ऑक्सफोर्ड यूनियन को कार्यक्रम रद्द करने के लिए एक औपचारिक पत्र भी जारी किया गया था। ऑक्सफोर्ड हिंदू सोसाइटी के पत्र में कहा गया था कि यह ध्यान देने योग्य है कि ये दोनों वक्ता हिंदू विरोधी घृणा फैलाने में शामिल रहे हैं और ऐसे संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जिनका ब्रिटेन के साथ-साथ भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणा फैलाने से संबंध है। पत्र में कहा गया था कि हिंदू छात्र इस बात से भयभीत और निराश महसूस कर रहे हैं कि ऑक्सफोर्ड यूनियन ने जेकेएलएफ से जुड़े व्यक्ति को आमंत्रित किया है-जिसका हिंदुओं पर हमला करने का रिकॉर्ड है।

'इनसाइट यूके' द्वारा ऑक्सफोर्ड यूनियन को लिखे गए पत्र में कहा गया था कि कश्मीर क्षेत्र दशकों से आतंकवाद का निशाना रहा है, जिसके कारण हजारों कश्मीरी हिंदुओं को जबरन पलायन करना पड़ा और अनगिनत पीड़ाएं झेलनी पड़ीं। पत्र में कहा गया है कि कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का अभिन्न अंग माना जाता है और इस पर सवाल उठाने वाली कोई भी बहस भारत की संप्रभुता के लिए चुनौती है। हम आपको बता दें कि ऑक्सफोर्ड यूनियन की स्थापना 1823 में हुई थी। विभिन्न विषयों पर यहां जोरदार बहस होती रही है।

इंटरनेशल स्पेस स्टेशन में आ गईं दरारें, 50 जगह लीकेज, सुनीता विलियम्स को बड़ा खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) को लेकर नासा भी टेंशन में आ गया है। आईएसएस में पिछले पांच साल से हल्का लीकेज जारी था। हालांकि अब पता चला है कि कम से कम 50 जगहों पर लीकेज की समस्या है। इसके अलावा आईएसएस में दरारें भी आ रही हैं। नाआस की एक जांच रिपोर्ट लीक हो गई जिसमें पता चला कि आईएसएस पर खतरा मंडरा रहा है। साथ ही सुनीता विलियम्स समेत यहां के अंतरिक्षयात्रियों की भी जान पर बनी हुई है। रूस ने पृथ्वी की कक्षा में घूमते लैब में माइक्रो वाइब्रेशन का भी दावा किया है। नासा का कहना है कि स्पेस स्टेशन से बड़ी मात्रा में हवा निकल रही है जो कि खतरे की घंटी है। हालांकि यहां लोगों की जान बचाने और इसका कोई समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक आईएसएस में पिछले पांच साल से लीकेज की समस्या है सबसे पहले लीकेज स्पेस स्टेशन में मौजूद यवेज्दा मॉड्यूल से शुरू हुई थी जो कि डॉकिंग पोर्ट तक जाने के लिए एक सुरंग है। इस हिस्सा का कंट्रोल रूस के हाथ में है। हालांकि इस समस्या को लेकर असली वजह क्या है, इसपर नासा और रूसी एजेंसी रोसकोमॉस के बीच अभी सहमति नहीं बन पाई है।सीएनएन के मुताबिक नासा के अंतरिक्षयात्री बॉब कैबाना ने कहा कि स्पेस एजेंसी ने इस लीकेज को लेकर चिंता जाहिर की है। कैबाना ने कहा कि लीकेज को रोकने के लिए ऑपरेशन चलाना कुछ समय के लिए राहत दिला सकता है लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। अमेरिका का कहना है कि यह सुरक्षित नहीं है। सबसे पहले 2019 में लीकेज का पता चला था। इसके बाद अप्रैल 2024 से रोज 1.7 किलो की दर से हवा लीक होने लगी। आम तौर पर आईएसएस में सात से 10 अंतरिक्षयात्री रहते हैं।

ट्रंप ने स्टीवन चेउंग को व्हाइट हाउस संचार निदेशक नियुक्त किया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने मीडिया सलाहकार और मुख्य प्रवक्ता रहे स्टीवन चेउंग को व्हाइट हाउस का संचार प्रमुख नियुक्त किया है। ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि चेउंग राष्ट्रपति के सहायक और संचार निदेशक के रूप में व्हाइट हाउस में वापस लौटेंगे। उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति के विशेष सहायक और स्ट्रैटेजिक रिस्पॉन्स इन चार्ज के रूप में कार्य किया था। उनका उस समय कार्य आने वाली चुनौतियों से निपटना और आगामी मुद्दों पर प्रतिक्रिया की योजना बनाना था। ट्रंप के चुनाव अभियान में चेउंग ने महत्वपूर्ण निभाई थी। उनके तीखे बयान काफी चर्चा में रहे थे। उस समय उन्होंने ट्रंप की जगह मीडिया को सीधे संबोधित किया था। यह मैनहट्टन अदालत में चुप रहने के लिए धन देने के मामले में उनके मुकदमे के दौरान किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह ट्रंप अभियान के प्रबंधकों में शामिल थे। इनमें सुजैन विल्स (अब ट्रंप के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नियुक्त) और क्रिस लैसिविटा शामिल हैं। रिपब्लिकन्स के विभिन्न चुनाव अभियानों के लिए वो काम कर चुके हैं। चेउंग अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप के संचार निदेशक भी रहे हैं। चेउंग 2016 में रिपब्लिकन नामांकन के लिए ट्रंप के अभियान में रैपिड रिस्पांस निदेशक के रूप में शामिल हुए थे। इसके बाद वह ट्रंप के साथ राष्ट्रपति अभियान से जुड़े रहे फिर व्हाइट हाउस चले गए थे।

ट्रम्प ने 27 साल की कैरोलिन को प्रेस सेक्रेटरी बनाया

पद संभालने वाली सबसे युवा ; ट्रम्प के कैंपेन में नेशनल प्रेस सेक्रेटरी थीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। शनिवार को उन्होंने 27 साल की कैरोलिन लेविट को व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी पद के लिए चुना। कैरोलिन यह पद संभालने वाली सबसे युवा सेक्रेटरी होंगी। इससे पहले 1969 में प्रेसिडेंट रिचर्ड निक्सन ने 29 साल के रोनाल्ड जिग्लर को प्रेस सेक्रेटरी बनाया था। कैरोलिन हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प के कैंपेन की नेशनल प्रेस सेक्रेटरी भी थीं। इसके अलावा उन्होंने ट्रम्प के पिछले कार्यकाल (2017-21) में असिस्टेंट प्रेस सेक्रेटरी का पद भी संभाला था। कैरोलिन के नाम का ऐलान करते हुए ट्रम्प ने कहा- कैरोलीन लेविट ने मेरे ऐतिहासिक कैंपेन में बहुत अच्छा काम किया। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि वे व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में मेरे साथ काम करेंगी। कैरोलिन एक स्मार्ट और प्रभावी कम्यूनिकेटर साबित हुई हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि वे अमेरिकी लोगों तक हमारा संदेश पहुंचाने में मदद करेंगी, क्योंकि हम अमेरिका को फिर से महान बनाने जा रहे हैं।

कौन है कैरोलिन लेविट : कैरोलिन लेविट अमेरिका के न्यू हैम्पशायर की रहने वाली हैं। वे व्हाइट हाउस में इंटर्नशिप कर चुकी हैं। ट्रम्प के 2020 राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद लेविट रिपब्लिन पॉलिटिशियन एलिस स्टेफनिक के लिए कम्युनिकेशन डायरेक्टर बन थी। एलिस को ट्रम्प ने अब यूएन में अपने प्रतिनिधित्व के लिए चुना है।

2022 में लेविट ने न्यू हैम्पशायर से हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव

(अमेरिकी संसद के निचले सदन) के लिए चुनाव लड़ा। हालांकि जनरल इलेक्शन में डेमोक्रेटिक पार्टी के क्रिस पप्पास से उन्हें हार मिली। इसके बाद वे ट्रम्प के इस साल के राष्ट्रपति चुनाव के कैंपेन का हिस्सा बनीं। फिलहाल कैरोलिन लेविट राष्ट्रपति ट्रम्प की ट्रांजिशन टीम की चीफ स्पोक्सपर्सन हैं।

क्या करता है व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी : व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी अमेरिकी लोगों को राष्ट्रपति की गतिविधियों के बारे में जानकारी देता है। इस दौरान प्रेस सेक्रेटरी को जरूरी जानकारी देकर मीडिया का भरोसा जीतना होता है। साथ ही राष्ट्रपति से वफादारी भी बनाए रखनी होती है।

पिछले कार्यकाल के दौरान ट्रम्प के पास थे 4 प्रेस सेक्रेटरी : डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान चार लोगों ने व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी का पद संभाला था। सबसे पहली सीन स्पाइसर को छह महीने बाद ही पद से हटा दिया गया था। उन्होंने 2017 में ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह को सबसे ज्यादा देखे जाने का झूठा दावा किया था। इसके बाद साराह सैंडर्स ने पद संभाला। ट्रम्प ने उनके काम की काफी तारीफ भी की। स्टेफनी ग्रिशम तीसरी प्रेस सेक्रेटरी बनी, जिन्होंने ट्रम्प के कहने पर कभी प्रेस ब्रीफिंग नहीं की। 6 जनवरी 2021 को ट्रम्प समर्थकों के व्हाइट हाउस घेराव के बाद ग्रिसम ने पद छोड़ दिया था। अब ग्रिशम ट्रम्प विरोधी हैं। कैली मैकनेनी ट्रम्प कार्यकाल में व्हाइट हाउस की आखिरी प्रेस सेक्रेटरी रही।

श्रीलंका संसदीय चुनाव- राष्ट्रपति दिसानायके के गठबंधन की जीत

141 सीटों पर जीत हासिल की, 61 प्रतिशत वोट मिले, बहुमत के लिए 113 सीटें चाहिए थीं

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन एनपीपी की जीत हुई है। सभी सीटों के नतीजों सामने आ चुके हैं। एनपीपी ने जिलों के आधार पर तय होने वाली 196 सीटों में से 141 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। नतीजों के मुताबिक एनपीपी को 61 प्रतिशत यानी 68 लाख वोट मिले हैं। दूसरे स्थान पर 18 प्रतिशत वोट और 35 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी एसजेबी पार्टी मौजूद है। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के समर्थन वाले नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को 5 प्रतिशत वोट और 3 सीटें ही मिली हैं। वहीं श्रीलंका की राजनीति में दबदबा रखने वाले राजपक्षे परिवार की श्रीलंका पीपल्स फ्रंट पार्टी 2 सीटों के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। इसके साथ ही 29 सीटों को सभी पार्टियों के बीच वोटिंग प्रतिशत के आधार पर बांट दिया गया है।

तमिल जिले जाफना में एनपीपी की जीत : एनपीपी ने तमिल जिले जाफना में भी जीत हासिल की है। यहां एनपीपी को 6 में 3 सीटों पर जीत मिली है। एनपीपी की जीत से पारंपरिक तमिल दलों को बड़ा झटका

लगा है। राष्ट्रपति दिसानायके को संसद में मिले बहुमत के बाद उनकी ताकत में इजाफा हुआ है। दरअसल संसद से मंजूरी मिलने के बाद ही राष्ट्रपति दिसानायके सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों को लागू कर सकते हैं। इस साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दिसानायके ने संसद को भंग कर दिया था। इसके बाद संसदीय चुनाव का ऐलान किया गया था। श्रीलंका में आखिरी बार अगस्त 2020 में संसदीय चुनाव हुए थे। पिछली बार दिसानायके की पार्टी को सिर्फ 3 सीटें मिली थी। 2020 में हुए चुनावों के नतीजे इस प्रकार थे।

दिसानायके ने कार्यकारी राष्ट्रपति की शक्ति कम करने का वादा किया : अलजजीरा के मुताबिक राष्ट्रपति दिसानायके का मानना है कि देश की शक्ति काफी हद तक 'कार्यकारी राष्ट्रपति' के अधीन है। वे इस पावर को कम करने का वादा लेकर चुनाव में उतरे थे, लेकिन उन्हें संविधान में बदलाव की जरूरत होगी। उन्हें इसके लिए दो-तिहाई सीटें चाहिए। दिसानायके ने संसदीय चुनाव में जनता से इतनी सीटें जिताने की अपील की थी। श्रीलंका में कार्यकारी राष्ट्रपति पद पहली बार 1978 में अस्तित्व में आया था। इसके बाद से ही इसकी आलोचना होती रही है, लेकिन सत्ता में आने के बाद अब तक किसी भी दल ने इसकी ताकत को खत्म करने की कोशिश नहीं की है। दिसानायके ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और रानिल विक्रमसिंघे के दौर में आईएमएफ के साथ हुई डील में सुधार करने का वादा किया है।

बाकू जलवायु शिखर सम्मेलन में 132 देशों ने सैन्य अभियान रोकने की अपील की

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान के बाकू में चल रहे 2024 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप 29) में शांति, राहत और पुनर्प्राप्ति दिवस पर, प्रेसीडेंसी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत सहित 132 देश सीओपी ट्रूस अपील में शामिल हो गए हैं। सीओपी ट्रूस (युद्धविराम) एक ऐसी पहल है जिसको एक हजार से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों, नागरिक समाज संगठनों और प्रभावशाली सार्वजनिक हस्तियों का भी समर्थन हासिल है। सीओपी ट्रूस में युद्ध हिंसा में शामिल देशों से सम्मेलन के महीने में सैन्य अभियान रोकने का आग्रह किया गया है। ओलंपिक ट्रूस से प्रेरित यह अपील, कॉप 29 प्रेसीडेंसी की एक बड़ी पहल है, जिसे शांति, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

सीओपी युद्ध विराम संधि की प्रेरणा ओलंपिक ट्रूस से ली गई है, जिसे 1990 के दशक के आरंभ से अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा फिर से चालू किया गया है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित एक संकल्प के आधार पर, ओलंपिक ट्रूस राष्ट्रों से ओलंपिक खेलों के दौरान शत्रुता को निलंबित करने का आह्वान करता है। जलवायु संकट में एकता की समान आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, कॉप 29 प्रेसीडेंसी ने इसे सीओपी (कॉप) ट्रूस पहल बनाने के लिए अपनाया है। जिसमें सम्मेलन के महीने के दौरान सैन्य अभियानों को रोकने की अपील की गई है। कॉप ट्रूस अवधि को नवंबर तक के लिए प्रस्तावित किया गया है,जो कि कॉप 29 की अवधि है। युद्ध विराम की यह समय सीमा जलवायु कार्रवाई एजेंडे के लक्ष्यों के समान है। जो शांति और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच संबंध को रेखांकित करती है, जिससे जलवायु पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। कॉप ट्रूस के दो मुख्य उद्देश्य हैं। पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और जलवायु परिवर्तन के सामने एकता को बढ़ावा देना। वैश्विक सैन्य गतिविधियों और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के बीच महत्वपूर्ण संबंध है। अनुमान है कि वार्षिक वैश्विक उत्सर्जन में इनका योगदान 5.5 प्रतिशत है। यह आंकड़ा विमानन और शिपिंग क्षेत्रों के संयुक्त उत्सर्जन से भी अधिक है। युद्ध के विनाशकारी पर्यावरणीय प्रभाव, पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश से लेकर मिट्टी, जल और वायु के प्रदूषण तक, जलवायु संकट को बदतर बनाने में योगदान करते हैं और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के प्रयासों में बाधा डालते हैं।

अमेरिका में नौकरी पर आएगा भारी संकट, पद संभालने से पहले रामास्वामी का बड़ा संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बड़े पैमाने पर नौकरशाहों की नौकरी जाने वाली है. उद्यमी से राजनेता बने भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने इसके संकेत दिए हैं. उन्होंने सांकेतिक रूप से कहा कि एलन मस्क नौकरियों से छंटना में छेनी (तराशने वाला औजार) का नहीं बल्कि चेनसॉ (काटने वाली बड़ी मशीन) का इस्तेमाल करते हैं. यही नहीं उन्होंने ये भी कहा कि नौकरशाहों की अधिक संख्या अच्छा नहीं है. इससे सरकार पर आर्थिक बोझ के साथ-साथ इनोवेशन पर भी असर पड़ता है.

विवेक रामास्वामी और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को महान राष्ट्र बनाने के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. रामास्वामी ने गुरुवार को फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि वह और एलन मस्क लाखों संघीय नौकरशाहों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करने की स्थिति में हैं. इसी तरह वह इस देश को बचाएंगे. रामास्वामी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि आप एलन को जानते हैं या नहीं, लेकिन वह छेनी (तराशने वाला औजार) नहीं लाते हैं. वह चेनसॉ (काटने वाली बड़ी मशीन) लाते हैं. हम इसे नौकरशाही के पास ले जा रहे हैं. यह बहुत मजेदार होने वाला है.

उन्होंने आगे कहा कि हमे पिछले चार सालों में यह विश्वास करना सिखाया गया है कि हम एक पतनशील राष्ट्र बन गए हैं. हम प्राचीन रोमन साम्राज्य के अंत में हैं. मुझे नहीं लगता कि हमें उस पतनशील राष्ट्र के रूप में रहना चाहिए. मुझे लगता है कि पिछले हफ्ते जो कुछ हुआ उसके साथ हम फिर से एक उत्थानशील राष्ट्र बन गए

हैं. एक ऐसा राष्ट्र जिसके सबसे अच्छे दिन अभी भी हमारे सामने है. रामास्वामी ने कहा, अमेरिका में सुबह होने जा रही है. एक नए सवेरे की शुरुआत होगी. एक ऐसे देश की शुरुआत होगी जहां हमारे बच्चे बड़े होंगे और हम उन्हें बताएंगे और यह बात सच साबित होगी कि आप अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ अमेरिका में फिर से आगे बढ़ेंगे. आप हर कदम पर अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र होंगे और सबसे अच्छे व्यक्ति को नौकरी मिलेगी चाहे उसका रंग कुछ भी हो. इस बीच मस्क और रामास्वामी ने घोषणा की कि वे सरकारी दक्षता विभाग के कार्यों की प्रगति पर अमेरिकी जनता को अपडेट करने के लिए हर हफ्ते लाइवस्ट्रीम करेंगे. रामास्वामी ने कहा, हमारा लक्ष्य सरकार के आकार को छोटा करना और जनता के साथ यथासंभव पारदर्शी होना है. साप्ताहिक डॉगकास्ट जल्द ही शुरू होंगे. सरकारी दक्षता विभाग का काम सिस्टम में सुधार करना है जिससे देश महान बन सके. इसे ऐसा विभाग बनाना है जिसपर ट्रंप सरकार को गर्व हो. एलन मस्क और मैं राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हमें दिए गए जनादेश को पूरा करने के लिए तत्पर हैं. रामास्वामी ने कहा कि नौकरशाहों की अधिक संख्या का अर्थ कम इनोवेशन और अधिक खर्च है. उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए), परमाणु विनियामक आयोग (एनआरसी) और अनगिनत अन्य 3-अक्षर एजेंसियों के साथ एक वास्तविक समस्या है. उन्होंने आगे कहा, वे इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं कि कैसे उनके दैनिक निर्णय नए आविष्कारों को रोकते हैं और लागत लगाते हैं जो विकास को रोकते हैं. हम देश में सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को इकट्ठा कर रहे हैं. रामास्वामी ने बड़ी बात कही कि उन्हें लगता है कि देश को पीछे धकेलने वाली मुख्य समस्या संघीय नौकरशाही है. उस लागत को लक्षित करें, पैसे बचाएं, स्वशासन को बहाल करें.

विजय की आखिरी फिल्म दलपति 69 में शामिल होंगे शिवा राजकुमार? निभाएंगे दिलचस्प किरदार

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार अपनी फिल्म भैरथी रानागल का सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। अब इस फिल्म के प्रचार के दौरान हाल ही में अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्हें साउथ सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म दलपति 69 में एक भूमिका की पेशकश की गई है।

विजय की फिल्म में मिली भूमिका

शिवा ने तमिल सिनेमा में जेलर और कैप्टन मिलर में अपने कैमियो के जरिए पहचान बनाई। वह राम चरण के साथ आने वाली तेलुगु फिल्म में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। प्रचार के दौरान शिवा राजकुमार ने दलपति 69 में मिली भूमिका के प्रस्ताव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, विजय की फिल्म में उन्होंने मुझसे एक खूबसूरत किरदार निभाने के लिए कहा है और यह दिलचस्प लग रहा है। मुझे नहीं पता कि यह कब और कैसे होगा, क्योंकि मेरे पास अभी भी समय है।

शिवा ने की विजय की तारीफ

उन्होंने इस संभावना पर भी बात की कि यह वास्तव में विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है। उन्होंने कहा, वह कह रहे हैं कि यह विजय की आखिरी फिल्म होगी। मुझे लगता है कि विजय जैसे कलाकार को यह नहीं कहना चाहिए कि यह उनकी आखिरी फिल्म है। व्यक्तिगत रूप से एक दोस्त और शुभचिंतक के रूप में मुझे लगता है कि विजय एक शानदार अभिनेता और अच्छे इंसान हैं, जिन्हें फिल्मों और राजनीति दोनों की गहरी समझ है।

फिल्म में काम करेंगे शिवा?

उन्होंने आगे कहा, उनकी महत्वाकांक्षा शानदार है और मैं इसके लिए उनका सम्मान करता हूं। शिवा ने अपनी रुचि व्यक्त करते हुए कहा कि दलपति 69 में काम करने का अवसर प्राप्त करना पसंद करेंगे। एच. विनोत द्वारा निर्देशित दलपति 69, विजय की राजनीति में पूरी तरह से उतरने से पहले की आखिरी फिल्म होगी। अक्तूबर 2025 में रिलीज होने वाली इस फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस ने किया है, जो तमिल सिनेमा में उनकी शुरुआत है। कथित तौर पर कहानी में विजय को लोकतंत्र के पथ प्रदर्शक के रूप में दिखाया गया है, जो तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) राजनीतिक पार्टी की स्थापना सहित उनके हालिया राजनीतिक घटनाओं से मेल खाता है।

दलपति 69 के कलाकार

दलपति 69 फिल्म में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियमणि और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है, जो विजय के साथ अपने सफल सहयोग के लिए जाने जाते हैं, जिससे साउंडट्रैक के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं।

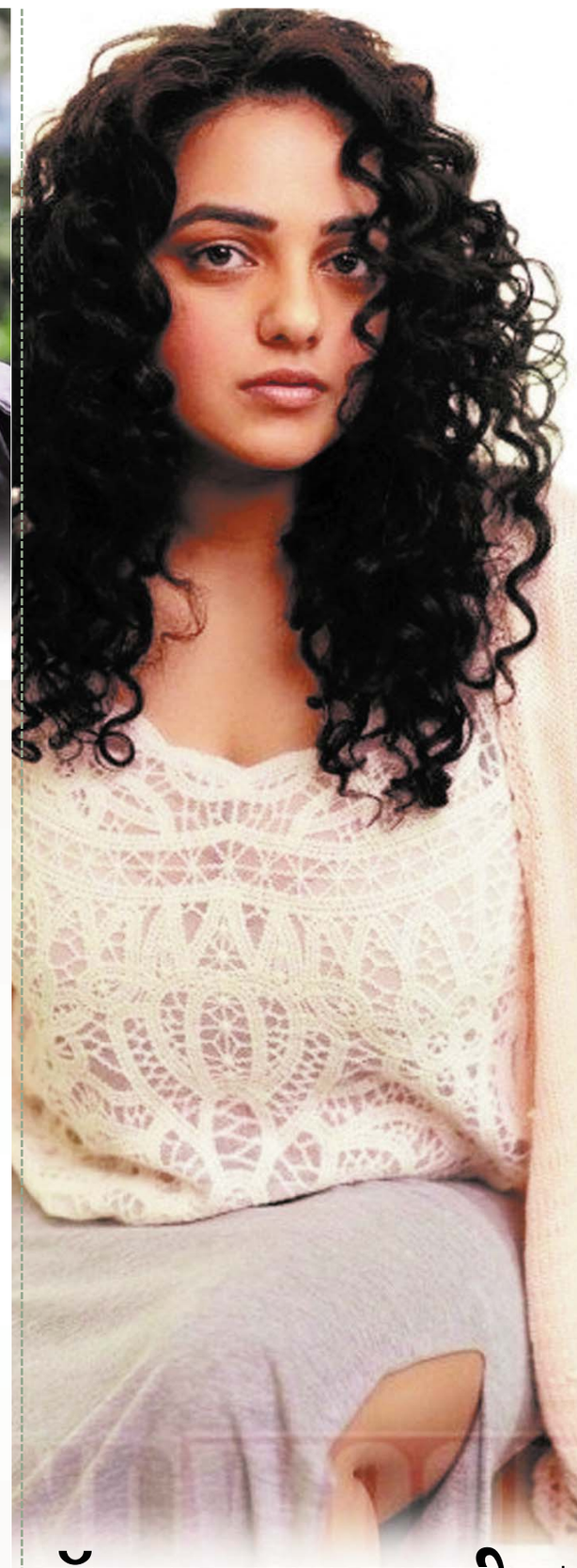

मैंने बॉडी और कर्ली बालों को लेकर बहुत कुछ सुना

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस नित्या मेनन को हिंदी दर्शकों ने मिशन मंगल में एक प्यारी-सी भूमिका में देखा था। नित्या कन्नड़, मलयालम, तेलुगू जैसी सभी भाषाओं की फिल्मों में काम करके कई पुरस्कार हासिल कर चुकी हैं, मगर हाल ही में जब उन्हें अपनी साउथ मूवी थिरुचित्रम्बलम के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला, तो निसंदेह वह उनके करियर के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ।

जिस दिन आपके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा हुई, कैसा महसूस हुआ?

जिस दिन नेशनल अवॉर्ड की घोषणा हुई थी, वो दिन बहुत यूनिक और खास था। असल में सालों काम करते हुए हम उसमें रम जाते हैं और हमें लगता है कि इतने साल बाद हमें शायद कुछ नया अनुभव नहीं होगा। लेकिन उस दिन सब कुछ नया था। मैंने अपने भीतर काफी नए इमोशन फील किए। मैं कई फिल्में कर चुकी हूं और मुझे कई अवॉर्ड्स भी मिलें हैं, मगर जब राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, तो लगा कि हां, अब हो गया। कहीं पहुंच गई हूं। सच कहूं, तो मैंने अपनी एनर्जी इस बात पर कभी नहीं लगाई कि मुझे अवॉर्ड मिले।

आप तो पत्रकार बनना चाहती थीं, फिर अभिनेत्री कैसे बन गईं?

हां, मैं मास मीडिया कर रही थी। मेरी एक बहुत करीबी दोस्त है नंदिनी, रेड्डी वो फिल्म मेकर है। वही मुझे इस क्षेत्र में लाई। उसने मुझसे कहा कि सिर्फ दो महीने के लिए एक फिल्म (अला मोडलऐंडी) में काम कर लो। फिर जो चाहो करो। वो तो पूरा साल भर फिल्म शूट करती रही। मगर ट्विस्ट ये था कि फिल्म रिलीज हुई और इतनी बड़ी हिट साबित हुई कि मैं लौट कर जर्नलिज्म के क्षेत्र में जा ही नहीं पाई। अब पीछे मुड़ कर देखती हूं, तो लगता है कि ये भगवान की ही प्लानिंग थी मेरे लिए।

अपनी फिजिकैलिटी के लिए आपको कभी बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा है?

जब आप उनके पैमाने में एक खास साइज में फिट नहीं बैठते, तब आपको तो सुनना ही पड़ता है। मेरी बॉडी के बारे में जब बात की जाती थी, तब मुझे लगता था कि ये लोग ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे शरीर के अलावा मेरा और कोई वजूद ही न हो, तो क्या मैं सिर्फ बॉडी हूं? कृपया मुझे सिर्फ बदन तक सीमित मत रखो। फिर मैंने बहुत सोचा। मुझे लगा कि मुझे हीन भावना से ग्रसित नहीं होना है। मेरी जो क्रिएटिविटी है, मेहनत है, मेरे व्यक्तित्व के जो अन्य पहलू हैं, आप उन पर बात कर सकते हैं। मेरी बॉडी ही नहीं, मेरे कर्ली बालों को लेकर भी बहुत कुछ कहा जाता था कि ये इतने घुंघराले क्यों हैं? इन्हें स्ट्रेट करो। आईब्रोज इतने मोटे क्यों हैं, पतले करो। अब देखती हूं, तो लोग पैसे देकर अपने बाल कर्ल करवाते हैं।

सोशल मीडिया आज के दौर में बहुत जरूरी हो गया है, मगर ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं आप?

उसे तो हैंडल करना ही पड़ता है। अपने सोशल मीडिया पर हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। आम तौर पर हमें पॉजिटिव कमेंट ही मिलते हैं, मगर कभी एकाध नेगेटिव कमेंट हो, तो फिर वो दिल को लग जाता है। मेरी एक दोस्त है, वो कहती है, नकारात्मक कमेंट को निकाल और बाकी के हजारों कमेंट्स को देखो और खुश हो जाओ। मैं वही तरीका अपनाती हूं।

पैप कल्चर के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

कई बार ये ज्यादा हो जाता है। यानी लगता है कि संवेदनशीलता नहीं बची। किसी के घर में मौत हो गई है, मगर इन्हें फोटोज निकालने ही हैं, ऐसे समय में लगता है कि मानवता शून्य हो गई है और पैसा जरूरी। जब सेलेब्स मुश्किल से गुजर रहे हो, तो समझना जरूरी है कि वो भी इंसान हैं और उन्हें कैसा महसूस हो रहा होगा।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी ने शुरू की धड़क 2 की शूटिंग

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी वर्तमान में अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा धड़क 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म 2018 की हिट धड़क की बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसमें जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर ने डेब्यू किया था। मूल फिल्म समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी। प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि नई स्टार कास्ट और कहानी के साथ सीक्वल कैसा होगा।

फिल्म की शूटिंग का शुभारंभ

तृप्ति और सिद्धांत ने शूटिंग शुरू कर दी है। सेट से एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। दोनों की तस्वीर महाराष्ट्र के सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय में खींची गई थी। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर में दोनों कलाकार कॉलेज का कोई सीन फिल्माते हुए दिखाई दे रहे हैं और बातचीत के दौरान सीढ़ियां चढ़ते भी दिखाई दे रहे हैं। तृप्ति प्रिंटेड टॉप और जींस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं सिद्धांत का लुक काफी अव्यवस्थित था।

फिल्म के कलाकार और टीम

तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनीत धड़क 2, 2018 की तमिल भाषा की फिल्म परियेरम पेरूमल की रीमेक है। फिल्म समाज में प्रचलित जाति-आधारित भेदभाव के विषय पर आधारित है धड़क 2 को करण जौहर, उमेश केआर बंसल, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता, मीनू अरोड़ा और सोमेन मिश्रा निर्मित कर रहे हैं। इस साल मई में करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धड़क के सीक्वल की पुष्टि की थी और धड़क 2 की रिलीज की घोषणा की थी। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। करण जौहर ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, यह कहानी है थोड़ा अलग सा एक था राजा, एक थी रानीङ्क जात अलग थीज्खतम कहानी। पेश है सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत धड़क 2। निर्देशन शाजिया इकबाल ने किया। धड़क 2, 22 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में आएगी। हालांकि, अब तक, रिलीज को अगले साल के लिए टाल दिया गया है। निर्माताओं की नजर फिल्म को फरवरी में किसी समय रिलीज करने पर है।

डॉक्टर बनना चाहती थीं श्रीलीला

साल 2024 की बहुचर्चित फिल्मों में से एक अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा- द रूल' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। मूवी की रिलीज का काउंट डाउन शुरू हो गया है। फिल्म में एक आइटम सॉन्ग की पिछले दिनों काफी चर्चा रही, जिसके लिए कई एक्ट्रेस के नाम सामने आए थे। इसमें श्रद्धा कपूर और तृप्ति डिमरी जैसी एक्ट्रेस के नाम सुर्खियों में रहे लेकिन, बीते दिन ही साफ हो गया कि इस आइटम नंबर दोनों एक्ट्रेस ही नहीं कर रही हैं बल्कि इसके लिए साउथ की ब्यूटी क्वीन श्रीलीला का नाम फाइनल किया गया है। इससे उनका फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर ऑफिशियल ऐलान भी कर दिया गया है। ऐसे में चलिए बताते हैं उनके बारे में। श्रीलीला बचपन से ही पढ़ाई में होनहार थीं साथ ही डांसिंग में भी काफी मन लगता था। ऐसे में फिल्मों में करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। साल 2017 में तेलुगू फिल्म 'चित्रांगदा' में बाल कलाकार के तौर पर दिखी थीं। फिल्मों से उनका रिश्ता 5 साल पुराना है। बतौर लीड वो पहली बार फिल्म 'किस' में नजर आई थीं। इसमें उनके काम की काफी तारीफ की गई थी। इसे साल 2019 में रिलीज किया गया था और उनकी ये कन्नड़ फिल्म थी।

मासूम 2 में शबाना आजमी और नसीरुद्दीन शाह के साथ नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

निर्देशक शेखर कपूर ने हाल ही में अपनी फिल्म मासूम के सीक्वल की घोषणा की है। यह फिल्म 1983 में पहली बार आई थी। फिल्म सीक्वल मासूम 2 में शबाना आजमी और नसीरुद्दीन शाह वापसी करने वाले हैं। इसमें उनके साथ अभिनेता मनोज बाजपेयी भी होंगे। नई दिल्ली में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के लिए यह खबर साझा की। इस दौरान निर्देशक शेखर कपूर ने कहा, अगले साल 2025 में फरवरी-मार्च में हम फिल्म मासूम 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। निर्देशक ने कहा, स्क्रिप्ट तैयार है। वास्तव में, मैं कल दुबई से उड़ान भर रहा था और मैंने अपनी सीट पर स्क्रिप्ट छोड़ दी। उन्होंने बताया कि कैसे स्क्रिप्ट, जो लगभग खो गई थी, को एक फ्लाइट अटेंडेंट ने एक भावपूर्ण नोट के साथ लौटाया, जिसमें उन्हें भारतीय सिनेमा में फिल्म के विशेष स्थान की याद दिलाई गई। निर्देशक शेखर कपूर ने कहा, वे चाहते हैं कि सीक्वल फिल्म से पहले मासूम फिल्म का पहला हिस्सा फिर से थिएटर पर रिलीज किया जाए। खबरों के मुताबिक शेखर कपूर आज के दर्शकों के हिसाब से फिल्म के थीम को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मासूम की पुनर्कल्पना मूल फिल्म की स्थायी विरासत के लिए एक सम्मान है, जिसमें आज के समय के सामाजिक मुद्दों को दिखाया जाएगा। हालांकि, फिल्म के बारे में ज्यादा विवरण गुप्त रखे गई हैं।

बेबी जॉन से लेकर भेड़िया 2 तक, इन फिल्मों से धमाल मचाएंगे वरुण धवन?

वरुण धवन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने स्टूडेंट ईयर ऑफ द ईयर से अपनी शुरुआत की थी। करण जौहर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सेमी हिट साबित हुई थी। उन्होंने हम्पटी शर्मा की दुल्हनिया, बदलापुर, एबीसीडी 2 और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्में भी दी हैं। वरुण की फिल्मों का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। आज हम आपको उनकी उन आगामी फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो टिकट खिड़की पर बड़ा धमाल मचा सकती हैं।

बेबी जॉन

इस सूची में पहला नाम बेबी जॉन का है। कलीस के निर्देशन में बनी इस फिल्म की चर्चा लंबे समय से चली आ रही है। फिल्म में वरुण धवन पूरी तरह से एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं। वर्दी में उन्हें गुंड़ों को पीटते हुए देखने के लिए वरुण के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी

फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। फिल्म बवाल के बाद दोनों दूसरी बार एक साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान कर रहे हैं। इसे 18 अप्रैल 2025 तक बड़े पर्दे पर पहुंचाने की तैयारी चल रही है।

है जवानी तो इश्क होना है

है जवानी तो इश्क होना है में भी वरुण धवन अपनी अदाकारी का जादू बिखेरते हुए दिखने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में पूजा हेगड़े भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को 2 अक्तूबर 2025 को रिलीज करने की तैयारी है।

बॉर्डर 2

वरुण धवन की बहुचर्चित फिल्मों में बॉर्डर 2 का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में वह सनी देओल और दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्दशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। वहीं, इसकी कहानी को निधि दत्ता ने लिखा है। यह फिल्म थिएटर में 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

भेड़िया 2

इस लिस्ट में भेड़िया के सीक्वल का नाम भी शामिल है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का पहला भाग औसत साबित हुआ था। हालांकि, निर्माताओं को उम्मीद है कि इसका दूसरा भाग टिकट खिड़की पर अच्छा कारोबार करेगा। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

स्कूप से वापस लाइमलाइट में लौटे हीरो हरमन बावेजा, निर्माता के तौर पर इफ्फी गोवा में होगा डेब्यू

अभिनेता हरमन बावेजा का आज यानी 13 नवंबर को जन्मदिन है। उन्होंने अभिनय की दुनिया में सिक्का आजमाया, हालांकि इतनी प्रसिद्धी उन्हें नहीं मिल पाई। अब निर्माता के तौर पर खुद की पहचान बनाने की सोची है। उनकी फिल्म मिसेज इफ्फी यानी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में आयोजित होने वाला है। हर साल नवंबर के आखिरी में इस समारोह का आयोजन होता है। इसमें दुनिया भर की फिल्मों की स्क्रीनिंग होती है। हरमन बावेजा की फिल्म भी इसी समारोह में पहली बार दिखाई जाएगी।

बतौर निर्माता ये है पहली फिल्म

फिल्म मिसेज इफ्फी से पहले टैलिन ब्लैक नाइट्स, न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल और पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा चुकी है। इस फिल्म में निर्माता के तौर पर हरमन बावेजा के साथ ज्योति देशपांडे, पम्मी बावेजा भी शामिल हैं। इस फिल्म को जियो स्टूडियो और बावेजा स्टूडियो ने मिलकर बनाया है।

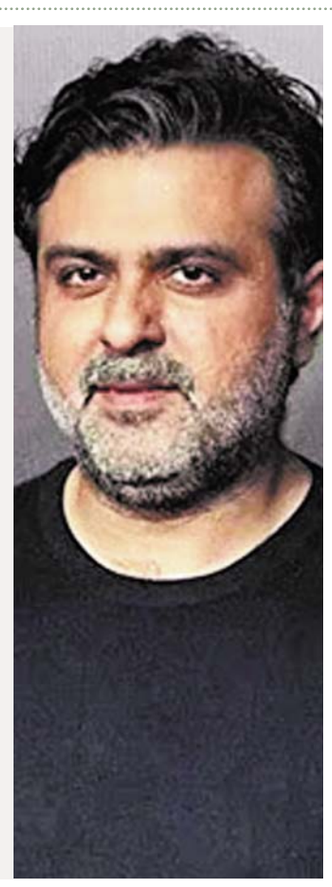

पब्लिक एशिया
Web:- www.publicasia.in

भारत/ऑस्ट्रेलिया : बुमराह बने कप्तान, रोहित पहले टेस्ट से बाहर, केएल राहुल करेंगे ओपनिंग

पर्थ (एजेंसी)। केएल राहुल ने रविवार को नेट पर बल्लेबाजी की जिससे उनकी फिटनेस को लेकर चल रही चिंताएं दूर हो गईं जिससे संकेत मिलता है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी का आगाज करने के लिए तैयार हैं क्योंकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपने नवजात शिशु के साथ समय बिताने के बाद एडिलेड में ही टीम से जुड़ेंगे। रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम की अगुवाई करेंगे। वाका मैदान पर 'इंट्रा-स्क्वाड' (भारतीय खिलाड़ियों को 2 टीम में विभाजित कर अभ्यास करना) अभ्यास मैच में राहुल शुक्रवार को बल्लेबाजी करते समय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद कोहली पर लगने के बाद चिकित्सा के लिए मैदान से बाहर चले गए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की 5 टेस्ट की श्रृंखला का पहला मैच 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगा जबकि दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में होगा। पूरी संभावना है कि टीम प्रबंधन राहुल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी से पारी का आगाज कराएगा। रविवार को 32 वर्षीय राहुल ने बिना किसी दिक्कत के बल्लेबाजी की और तीन घंटे के नेट सत्र के दौरान सभी तरह की 'ड्रिल्स' में हिस्सा लिया और काफी समय तक बल्लेबाजी भी की।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में राहुल ने कहा कि खेल के पहले दिन मुझे चोट लगी थी। आज मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। पहले मैच के लिए तैयार हो रहा हूं। अच्छा है कि मैं यहां जल्दी आ सका और परिस्थितियों के अनुकूल हो सका। उन्होंने कहा कि हां मुझे इस श्रृंखला की तैयारी के लिए काफी समय मिला है और मैं इसके लिए उत्साहित हूं और इसके लिए तैयार हूं। बल्कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी मुंबई से रवाना होने से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रोहित के शुरुआती टेस्ट से बाहर होने की स्थिति में राहुल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कराने का संकेत दिया था। टीम के फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन ने कहा कि राहुल उपचार के बाद ठीक हैं।

जैन ने वीडियो में कहा कि हमारे लिए सबसे अहम चीज यह सुनिश्चित करना था कि उसे कोई फ्रैक्चर नहीं हो। चोट लगे 48 घंटे हो चुके हैं और उपचार के बाद वह ठीक है। अब वह खेलने के लिए तैयार है। सहयोगी फिजियो योगेश परमार ने कहा कि उपचार में दर्द को नियंत्रण करना था। उन्होंने कहा कि मैं उसे 'एक्स-रे' और स्कैन के लिए ले गया और रिपोर्ट के आधार पर मुझे पूरा भरोसा था कि वह ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दर्द को काबू में करने और उसका आत्मविश्वास दिलाने का मामला था। चिकित्सा के दृष्टिकोण से वह बिल्कुल ठीक है। भारतीय टीम ने वाका मैदान पर ट्रेनिंग खत्म कर ली है और खिलाड़ी मंगलवार से ऑप्टस स्टेडियम में मैच 'ड्रिल्स' करने के लिए जाएंगे। सोमवार को आराम का दिन है।

इस बीच भारतीय टीम प्रबंधन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल को बल्लेबाजी 'बैक-अप' के तौर पर ऑस्ट्रेलिया में रखने का फैसला किया है। देवदत्त हाल में भारत ए की टीम का हिस्सा थे जिसने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के खिलाफचार दिवसीय दो मुकाबले खेले थे। इस बांए हाथ के बल्लेबाज को हाल में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए कर्नाटक की टीम में चुना गया

है। उन्होंने 'ए' दौरे पर 36, 88, 26 और एक रन की पारी खेली। तीन तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, खलील अहमद और नवदीप सैनी भारत ए टीम का हिस्सा थे। सैनी पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौरे के दौरान सिडनी और ब्रिसबेन में खेले थे और अब तक पारंपरिक प्रारूप में केवल दो मैच ही खेले हैं।

इसकी जानकारी रखने वाले एक करीबी सूत्र ने कहा कि यह ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों से वाकिफहोने के बारे में है क्योंकि ये खिलाड़ी हाल में यहां खेल चुके हैं। देवदत्त (24 वर्ष) ने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफधर्मशाला में अपना टेस्ट पदार्पण किया था और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 65 रन बनाए थे।

रुड को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर

ट्यूरिन (एजेंसी)। जैनिक सिनर अपने शानदार सत्र का अंत करने से एक कदम दूर हैं। उन्होंने कैस्पर रुड को 6-1, 6-2 से हराकर लगातार दूसरे साल एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

अपने ऐतिहासिक सत्र की 69वीं जीत के साथ 23 वर्षीय खिलाड़ी 2002 में 20 साल के लेटन हेविट के बाद वर्ष के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कई खिताबी मुकाबले तक पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, सिनर और 2024 में आठवें टूर-लेवल खिताब के बीच अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज खड़े हैं। अपने पिछले 26 मैचों में से 25 मैच जीतने वाले सिनर ने राउंड-रॉबिन चरण में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया है और इस इवेंट में अपराजित चैंपियन बनने की कोशिश कर रहे हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी 2018 में रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद से बिना कोई सेट गंवाए फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं।

एक साल पहले, सिनर ने राउंड-रॉबिन चरण में जोकोविच को हराया था लेकिन ट्यूरिन में फाइनल में सर्बियाई खिलाड़ी से हार गए थे। तब से, उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन में मेजर जीते हैं और पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंचने वाले इतिहास के पहले इटालियन बन गए हैं।

सिनर को उम्मीद है कि वह रविवार को फ्रिट्ज के खिलाफ खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करेंगे और अगले सप्ताह मैलागा में डेविस कप फाइनल के साथ वर्ष का समापन करेंगे। रूड ट्यूरिन में तीसरी बार सेमीफाइनल में भाग ले रहे थे, इससे पहले 2022 में फाइनल में जोकोविच से हार गए थे। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीजन का अंत पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में छठे स्थान पर किया, जिसमें बार्सिलोना में उनका पहला एटीपी 500 खिताब शामिल है।

हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने जीता खिताब, उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर

चेन्नई (एजेंसी)। 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी हरियाणा पर जीत हासिल कर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। इस बीच तीसरे स्थान के लिए संघर्ष में उत्तर प्रदेश ने मणिपुर हॉकी को हरा दिया। रोमांचक फाइनल में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी हरियाणा को 5-1 से हराया। रजत आकाश टिर्की (11%) ने बॉक्स के अंदर सुदीप चिरमाको की एक चतुर चाल के बाद करीब से गोल करके हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को बढ़त दिलाने का शुरुआती मौका भुनाया। तीसरे क्वार्टर में प्रताप लाकड़ा (39) ने बढ़त को दोगुना कर दिया। चौथे क्वार्टर में, शिलानंद लाकड़ा (48%, 57%, 60%) ने 12 मिनट के अंतराल में तीन गोल करके हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की जीत सुनिश्चित की। इस बीच, जोगिंदर सिंह (55%) ने फाइनल में हॉकी हरियाणा के लिए सांत्वना गोल किया। खेल के मिनट.तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में उत्तर प्रदेश हॉकी ने मणिपुर हॉकी को 2-1 से हराया। उत्तर प्रदेश हॉकी के कप्तान ललित कुमार उपाध्याय (6%) ने पहले क्वार्टर में गतिरोध तोड़ा। राजकुमार पाल की एक सटीक लंबी गेंद इक्तिदार इशरत को मिली जिन्होंने उसे स्क्वायर कर दिया। ललित कुमार उपाध्याय ने तेजी से टैप किया। तीसरे क्वार्टर में डीप, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह (43%) ने पेनल्टी कॉर्नर के परिणामस्वरूप मणिपुर हॉकी के लिए बराबरी हासिल की।

भारतीय बल्लेबाजों के लिए कहीं फिर चुनौती न बन जाएं शॉर्ट-पिच गेंदबाजी

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय टीम ने पर्थ के डब्ल्यूएसीए मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से पहले एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला। मैच में कुछ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं कुछ के लिए शॉर्ट-पिच गेंदों ने चुनौती खड़ी कर दी। मैच में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत की। राहुल ने शॉर्ट गेंदों के खिलाफ अच्छी तकनीक दिखाई, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा की बाउंसर से उनकी कोहनी चोटिल हो गई, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। दूसरी ओर, यशस्वी ने आक्रामकता के साथ शुरुआत की, लेकिन जल्द ही स्लिप में कैच देकर आउट हो गए। विराट कोहली ने अपनी क्लास का प्रदर्शन करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स लगाए, लेकिन मुकेश कुमार की गेंद पर स्लिप में कैच थमा बैठे। शुभमन गिल ने 28 रन बनाए लेकिन शॉर्ट गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे।

ऋषभ पंत, जिन्होंने शुरुआत में वादा दिखाया, थकावट के कारण संघर्ष करते नजर आए। नीतीश कुमार रेड्डी की शानदार गेंदबाजी ने पंत को बोल्ड कर दिया। गेंदबाजी विभाग में वाशिंगटन सुंदर और तनुश कोटियन ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश रेड्डी ने शॉर्ट गेंदों के जरिए बल्लेबाजों की कमजोरी का फायदा उठाया। मैच के दूसरे चरण में यशस्वी और गिल ने बेहतर बल्लेबाजी की। यशस्वी ने नाबाद 52 रन बनाए, जबकि गिल ने 42 रन बनाए। कोहली ने भी संयम दिखाते हुए 30 रन जोड़े। बल्लेबाजों ने शॉर्ट गेंदों के खिलाफ अपनी तकनीक में सुधार किया।

मैच सिमुलेशन से यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय बल्लेबाजों को शॉर्ट गेंदों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, जायसवाल और गिल का प्रदर्शन टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। रोहित शर्मा की चोट और राहुल की फिटनेस पर टीम प्रबंधन की नजर रहेगी। भारत को 2018 के पर्थ टेस्ट में मिली हार की यादें ताजा हैं। इस बार टीम का लक्ष्य मजबूत मानसिकता और तैयारियों के साथ मैदान पर उतरना होगा। पहला टेस्ट भारतीय बल्लेबाजों की तकनीक और धैर्य की कड़ी परीक्षा लेगा। इस अभ्यास मैच ने टीम की तैयारियों के मजबूत और कमजोर पहलुओं को उजागर किया।

राफेल के लिए ट्रॉफी जीतना मेरे सबसे बड़ी प्रेरणा है : कार्लोस अल्काराज

मलागा (स्पेन)। कार्लोस अल्कराज ने कहा है कि राफेल नडाल के लिए डेविस कप जीतना उनके लिए 'बहुत बड़ी प्रेरणा' है और वह राफा के फेयरवेल मैच में उनके साथ होने को लेकर उत्साहित हैं। नडाल ने पुष्टि की है कि डेविस कप उनके शानदार करियर का अंतिम टूर्नामेंट होगा और अल्कराज स्पेन के महानतम खेल आइकनों में से एक को शानदार फेयरवेल मैच देने के लिए बेताब हैं। अल्कराज ने डेविस कप फाइनल 8 मैच के लिए स्पेनिश टीम में शामिल होने के लिए मलागा में उतरने पर कहा, 'यह शायद मेरे करियर का सबसे खास टूर्नामेंट है, क्योंकि जो हो रहा है, वह बहुत बड़ी चीज है। डेविस कप हमेशा से एक ऐसा टूर्नामेंट रहा है जिसे मैं एक दिन जीतना चाहता हूं। मैं स्पेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए जुनूनी हूं। मैंने कई बार कहा है यह दुनिया की सबसे बड़ी चीजों में से एक है और किसी भी क्षेत्र में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होना खास है। राफा का मेरे साथ होना, यह जानते हुए कि यह उसका आखिरी टूर्नामेंट है, इसे और भी खास बना देगा।' उन्होंने कहा, 'मैं टीम के लिए हर संभव तरीके से योगदान देने और मदद करने की कोशिश करूंगा। अपने लिए, स्पेन के लिए और खास तौर पर राफा के लिए। कोई भी खिलाड़ी अपने अविश्वसनीय करियर को खिताब के साथ खत्म करने के लिए इससे अधिक का हकदार नहीं है। मैं जानता हूं कि डेविस कप उनके लिए कितना खास है। यह एक कठिन चुनौती होगी लेकिन राफा के लिए इसे जीतना एक बड़ी प्रेरणा है।'

शमी के लिए 'स्पैशल संदेश' लेकर आए सौरव गांगुली, बोले- छोड़ो सैय्यद मुश्ताक...

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली ने रणजी ट्रॉफी में चोट के बाद भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी पर खुलकर बात की और कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया जाना चाहिए और आगामी प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हिस्सा लेना चाहिए। शमी एक साल की चोट के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट आए हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी मैच में मध्य प्रदेश के खिलाफ 7 लिए। शमी के प्रदर्शन में पहली पारी में चार विकेट लेना शामिल था और उन्होंने बल्ले से भी योगदान दिया था। बहरहाल, गांगुली ने कहा कि शमी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलने की जरूरत नहीं है और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के लिए अगली फ्लाइट पकड़नी चाहिए। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि भले ही तेज गेंदबाज पर्थ टेस्ट में हिस्सा नहीं लेता है, लेकिन 34 वर्षीय खिलाड़ी बाकी सीरीज के लिए तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिल्कुल। उसे जाना चाहिए। उसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलने की जरूरत नहीं है। उसे अगली फ्लाइट से ऑस्ट्रेलिया जाना चाहिए। जाओ और नेट्स में गेंदबाजी करो। भले ही वह पर्थ में नहीं खेलेगा, फिर भी उसे गेंदबाजी करने और तैयार होने के लिए मौका मिलेगा।

पर्थ के मैदान पर भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है नाथन लायन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा नाथन लायन का यहां पर किया गया प्रदर्शन है। पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया के लिए अकेले स्पिन का मोर्चा नाथन लायन संभालते आ रहे है। वह अब तक 530 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों को अपना शिकार बना चुके हैं। नाथन लायन का पर्थ के मैदान से खास रिश्ता है।

उनके प्रदर्शन का स्तर यहां उन्हें भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनाता है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में नाथन लायन ने अब तक 26 विकेट लिए हैं, और यह मैदान उनके कौशल का साक्षी रहा है। 2018 में भारतीय टीम ने इसी मैदान पर एक टेस्ट मैच खेला था, जिसमें लायन ने 8 विकेट चटकाकर ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। उस मैच में उनकी गेंदबाजी ने भारतीय बल्लेबाजों, खासकर विराट कोहली को चौंका दिया था। लायन के प्रदर्शन की खास बात यह है कि वह अकेले स्पिनर के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का भार उठाते हैं। जहां आज के दौर के स्पिनर बल्लेबाजों की आक्रामकता से बचने के लिए सतर्क गेंदबाजी करते हैं, वहीं लायन जोखिम लेने से नहीं डरते। फ्लाइट और टर्न के साथ उनकी गेंदबाजी भारतीय बल्लेबाजों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐजाज पटेल और मिशेल सैंटनर जैसे साधारण स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष किया। इसे देखकर लायन की मंशा और स्पष्ट हो जाती है।

उनके हाई-आर्म एक्शन और पिच से मिलने वाले उछाल का मुकाबला करना भारतीय बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। पर्थ की पिच पर गेंदों का असमान उछाल और टर्न नाथन लायन को और घातक बनाता है। अगर भारतीय टीम ने स्पिन के खिलाफ अपनी कमजोरियों को दूर नहीं किया, तो ऑस्ट्रेलिया की यह कंगारू चुनौती और भी कठिन हो सकती है। स्पीड के लिए रणनीति तैयार करना सही है, लेकिन स्पिन के खतरे को नजरअंदाज करना भारतीय टीम के लिए महंगा पड़ सकता है। आगामी टेस्ट मैच में लायन के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें होंगी।

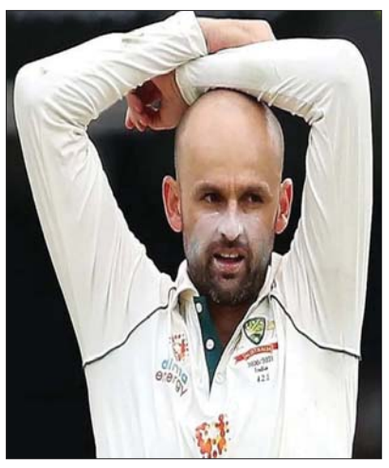

ग्लेन मैक्ग्रा ने दी ऑस्ट्रेलिया टीम को विराट कोहली पर दबाव बनाने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर टीम इंडिया और मेजबान ऑस्ट्रेलिया एक्शन मोड में है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर और महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम को एक खास सलाह दी है। उन्होंने 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया से विराट कोहली पर दबाव बनाने पर अधिक फोकस करने के लिए कहा है। विराट कोहली ने इस साल अपने छह टेस्ट मैचों में सिर्फ 22.72 की औसत से रन बनाए हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में उनके टेस्ट मैचों के औसत 54.08 से काफी कम है। कोहली इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारत की 0-3 की सीरीज हार में सिर्फ 91 रन बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आए हैं। ऐसे में कोहली पहले से ही अपने खामोश बल्ले के कारण दबाव में हैं और वह हर हाल में ऑस्ट्रेलिया में कमबैक करना चाहेंगे। शुभमन गिल के अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण पहले टेस्ट से बाहर होने की संभावना है, ऐसे में कोहली पर पर्थ की उछाल भरी और तेज पिच पर भारत के लिए एक बड़ी पारी खेलने का दबाव अधिक होगा। सीओडीई स्पोर्ट्स ने मैक्ग्रा के हवाले से कहा, 'अगर वह कोहली के खिलाफ कड़ी मेहनत करते हैं, अगर वह भावनाओं में बह जाएंगे, अगर मैदान पर थोड़ी बहुत बातचीत हो जाएगी, तो शायद वह खुद को संभाल लें। लेकिन मुझे लगता है कि विराट शायद थोड़ा दबाव में हैं और अगर मेजबान टीम शुरुआत में उन पर लगाम लगाती है, तो वह और अधिक दबाव में आ सकते हैं। वह काफी भावुक खिलाड़ी हैं। जब वह फॉर्म में होते हैं, तो वह अलग हैं, और जब वह अपनी लय में नहीं होते हैं, तो विराट थोड़ा संघर्ष करते हैं।' पूर्व पेसर का यह भी मानना है कि अगर ऑस्ट्रेलिया को भारत को जीत की हैट्रिक लगाने से रोकना है, तो उन्हें अपनी आक्रामकता बढ़ानी होगी। ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है, खासकर न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से हारने के बाद भारत अभी दबाव में है। हमारे पास इसका फायदा उठाने का मौका है। इसलिए उन पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।÷ पर्थ में सीरीज के पहले मैच के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया एडिलेड (गुलाबी गेंद वाला मैच), ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में बाकी चार टेस्ट मैच खेलेंगे। यह 1991/92 सीजन के बाद से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भी होगी।

नेशंस लीग : जर्मनी ने हासिल की रिकॉर्ड जीत, नीदरलैंड भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

फीबर्ग। जर्मनी ने नेशंस लीग में सबसे बड़ी जीत दर्ज करके पहला स्थान हासिल किया। जूलियन नागेल्समैन की टीम ने बोस्निया और हर्जेगोविना को 7-0 से हराया। जर्मनी ने नेशंस लीग के छह साल के इतिहास में पहली बार एक मैच में सात गोल किए। इस जीत से पहले ही जर्मनी ने क्वार्टर-फाइनल में जगह पक्की कर ली थी, लेकिन इस जीत ने उन्हें ग्रुप विजेता बना दिया। अब मार्च में अगले चरण में उनका मुकाबला किसी रनर-अप टीम से होगा। पहले हाफ में जमाल मुसियाला के हेडर, टिम क्लाइनडीनस्ट के डिफ्लेक्शन (जो उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था) और काई हावर्ट्ज़ के शानदार फिनिश से जर्मनी ने बढ़त बनाई। दूसरे हाफ में भी जर्मनी का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। वहीं, इस हार ने बोस्निया-हर्जेगोविना को लीग ए से बाहर कर दिया है। हार के बाद बोस्निया-हर्जेगोविना नेशंस लीग के दूसरे स्तर पर चला जाएगा। दूसरी तरफ, तुर्किये और वेल्स के मैच में 0-0 का ड्रॉ रहा। अब ग्रुप बी4 में पहले और दूसरे स्थान की टीमों के बीच सिर्फ दो अंकों का अंतर है। वहीं, स्वीडन ने स्लोवाकिया को 2-1 से हराकर लीग बी में प्रमोशन पक्का कर लिया। इसके अलावा एक दूसरे मैच में नीदरलैंड ने हंगरी पर शानदार 4-0 की जीत के साथ यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले हाफ में वाउट वेघोर्स्ट और कोडी गक्पो ने दो पेनल्टी गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिलाई। फिर डेंजल डम्फ्रीज ने 60वें मिनट के बाद तीसरा गोल कर दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में सब्स्टीट्यूट ट्यून कूपमाइनर्स ने डम्फ्रीज के सटीक क्रॉस पर हेडर से चौथा गोल कर मैच का स्कोर 4-0 कर दिया। इस तरह नीदरलैंड ने 4-0 की जीत के साथ नेशंस लीग क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हंगरी के स्टाफ मेंबर एडम सालाई अचानक बीमार पड़ने के कारण जोहन क्रुइजफ एरिना में खेले गए इस मैच को शुरुआत में कुछ समय के लिए रोका गया था। हालांकि, उनकी हालत स्थिर होने के बाद खेल दोबारा शुरू हुआ।

आईपीएल नीलामी में बचे 574 खिलाड़ी, 81 खिलाड़ियों का दो करोड़ है बेस प्राइस

-366 भारतीय और 208 विदेशी, तीन खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 संस्करण के लिए आगामी मेगा प्लेयर नीलामी 24 और 25 नवंबर, 2024 को जेद्दा सऊदी अरब में होगी। बोली के लिए इंग्लैंड के जोस बटलर के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, भारत के अर्शदीप सिंह, ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क, भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, स्पिनर युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी तैयार हैं। यह सभी खिलाड़ी दो करोड़ रुपए के बेस प्राइस के साथ रजिस्टर हुए हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग ने 2025 संस्करण के लिए बहुप्रतीक्षित खिलाड़ी नीलामी सूची जारी हो चुकी है। इसमें कुल 574 खिलाड़ी सऊदी अरब में मेगा नीलामी में शामिल होंगे। नीलामी सूची में शामिल 574 खिलाड़ियों में से 366 भारतीय और 208 विदेशी दावेदार हैं, जिनमें एसोसिएट देशों के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी में 318 भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ी और 12 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे।

नीलामी इस बार खास होगी क्योंकि ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स, श्रेयस अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स और केएल राहुल को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने रिटेन नहीं किया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि दो करोड़ रुपए उच्चतम आरक्षित मूल्य है, जिसमें 81 खिलाड़ियों ने उच्चतम ब्रैकेट में रहने का विकल्प चुना है। 27 खिलाड़ी हैं जिनका आरक्षित मूल्य 1.50 करोड़ है, जबकि 18 खिलाड़ी 1.25 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य के साथ मेगा नीलामी में शामिल हो रहे हैं।

नीलामी की शुरुआत में दो मार्की प्लेयर सेट होंगे। बटलर, श्रेयस अय्यर, पंत, रबाडा, अर्शदीप सिंह और स्टार्क मार्की सेट एक में होंगे, जबकि मोहम्मद शमी, चहल, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मिलर, मोहम्मद सिराज और केएल राहुल मार्की सेट 2 में होंगे। फ्रेंचाइजी ने कुल 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है और कुल मिलाकर 558.5 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

पिछले साल की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और उद्घाटन सीजन के विजेता राजस्थान रॉयल्स ने छह-छह खिलाड़ियों को सुरक्षित करते हुए पूर्ण रिटेंशन का विकल्प चुना था। चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाइंट्स, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने 4, 3 और 2 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

आईपीएल खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर 4 नवंबर को बंद हो गया है,

जिसमें कुल 1574 खिलाड़ियों जिसमें 1165 भारतीय और 409 विदेशी ने टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए मेगा नीलामी का हिस्सा बनने के लिए साइन अप किया था।

राहुल सहित भारतीय खिलाड़ियों ने अभ्यास किया

वाका। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने रविवार को यहां जमकर नेट अभ्यास किया। राहुल ने लगभग तीन घंटे अभ्यास किया। 2 दिनों के मैच सिमुलेशन के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने वाका की मुख्य विकेट और नेट्स पर ये अभ्यास किया। राहुल ने एक घंटा मैदान पर बिताने के बाद नेट्स पर भी अभ्यास किया और इस दौरान उन्हें किसी प्रकार की परेशानी होते हुए नहीं दिखी। राहुल को यहां इससे पहले अभ्यास के दौरान गेंद लग गयी थी जिससे उनकी फटनेस पर सवाल उठाये जा रहे थे।अभ्यास के दौरान हालांकि उनकी लय वैसी नहीं थी जैसी सिमुलेशन मैच के दौरान चोट लगने से पहले दिखी थी। वहीं शुभमन गिल चोटिल होने के कारण अभ्यास में नहीं आये। राहुल और शुभमन दोनों को ही इंट्रा स्क्वैड सिमुलेशन मैच के दौरान चोट लगी थी। शुक्रवार को बल्लेबाजी के दौरान राहुल की कोहनी पर चोट लगी थी जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। वहीं शुभमन को अंगूठे में चोट सिमुलेशन मैच के दूसरे दिन स्लिप में क्षेत्ररक्षण के दौरान लगी थी। इससे वह पहले टेस्ट से बाहर हो गये हैं। सिमुलेशन मैच के दौरान प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली ने बिना किसी परेशानी के बल्लेबाज़ी की और 15 और नाबाद 30 का स्कोर बनाया। हालांकि शॉर्ट गेंदों पर वह संघर्ष करते नजर आए।

मोदी ने की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की सराहना

एजेंसी

नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को गुजरात के गोधरा अग्निकांड पर आधारित फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की सराहना करते हुए कहा कि 'सच्चाई सामने आ रही है।'

श्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया,'बहुत बढ़िया। यह अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है, और वह भी ऐसे तरीके से जिससे आम लोग इसे देख सकें। एक झूठी कहानी सीमित समय तक ही चल सकती है। आखिरकार, तथ्य हमेशा सामने आते हैं!'

यह फिल्म वर्ष 2002 में साबरमती एक्सप्रेस से जुड़ी विवादास्पद गुजरात के गोधरा ट्रेन त्रासदी और उसके बाद की घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा ने अभिनय किया है। यह फिल्म शुक्रवार यानी 15 नवंबर को रिलीज हुई थी। यह फिल्म 27 फरवरी 2002 को गोधरा में एक ट्रेन में आग लगने की सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अयोध्या से लौट रहे 58 हिंदू तीर्थयात्रियों और कारसेवकों की मौत हो गई थी। दरअसल श्री मोदी ने एक ट्वीट के जवाब में लिखा,'अच्छा है कि यह सच्चाई सामने आ रही है और वह भी इस तरह से कि आम लोग इसे देख सकें। एक फर्जी नैरेटिव लंबे समय तक नहीं टिक सकता। अंत में सच्चाई हमेशा सामने आती है।'

हाल ही में रिलीज हुई विक्रांत मैसी की फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' ने एक बार फिर गोधरा कांड की घटना को चर्चा में ला दिया है। फिल्म ने गोधरा कांड में साबरमती एक्सप्रेस में हुई आगजनी और उसमें मारे गए निर्दोष लोगों की दर्दनाक कहानी को दिखाया है। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके संवेदनशील मुद्दे की वजह से काफी चर्चा हो रही थी। अब, प्रधानमंत्री ने भी इस फिल्म पर प्रतिक्रिया दी है। उनका ट्वीट जमकर वायरल हो गया। श्री मोदी के इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर लोग जमकर प्रतिक्रिया देने लगे हैं। कुछ लोग श्री मोदी के ट्वीट का समर्थन कर रहे हैं जबकि कुछ मिलीजुली प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में रोडवेज बसों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को 'फील गुड' कराएगी रोडवेज कुली सेवा

सिविल लाइन्स रोडवेज बस स्टैंड में रोडवेज कुलियों को अगले हफ्ते से दी जाएगी महाकुंभ के लिए विशेष ट्रेनिंग

पब्लिक एशिया ब्यूरो

प्रयागराज » उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के संकल्पित है। इसके लिए सभी प्रशासनिक विभागों की तरफ से युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन विभाग भी महाकुंभ पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए कई अभियान चला रहा है ताकि आगंतुकों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। रोडवेज कुलियों को महाकुंभ के लिए तैयार करना इसी कड़ी का हिस्सा है।

रोडवेज कुलियों को स्मार्ट बनाने की भी तैयारी

अपनी यात्रा के समापन के बाद अपना लगेज लेकर जब आप प्रयागराज रोडवेज बस स्टैंड पहुंचे तब बस के पास रेलवे प्लेटफॉर्म की तरह रोडवेज कुली आपकी सेवा में लिए तत्पर मिले ऐसी यूपी रोडवेज की कोशिश है। क्षेत्रीय प्रबंधक के मुताबिक प्रारम्भ में इन्हें आठ - आठ घंटे की दो शिफ्ट में काम के लिए उतारा जाएगा । इन्हें इनकी यूनिफॉर्म और बैज भी प्रदान किये गए हैं । रेलवे के कुलियों की लाल यूनिफॉर्म की जगह इन्हें नीले रंग की पैंट-शर्ट यूनिफार्म के तौर पर दी गई है । इन कुलियों की बांह पर पीतल का एक बिल्ला लगा है जिस पर उनकी पहचान का नंबर लिखा गया है । रोडवेज ने इनकी पूरी पहचान और बर्ताव को परखने के बाद इन्हें सेवा में उतारा है । आधार कार्ड और आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी करने के बाद ही कुलियों को बिल्ले दिए गए हैं । पहले बैच में सिविल लाइंस रोडवेज बस स्टैंड में 16 रोडवेज कुलियों को इस सेवा के लिए तैयार किया जा रहा है।

सीनियर सिटीजन और दिव्यांग यात्रियों के लिए खास तौर पर मददगार होगी सेवा : प्रयागराज के सिविल लाइन्स बस स्टेशन से 118 बसों का आवागमन होता है। इस बस स्टेशन में प्रतिदिन डेढ़ लाख से अधिक रोडवेज यात्रियों का आना जाना होता है । इन सभी यात्रियों को रोडवेज के कुली अपनी सेवा देंगे । सीनियर सिटीजन और दिव्यांग यात्रियों की मदद में ये सबसे अधिक मददगार साबित होंगे । रोडवेज कुली बनवारी लाल बताते हैं कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु हमारे लिए अतिथि होंगे, खास तौर पर दिव्यांग और सीनियर सिटीजन यात्री इन्हें बस के उतरते ही पूरी विनम्रता के साथ सेवा देने के साथ हम लोग उन्हें कुंभ के मार्गों और वहां पहुंचने के लिए साधन की जानकारी भी अपनी तरफ से देंगे ताकि उन्हें वहां पहुंचने में कोई असुविधा न हो। रोडवेज की तरफ से कुलियों को सेवा देने के एवज में जो भी पैसा निर्धारित होगा उसकी रेट लिस्ट बस स्टैंड में लगाई जाएगी।

भोसरी में चुनावी जनसभा।

श्रद्धालुओं को होगा फील गुड

आस्था के जन समागम प्रयागराज में इस बार 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के कुम्भ नगरी पहुंचने का प्रशासन का अनुमान है। इन आगंतुकों में सबसे अधिक बस सेवा से प्रयागराज पहुंचेंगे। रोडवेज की यह अपेक्षा है कि कुंभ नगरी पहुचने वाले इन श्रद्धालुओं को बस स्टेशन पहुंचने पर कोई असुविधा न हो। आगंतुक अच्छा अनुभव यहां से लेकर जाएं इसके लिए राज्य सड़क परिवहन विभाग की तरफ से रोडवेज के कुलियों को भी तैयार किया जा रहा है। रोडवेज के प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी का कहना है कि रोडवेज बस स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों का सबसे पहला संपर्क रोडवेज कुलियों से होता है। ऐसे में रोडवेज कुलियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुलियों को यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार करने के साथ महाकुंभ जाने के साधनों और मार्गों की बुनियादी जानकारी देने का अभियान इसमें शामिल होगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देहरादून स्थित द टोंसब्रिज स्कूल के वार्षिकोत्सव में की शिरकत

कहा दुनिया की 21 वीं शताब्दी भारत की शताब्दी

» प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है भारत, दुनिया के देशों में बढ़ा भारत के प्रति विश्वास

शार्दुल संडिल्य, पब्लिक एशिया

देहरादून। प्रेमनगर नंदा की चौकी स्थित द टोंसब्रिज स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने गीत, नृत्य से सभी को मंत्रमुग्ध किया। मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने छात्रों की प्रस्तुति और स्कूल के कार्यों की सराहना की। स्कूल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पर्यावरणविद पद्मभूषण डा. अनिल जोशी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान आइटीबीपी के जवानों ने बैंड की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। मुख्य अतिथि ने प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर परिसर में पौधा रोपा। इसके साथ ही हवन यज्ञ कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ने छात्रों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वार्षिक समारोह मैं मौजूद छात्रों-अविभावकों सहित सभी व्यक्तियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा जब भी मैं उत्तराखंड आता हूं मुझे नई उर्जा, प्रेरणा के साथ काम करने की नई दिशा मिलती है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा जीवन के अंदर विधार्थियों के लिए विद्यार्थी जीवन सबसे स्वर्णिम काल होता है। जहां वह जिंदगी को जीता है और उसके साथ-साथ अपने कैरियर का निर्माण भी करता है। वह अपने मित्रों के साथ सहयोगियों के साथ लंबे समय गुजारने का अवसर विधालय में मिलता है। जहां वह अपने मित्रों के साथ जिंदगी के स्वर्णिम अवसर जीता है। वहीं विधालय के अध्यापक भी विधार्थियों के बेहत्तर भविष्य के लिए अपना जीवन विधार्थियों के लिए समर्पित कर देते है। विद्यालय के संचालकों ने छात्रों में अच्छे गुणों को डाल रहे हैं। विधालय में शुरूआत अगर विशिष्ट ज्ञान व गुणों से होती है तो जीवन बेहत्तर होता है।

इस विद्यालय को मैने देखा बेहतर महसूस किया। विधायल में स्थित सीडीएस जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा से हमें अनुसाशन व देशभक्ति की प्रेरणा मितली है। देश की रक्षा करने वाले सैकड़ो सैनिक से लेकर अधिकारी तक इस धरती पर निवास करते हैं और उनकी इच्छा रहती है कि देहरादून में पढ़ने वाला हर विधार्थी अनुशासित और राष्ट्रभक्त नौजवान बने। ऐसा ही भाव विद्यालय में भी देखने को मिलता है।

पद्मश्री, पद्म विभूषण अनिल जोशी ने पर्यावरण को लेकर देश में नया जनांदोलन खड़ा किया। दुनिया जिसको लेकर चिंतित है अनिल जोशी जी ने उसको लेकर नया आंदोलन शुरू किया। जल-जंगल-जमीन को बचाने की प्रेरणा विद्यार्थी को बाल्यकाल से मिलनी चाहिए। वह

अपने जीवन को पर्यावरण के अुनकूल जीये। वह जल को संचय करने का प्रयास करे। जंगल को लगाने का प्रयास करे एसें विचार उसके मन में होने चाहिए। आज छात्रों को दिलाई गई शपथ में जीवन के अंदर हमारे क्या-क्या कार्य हैं यह सब विधमान है। विधार्थियों के बाल्यकाल से अच्छे संस्कार होंगे तो भविष्य भी बेहत्तर होगा और मजबूत राष्ट व देश का निर्माण होगा। मुझे गर्व है भारत के नौजवान विधार्थियों पर जिनमें अदभुत क्षमता है। ज्ञान, विज्ञान, नए विचार, शोध व रिसर्च की क्षमता है। इसके साथ आध्यात्मिक उर्जा भी है। जो आंतरिक उर्जा को नई प्रेरणादेते हैं। भौतिक संसाधनों में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत आज आध्यमिक, धर्म और संस्कारों के कारण भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। दुनिया के विकसित देशों के अंदर भी उस विकसित देश को आगे बढ़ाने में भारत के नौजवानों का योगदान है।

मैने इस विद्यालय में देखा कि जीवन में अनुशासन और कला का कितना महत्व है। बच्चे खेलों में अपना नेतृत्व दे रहे हैं। यहां के कई बच्चे राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे रहे हैं। संगीत, कला, आध्यात्म हर क्षेत्र में यहां के बच्चे अपना परचम लहरा रहे हैं। इसके लिए यहां के शिक्षकों के योगदान को भी में

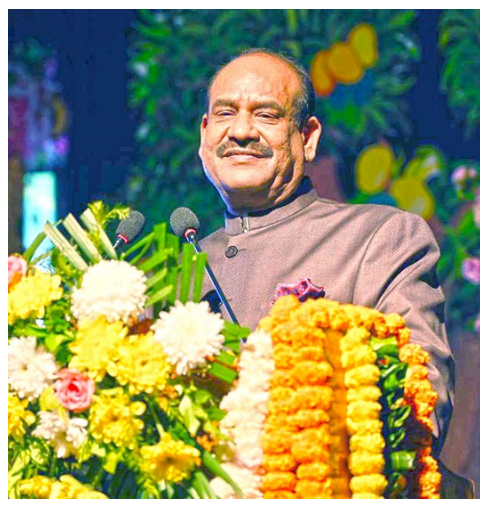

बधाई देता हूं। हर चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता विधार्थी जीवन से छात्रों में आती है। आज आवश्यकता है कि विधालयी जीवन में ऐसे संस्कार व शिक्षा दिये जायें कि दुनिया की 21 वीं शताब्दी भारत की शताब्दी हो। यह जिमेदारी नौजवनों की है आपकी है।

भारत में कई ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने अभावों में रहकर कठिन चुनौतियों से विज्ञान व तकनीकी में बड़े अविष्कार किये हैं। जब हम अपने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी का जीवन देखते हैं। तो बड़ी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने भारत का नाम दुनिया में किया। सभी विधार्थियों से आग्रह है कि वह भारत की संसद में आएं और देखें कि किस तरह से की संसद में उन स्वतंत्रता सैनानियों की जीवनी दर्शन पर जिन्होंने स्वत्रंता आंदोलन भी किया और भारत के निर्माण व स्वंत्रता के लिए आंदोलन किया। जब हम उनके जीवन दर्शन को समझेंगे और पढ़ेगे तो नई प्रेरणा मिलेगी। इस लिए हमने नया विचार दिया है कि भारत मे पढने वाला हर विधार्थी संसद में आए और देखे कि किस तरह लोकतंत्र के माध्यम से भारत के इस 75 वर्ष की यात्रा में मजबूत नेतृत्व देने का काम किया। आज हमें खुशी है प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया में नेतृत्व कर रहा है। आज हर दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व क्षमता के कारण दुनिया में भारत का विश्वास बढ़ा है। हमारे प्रधानमंत्री जी हमेशा विद्यार्थियों से चर्चा करते रहते हैं। वह दुनिया को बताते रहते हैं कि हमारे विधार्थियों की शोध, चिंतन की कैसी क्षमता है। सभी विधार्थी भारत के नवनिमार्ण में अपना योगदान देंगे ऐसा मेरा विश्वास है। 21 सदीं में भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा वह आप सभी के कारण करेगा। मैं सभी विधार्थियों व उनके माता-पिता को बधाई व शुभकामनाएं देता हूं।

इस मौके पर यांवरणविद पद्मभूषण डा. अनिल जोशी, स्कूल के चेयरमैन विजय नागर, निदेशक शैलेन्द्र बेंजामिन, प्रिंसिपल बेला सहगल, उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. गीता खन्ना, सीबीएसई के पूर्व क्षेत्रीय अधिकारी डा रणबीर सिंह सहित गणमान्य अतिथि उपस्थिति थे।

भारतीय प्रेस दिवस पर आयोजित हुई गोष्ठी, सम्मानित हुए कलमकार

पब्लिक एशिया ब्यूरो

फतेहपुर। पत्रकार एवं सामाजिक हितों पर काम करने वाली संगठन साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन (सीजेए) के बैनर तले भारतीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकार विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें देश के जाने - माने बहुचर्चित व दिग्गज पत्रकारों ने शिरकत करते हुए पत्रकार एवं पत्रकारिता जगत के संरक्षण तथा संवर्धन की बातों पर जोर देते हुए निर्धारित विषय राष्ट्र में मीडिया की भूमिका एवं डिजिटल मीडिया के अवसर पर खूब चर्चा हुई और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की सिफारिशें हुई हैं।

जनपद रत्न (मरणोपरांत), पत्रकार रत्न, समाज सुधारक, शिक्षक, डॉक्टर एवं अन्य किए गए सम्मानित। बताते चलें कि साइबर जर्नलिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाश्वत तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार की अध्यक्षता में कार्यक्रम की दीप जला कर विधिवत शुरुआत हुई। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में देश के नामचीन पत्रकार मनोज मिश्रा के साथ ही विशिष्ठ अतिथियों रूप में प्रख्यात पत्रकार नवलकांत सिंहा, दैनिक भास्कर के संपादक हेमंत तोमर, प्रेस कोर काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रपाणि चक्र के साथ ही युवा चर्चित समाजसेवी आशीष तिवारी के साथ जनपद फतेहपुर के साथ अन्य कई जनपदों के पत्रकारों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पत्रकार बिरादरी के हर एक साथी ने पत्रकारों की दशा और स्थिति पर चिंतन करते हुए एकजुटता के साथ पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की बात उठाई, साथ ही मीडिया को संवैधानिक दर्जा देते हुए चौथा स्तंभ घोषित किए जाने एवं मीडिया आयोग गठन जैसे मुद्दे उठाए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख अतिथि मनोज मिश्रा ने मीडिया की कठिनाइयों का व्याख्यान करते हुए सहयोग दिए जाने की बात कही है, इसी कड़ी में दैनिक भास्कर के संपादक हेमंत तोमर ने नेशनल प्रेस डे पर विस्तार से वर्तमान की स्थिति पर संबोधन किया। वहीं नवलकांत सिंहा ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया के सभी स्वरूपों पर चर्चा करते हुए शुरू से लेकर आज तक की मीडिया के क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला साथ ही चक्रपाणि चक्र ने स्वस्थ्य लोकतंत्र में मीडिया को बचाने की बात कही उन्होंने कहा कि मीडिया बचेगी तो लोकतंत्र बचेगा और इसी से देश बचेगा। वहीं वक्ता के रूप में समाजसेवी आशीष तिवारी ने भी वर्तमान की पत्रकारिता में चुनौतियों एवं अवसर की बात कही है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाश्वत तिवारी ने संगठन के उद्देश्यों के साथ ही जमीनी पत्रकारिता को मजबूत बनाने की बात बताते हुए उपस्थित पत्रकारों में जोश भरा है। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव ने संगठन के बैनर तले मीडिया को संवैधानिक दर्जा देने, मीडिया आयोग का गठन करने, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, मीडियाकर्मियों का ग्राम पंचायत स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक का पत्रकार रजिस्टर बनाए जाने, पत्रकारों को वेतनमान एवं पेंशन देने, मीडिया सम्मान निधि लागू करने, पत्रकारों को उनके परिवार सहित शिक्षा एवं स्वास्थ्य की व्यवस्था करने, तहसील स्तर तक पत्रकार भवनों को बनाने, मान्यता नीति सरल करने जैसे कई अहम मुद्दों की मांग उठाई एवं कार्यक्रम आयोजक एवं प्रदेशाध्यक्ष शहंशाह आब्दी ने भविष्य में और बड़ा कार्यक्रम करते हुए जनपद के महाविभूतियों का सम्मान करने की बात कही है।

वहीं संगठन के जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह, प्रवक्ता प्रदीप कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों ने आए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।कार्यक्रम ने संगठन द्वारा जनपद के विकास में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को मंच से सम्मानित किया गया। सम्मान के क्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय बासुदेव दीक्षित, राजनीतिज्ञ स्वर्गीय जागेश्वर प्रसाद, कुशल पत्रकार एवं राजनीतिज्ञ खान गुफरान जाहिदी, पत्रकार स्वर्गीय दुर्गा शंकर जायसवाल एवं राजनीतिज्ञ स्वर्गीय मुन्ना लाल मौर्य को जनपद रत्न (मरणोपरांत) का सम्मान दिया गया है। इसी कड़ी में शिक्षक रत्न का सम्मान, राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित शिक्षिका आसिया फारूकी एवं आनंद मिश्रा को सम्मानित किया गया है। वहीं पर्यावरण को बचाने के क्रम में पेड़ बचाओ पर काम करने वाले थाना सुल्तानपुर घोष में तैनात थानाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी को पर्यावरण प्रेमी रत्न से सम्मानित किया गया है। समाज सुधारक रत्न सम्मान से जनपद में समाजसेवियों की श्रेणी में काम करने वाले एंबुलेंसमैन के नाम से प्रख्यात अशोक तपस्वी के साथ ही मोहम्मद आफताब, सुनील पटेल सहित अन्य को सम्मानित किया गया है। ग्राम प्रहरी के सम्मान स्वरूप रावेन्द्र सिंह (ग्राम प्रधान), अभय प्रताप सिंह (प्रधान), मोहम्मद उमर (पंचायत प्रतिनिधि/समाजसेवी) एवं नदीमुद्दीन (प्रधान) को सम्मानित किया गया है। महिला सशक्तिकरण का सम्मान सुशीला मौर्या, किरन अग्निहोत्री एवं संध्या विश्वकर्मा को प्रदान किया गया। गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार रत्न का सम्मान जनपद के पत्रकारों को प्रदान किया जिसमें, राम नारायण विश्वकर्मा, सरोज पाण्डेय, नफीस अहमद राईन, अजय त्रिपाठी, रईसउद्दीन, संजय पटेल (राष्ट्रीय महासचिव - प्रेस कोर काउंसिल), शमशाद खान (जिलाध्यक्ष - प्रेस क्लब ऑफ यूपी), प्रभाकर पाण्डेय (जिलाध्यक्ष - लखनऊ जर्नलिस्ट एसोसिएशन), शकील सिद्दीकी, बछराज मौर्या, मनोज कुमार, इरफान काज़मी, इसरार अहमद मुमताज, शारिब कमर अज़मी, अखिलेश कुमार, पारुल सिंह, सुमन सिंह सहित कई अन्य को चयनित किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान संगठन की राष्ट्रीय सचिव प्रियंका, कोषाध्यक्ष शिवकुमार मौर्या, फतेहपुर जिला इकाई से जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह यादव, उपाध्यक्ष कर्म मोहम्मद एवं सोनू वर्मा, मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता प्रदीप कुमार, सचिव रवि सिंह चौहान एवं धीर सिंह यादव, खागा तहसील इकाई के अध्यक्ष अभिमन्यु मौर्या, महासचिव ओमनारायण विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष महेश चौधरी, कोषाध्यक्ष ताज आब्दी, सचिव नाजिया परवीन एवं कार्यकारिणी सदस्य कन्हैया पटेल, बिंदकी तहसील इकाई से अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह एवं सचिव राहुल कुमार, ऐरायां ब्लॉक इकाई से अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास, महासचिव मेराज अहमद, उपाध्यक्ष अभिषेक गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य नयन सिंह यादव सहित संगठन के कई अन्य सदस्य साथ ही प्रयागराज जिला इकाई से कोषाध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, सचिव सतीश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रिजवान एवं अन्य एवं कौशांबी जिला इकाई से उपाध्यक्ष मोहम्मद अमजद सिद्दीकी, मुकेश गौतम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे हैं।

जनहित के लिए संगठन को अधिक से अधिक मजबूत करना ही सदस्यता अभियान का मकसद : मोहनलाल बड़ौली

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हिसार/चंडीगढ़, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक ने कहा है कि पार्टी की ओर से प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जनता का हर वर्ग पार्टी के सदस्यता अभियान में रूचि दिखाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहा है। प्रदेश के 20 हजार 600 से अधिक बूथों पर सदस्यता अभियान जोर-शोर से चल रहा है। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक रविवार को यहां के सुशीला भवन में सदस्यता अभियान बारे बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने की। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने गद्दा भेंट करके प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया, विधायक विनोद भ्याना व रणधीर पनिहार, अशोक गुर्जर, पूर्व मंत्री अनूप धानक ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नए सदस्य छह वर्ष के लिए बनाए जा रहे हैं। पार्टी ने सदस्यता फार्म के साथ पूरा ब्यौरा दिया है ताकि सदस्य बनने वाला पहले पूरी जानकारी लेकर सदस्यता ग्रहण करें। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान जो लोग पार्टी छोड़ गए थे, उन्हें हम पार्टी का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल नहीं कर रहे। मोहनलाल कौशिक ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने में लगे हैं। जल्दी ही हम सदस्यता अभियान के तय लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। सदस्यता अभियान का मकसद जनहित के कार्य के लिए संगठन को अधिक से अधिक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता संगठन को तो मजबूत कर ही रहे हैं, साथ ही सरकार द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों को जनता तक पहुंचाकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में भी मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान करने वाली पार्टी है और कार्यकर्ता ही हमारे लिए सर्वोपरि है। कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा आज विश्व की नंबर वन पार्टी है। उन्होंने जिला पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान बारे आवश्यक निर्देश दिए और जिले में चल रहे सदस्यता अभियान के प्रति संतुष्टि जताई।लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के निर्देशानुसार पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे।